जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शुक्रवार 15 दिसम्बर, 2023

विचार बिन्दु

यदि कोई दुर्बल मानव तुम्हारा अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना ही वीरों का काम है। परंतु यदि अपमान करने वाला बलवान हो तो उसको अवश्य दण्ड दो। –गुरु

भगवान महावीर ने कहा है अहंकार वर्तमान में सुख दे सकता है, भविष्य में तो नुकसान होगा

जय हो! जय हो!! जय हो!!!

भारत के संविधान की जिसने हमारे देश भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य दिया।

जय जय जय जय हो!

भारत की सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ की यशस्वी मुख्य न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड हैं और जिनके नेतृत्व में 4 अन्य माननीय न्यायाधीशों ने दिनांक 11.12.2023 को एक मत से यह ऐतिहासिक निर्णय दिया कि केन्द्र सरकार ने दिनांक 05.02.2023 को जम्मू कश्मीर से रद्द कर दिया था। वह वैध था, पूर्ण वैधानिक प्रक्रिया की पालना करते हुये दिया था और उसमें दुर्भावना भी नहीं थी। इस प्रकार माननीय संविधान पीठ ने केन्द्र के निर्णय पर वैधता की मोहर लगा दी। यह निर्णय 05.08.2019 के निर्णय के 4 वर्ष 4 माह व 6 दिन आया है और यह निर्णय 476 पृष्ठों का है।

लेखक कानून विद्यार्थी है अत: अधिकार के साथ कह सकता है कि संविधान पीठ का यह निर्णय अभूतपूर्व है जो भी वैधानिक प्रश्न उठाये गये थे उनका स्पष्ट सारगर्भित, पठनीय और बिना किसी अगर–मगर के है, जिसे साधारण नागरिक भी समझ सकता है। यह निर्णय पारदर्शी और देश के भविष्य के लिये दिशा बोधक है तथा नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है नये सुबह की बाग देता है। निर्णय भारतीय लोकतंत्र को विश्व का श्रेष्ठतम लोकतंत्र बनाने में सहायक होगा। माननीय सर्वोच्च न्यायालय की 5 जजों की संविधान पीठ का यह निर्णय एक मत से है। यद्यपि जस्टिस डी वाई चन्द्रचूड़, जस्टिस बी आर गवई, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने तीन विभिन्न अपने–अपने विचार हैं फिर भी संविधान पीठ का निर्णय एक मत है और माना है कि 1947 में महाराजा हरीसिंह जी ने भारत के साथ जम्मू–कश्मीर, उनके राज्य का विलय किया। विलय के बाद जम्मू–कश्मीर के पास सम्प्रभुता समाप्त हो गई जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 से भी यह बात सिद्ध है। इस ऐतिहासिक निर्णय की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:–

1) अनुच्छेद 370 के इस केस में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि संविधान के Substantive प्रावधानों में विज्ञप्ति के द्वारा कोई संशोधन नहीं हो सकता, क्योंकि संविधान में संशोधन करने की प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में दी गई है। इसमें बतलाया है कि प्रथम तो संसद की संशोधन बिल प्रस्तुत करना होगा और संसद सदस्यों के दो तिहाई मतों से दी गई प्रक्रिया के द्वारा पास कराना है। चूंकि यह बाध्यकारी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई अतएव माननीय न्यायालय ने यह माना कि राष्ट्रपति का आदेश CO 273 उस सीमा तक अवैध है जहां उक्त आदेश के द्वारा अनुच्छेद 367 में यह जोडा गया है और बतलाया गया है कि लेजेस्लेटिव असेम्बली जम्मू व कश्मीर व राज्य की सरकार को जम्मू व कश्मीर सरकार कहा गया है वह सही नहीं था, उसे राज्य की असेम्बली गवर्नर ऑफ जम्मू व कश्मीर समझना चाहिये। इस प्रकार माननीय न्यायालय ने संवैधानिक विज्ञप्ति CO 273 (जो राष्ट्रपति ने जारी की थी) इससे स्पष्ट हुआ कि अनुच्छेद 370 में सुधार करने के लिये जम्मू–कश्मीर असेम्बली की राय आवश्यक नहीं थी। इस प्रकार अनुच्छेद 367 में जो परिवर्तन किया गया उसे माननीय न्यायालय ने उचित नहीं मानते हुये भी राष्ट्रपति आज्ञा CO 273 से जम्मू व कश्मीर के विशेष स्टेट्स को नहीं माना। अत: आज्ञा क्रमांक CO 273 को मान्य माना गया।

> **लेखक कानून विद्यार्थी है अतः अधिकार के साथ कह सकता है कि संविधान पीठ का यह निर्णय अभूतपूर्व है जो भी वैधानिक प्रश्न उठाये गये थे उनका स्पष्ट सारगर्भित, पठनीय और बिना किसी अगर-मगर के है, जिसे साधारण नागरिक भी समझ सकता है। यह निर्णय पारदर्शी और देश के भविष्य के लिये दिशा बोधक है तथा नागरिकों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है नये सुबह की बाग देता है।**

2) संविधान पीठ ने माना कि सर्वोच्च न्यायालय भी भारत के राष्ट्रपति के निर्णय को नहीं बदल सकता। अनुच्छेद 370(1) (डी) के अन्तर्गत जारी कई संवैधानिक आदेशों से पता चलता है कि केन्द्र व राज्य ने संविधान जम्मू कश्मीर में लागू किया था। अधिसूचना जारी करने की शक्ति राष्ट्रपति के पास है वह वैध है।

3) माननीय संविधान पीठ ने माना कि अनुच्छेद 370 अस्थायी था। राज्य में युद्ध की परिस्थिति में यह प्रावधान था। यही कारण था कि इसे संविधान के भाग 21 में रखा गया संविधान सभा वहां नहीं है अत: जिस उद्देश्य पूर्ति के लिये इसे लाया गया, वहीं समाप्त हो गया और साथ ही अनुच्छेद 370 भी।

4) संविधान पीठ के निर्णय से यह स्थापित हो गया है कि केन्द्र और कोर्ट ने भारत की सम्प्रभुता व अखण्डता पर कोई समझौता नहीं किया। भारत का एक राज्य जम्मू–कश्मीर है और जम्मू कश्मीर व शेष भारत के निवासी समान नागरिक हैं इनमें कोई भेदभाव नहीं है।

5) सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि आगामी वर्ष के सितम्बर तक जम्मू कश्मीर में चुनाव के लिये कदम उठाये। ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्णय दिया है कि लद्दाख को अलग केन्द्र शासित प्रदेश का दर्जा देना भी वैध है।

6) उक्त फैसले के बाद ही केन्द्र सरकार में जम्मू कश्मीर (आरक्षण) संशोधन विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक को संसद से सोमवार को पारित करा लिया है।

जन गण मन अधिनायक भारत लोकतंत्र तेरी जय हो!

7) संविधान पीठ के निर्णय से आतंकवादी और देश को तोड़ने वाले लोग निराशा में डूब गये हैं और कभी भी कोई दु:खद घटना घटित हो सकती है। कुछ वैधानिक कानून के मर्मज्ञ यह बात कर रहे हैं कि केन्द्र द्वारा राज्य की कर्ज लेने की स्वतंत्रता पर अर्थात् Fiscal Federalism पर विपरीत असर डालता है। कुछ का यह भी कहना है कि अनुच्छेद 370 के केस का निर्णय Federalism का बाबत गलत उदाहरण प्रस्तुत करता है। लद्दाख को अलग करना और इस हेतु जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक लाना Federalism के सिद्धान्त के विरूद्ध है। संविधान पीठ ने इन पर चर्चा की है और केन्द्र सरकार के कथन का उल्लेख किया है कि इससे राज्य के अधिकारों पर कोई कटौती नहीं होगी। केन्द्र को इनका स्पष्टीकरण करना चाहिये। अनुच्छेद 370 के केस का निर्णय किसी भी प्रकार Worrying Precedent for Federalism नहीं कहा जा सकता। संविधान पीठ का निर्णय क्रान्तिकारी व ऐतिहासिक है।

आइये, मिलजुल कर बन्धुत्व की भावना को बलशाली बनायें। नागरिको को जो जीने का गरिमा मय अधिकार दिया है, वह अक्षुण्ण प्राप्त होता रहे। देश विकास की ऊँचाईयों को छूता रहे, नीति निदेशक तत्वों को साकारता प्राप्त होती रहे।

सभी की जय हो! जय हो! जय जय हो!

ध्यान रहे, भगवान महावीर की शिक्षा थी– व्यक्ति का अहंकार वर्तमान में सुख दे सकता है, किन्तु भविष्य में तो वह दु:खदायी ही होगा।

सबको सन्मति दे भगवान!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

कचोलिया का झोपड़ा गांव में दो दशक से सड़क जीर्ण-शीर्ण अवस्था में

माण्डलगढ़ के कचोलिया गांव की सड़क कीचड़ व गड्ढों में तब्दील हो चुकी है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ के श्रीनगर ग्राम पंचायत के कचोलिया का झोंपड़ा गांव मे एक ऐसी तस्वीर निकल कर सामने आई जो शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही हैं। आज से दो दशक पहले सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क जिर्णशीर्ण होकर कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। गन्दगी और कीचड़ से सनी सड़क के दलदल में गुजरने को लोग मजबूर हैं। ग्रामीणों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए प्रशासन के अधिकारियों, नेताओं और गांव के तक गुहार लगाई, लेकिन उक्त समस्या जस की तस बनी हुई हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और आंदोलन की चेतवनी दी हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि कचोलिया का झोंपड़ा गांव की आबादी से गुजरकर संग्रामपुरा तक जाने वाले मार्ग की मुख्य सड़क दो दशक पूर्व लोक निर्माण विभाग ने बनाई थी, जो जर्जर होकर गड्ढों व कीचड़ में तब्दील हो चुकी हैं। इस मार्ग पर गन्दगी से अटे कीचड़ और दलदल में वाहन चालक, ग्रामीण व स्कूली बच्चे जान जोखिम में डाल कर निकलने को मजबूर है। लेकिन विभाग और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों ने आज तक नई सड़क तो दूर पेचवर्क तक नहीं किये हैं।

सरकारी अफ़सर और राजनेता विकास के कई बड़े–बड़े दावे करते हैं। लेकिन इनके खोखले दावों की इस मार्ग पर पोल खुलती नजर आ रही हैं। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के लोग लोक लुभावन झांसे देकर ग्रामीणों से वोट हांसिल करने में सफल तो हो जाते है, लेकिन ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान नहीं करा सके है।

ग्रामीणों ने बताया कि विगत एक दशक से आबादी के बीच सड़क मार्ग पर बड़े बड़े गढ्ढे, गन्दगी और कीचड़ का आलम बना हुआ है। इस मामले की शिकायत स्थानीय विधायक, सरपंच से लेकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को कई बार की गई हैं, लेकिन आज तक इस गम्भीर समस्या से लोगों को गुजरना पड़ रहा है।

वार्ड पंच महेंद्र मीणा और ग्रामीणों ने प्रशासन, नेताओं और सरपंच को चेतवनी दी कि कीचड़ वाले मार्ग की समस्या से इस बार निजात नहीं दिलाई गई तो उग्र आंदोलन कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

श्रीनगर सरपँच रामलाल भील का कहना है कि संग्रामपुरा सड़क मार्ग पर पेचवर्क या नई सड़क बनाने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा कई बार पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखे है। लेकिन आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में श्रमदान किया

स्वच्छता का संदेश के लिए छात्र–छात्राओं ने रैली निकाली।

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों (कला, वाणिज्य, विज्ञान और छात्रा इकाई) के तत्वाधान में प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता हेतु स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा श्रमदान किया गया।

शिविर के प्रारंभ में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनूप कुमार आत्रेय ने स्वयं सेवको एवं स्वयं सेविकाओं को संबोधित करते हुए जीवन में श्रम के महत्व के बारे में बताया तथा श्रमदान करने हेतु अलग अलग समूह बनाएं। श्रमदान करने दौरान कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनोज कुमार रावत, डॉ.हरमान सिंह तथा डॉ. देवकी मीणा ने स्वयं सेवको एवं स्वयं सेविकाओं का मार्गदर्शन किया। श्रमदान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में गणित विभाग, राजनीतिक विज्ञान विभाग, पारसी विभाग के सामने, मंदिर परिसर, सीनियर गर्ल्स हॉस्टल के पास स्थित खेल मैदान तथा हेरिटेज ब्लॉक को स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने श्रमदान कर स्वच्छ किया गया। शिविर के समापन के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.मिलन कुमार यादव ने सनी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए श्रमदान की सराहना की। शिविर के अंत में स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं के द्वारा महाविद्यालय परिसर में रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

शीत ऋतु के साथ बढ़ने लगी ऊंटों की तस्करी

मुर्शिदाबाद। मौसम में सर्दी की आहट बढ़ने के साथ ही पश्चिम बंगाल में ऊंटों की तस्करी बढ़ने लगी है। बीते माह नवम्बर में प्रशासन ने ऐसे ही 16 ऊंटों को मुर्शिदाबाद थाना क्षेत्र से तस्करों से मुक्त कराया। ये ऊंट मांस की पूर्ति के लिए अवैध रूप से कसाई खाने ले जा रहे थे। पुलिस की तत्परता से इन ऊंटों को मुक्त करा कर ध्यान फाउंडेशन की गौशाला में पुनर्वासित कराया गया।

गत माह नवम्बर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद थाना क्षेत्र में 16 ऊंटों को अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाया जा रहा था। ये ऊंट मांसाहार की पूर्ति के लिए ले जाए जा रहे थे। ज्ञात हो कि ऊंट का मांसाहार न सिर्फ कानूनी रूप से निषेध है अपितु स्वास्थ्य की दृष्टि से भी नुकसानदायक हैं। परंतु शीत ऋतु के आते ही पश्चिम बंगाल परिक्षेत्र में ऊंटों की अवैध तस्करी बढ़ जाती है। पुलिस ने ऐसे ही 16 ऊंटों को तस्करों से मुक्त कराया। तस्करी में बरामद ये ऊंट दयनीन हालत मैंने। इन्हें आश्रय और चिकित्सा की अत्यंत आवश्यकता थी। उक्त ऊंटों को ध्यान फाउंडेशन की राजस्थान स्थित गौशाला में पुनर्वासित किया गया है। गत 10 दिसंबर को यह ऊंट ध्यान फाउंडेशन की राजस्थान स्थित गौशाला पहुंचें। वहां उन्हें त्वरित चिकित्सा मुहैया कराई गई।

ध्यान फाउंडेशन गोवंश को बचाने के लिए करुणा एवं जीव दया की गतिविधियों में शामिल है। पिछले कई वर्षों से ध्यान फाउंडेशन बीएसएफ के साथ मिल कर पश्चिम बंगाल सीमा और असम आदि राज्यों में गोवंश तस्करी रोकने के कार्य में लगा हुए है। सीमा से बचाए हुए गोवंश को ध्यान फाउंडेशन देश भर में बनी अपनी 40 से ज्यादा गौशाला में पुनर्वासित करता है। अब तक 70,000 से ज्यादा गोवंश को पुनर्वासित किया जा चुका है। इसके अलावा दुर्घटनाओं, एसिड हमलों, हमले और चोटों जैसी दयनीय स्थितियों में पीड़ित जीवों की मदद भी शामिल हैं।

भीलवाड़ा स्टेशन सहित अजमेर मंडल पर "एक स्टेशन एक उत्पाद" स्टॉल का संचालन

अजमेर, (कासं)। एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया "एक स्टेशन एक उत्पाद" की अवधारणा के अन्तर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के भीलवाड़ा स्टेशन पर स्टाल सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है जो कि एक आयुर्वेदिक चूर्ण गोली एवं हर्बल प्रोडक्ट "द्वारकेश" नाम का लोकल प्रोडक्ट है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील कुमार महला के अनुसार इस एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी) स्टाल के बारे में आम यात्रियों एवं स्वयं स्टाल संचालक के विचारों को जानने के लिए बात की गयी। इस क्रम में गाड़ी संख्या 12992 से भीलवाड़ा से उदयपुर जा रहे यात्री अजय शर्मा ने बताया कि उन्होंने आयुर्वेदिक गोली (हींग पेडा) लिया है इसे मैं यात्रा के दौरान उपयोग करूंगा और घर ले जाऊंगा। यह कुछ अलग हटकर ऐसी चीज है जो पहले स्टेशन पर नहीं मिलती थी, रेलवे की यह व्यवस्था मुझे अच्छी लगी।

इसी प्रकार एक अन्य यात्री ने अपने विचार साझा करते हुए बताया कि हमारी गाड़ी आने में अभी 15–20 मिनट का समय बाकी था, हम कुछ वस्तु खरीदने का विचार कर स्टाल तलाश रहे थे कि हमें यह ओ एस ओ पो स्टाल दिख गयी, यहां से हमने जो चीजें ली वे सामान्यत: स्टेशनों पर नहीं मिलती। वहां केवल कोल्ड ड्रिंक, चाय–कॉफी कचोरी–समोसा नाश्ता आदि मिलता है, उनसे अलग हट कर रेलवे द्वारा यह ओएसओपी स्टाल्स शुरू की गयी है जो बिल्कुल नया कॉन्सेप्ट है, हमें बहुत अच्छा लगा। अलग–अलग स्टेशनों पर अलग–अलग टाइप के प्रोडक्ट्स की शॉप होना काफी आकर्षित करता है, यह रेलवे का बहुत ही सराहनीय कदम है।

स्वयं स्टाल संचालक रामबाबू गौड व पंकज गौड ने बताया कि हमारी फर्म एमएसएमई के अन्तर्गत रजिस्टर्ड है जो 'द्वारकेश प्रोडक्ट' के नाम से आयुर्वेदिक चूर्ण गोली एवं हर्बल प्रोडक्ट्स बनाती है। रेलवे की एक स्टेशन एक उत्पाद 'स्कीम के तहत हमें भीलवाड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 पर स्टाल लगाने का अवसर मिला, इससे हमारे रोजगार को और अधिक बढ़ावा मिल गया है। शुरू–शुरू में पहले हमने यह ओएसओपी स्टाल अस्थायी एक लकड़ी की बेंच लगाकर उस पर प्रोडक्ट सजाकर बिक्री करते थे परन्तु बाद में रेलवे द्वारा बहुत ही शानदार और आकर्षक स्टाल स्थापित करके दी इसमें हम अपने प्रोडक्ट्स को सिस्टेमैटिक तरीके से सजाकर बेच रहे हैं, यह स्टाल यात्रियों के लिये आकर्षण का केन्द्र है। साथ ही हमारे प्रोडक्ट्स को रेलवे की ओ एस ओ स्टाल से एक नई पहचान मिली, हमारी बिक्री बढ़ने के साथ–साथ हमारा ब्रांड आम पब्लिक में विज्ञापित हो रहा है इसलिये हम भारतीय रेल के आभारी हैं।

अजमेर मंडल के अन्य स्टेशनों पर भी इस प्रकार की स्थानीय उत्पादन से संबंधित स्टॉल्स स्थापित की गई है, जिनकी सतत रूप से मॉनिटरिंग सहायक वाणिज्य प्रबंधक मोनिका यादव द्वारा की जा रही है। मण्डल के रेलवे स्टेशनों पर लगाई गई एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल दूरदराज से आने वाले रेलयात्रियों को लगातार आकर्षित कर रही हैं । जहां यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर संबंधित क्षेत्र के प्रसिद्ध उत्पाद यात्रा के दौरान ही आसानी से मिलने लगे हैं, वहीं उत्पादकों की भी बिक्री होने लगी है।

गोल्ड मैडल जीतने पर भवानी सिंह का स्वागत

■ 66वीं नेशनल शूटिंग चैम्पीयनशिप में गोल्ड मैडल जीता है भवानी सिंह ने

चूरू, (कासं)। 66वीं नेशनल शूटिंग चैम्पीयनशिप में गोल्ड मैडल जीतने पर भवानी सिंह का गुरुवार को चूरू पहुंचने पर भव्य अभिनंदन किया गया।

जिला मुख्यालय स्थित दी वॉरियर शूटिंग एकेडमी में पटवारी अजीत भाकर व एकेडमी संचालक पूर्ण सिंह ने गोल्ड मेडल जीतने वाले गांव रिड़खला के खिलाडी भवानी सिंह का मार्ल्यापण कर व मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया। भवानी सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 6 से 7 घंटे कोच पूर्ण सिंह के मार्गदर्शन में की गई कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि आज इस मुकाम पर पहुंचा। खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए पटवारी अजीत भाकर ने कहा कि भवानी सिंह की मेहनत से सभी को प्रेरणा लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि रिड़खला गांव में किसान परिवार में जन्में भवानी सिंह ने अपनी कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर साबित कर दिया कि अपना गोल सेट कर उसके अनुसार मेहनत की जाए तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त की जा सकती है। शूटिंग एकेडमी के संचालक पूर्ण सिंह ने कहा कि 66वीं नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर मेडल व सर्टिफिकेट के साथ 5 लाख रूपये से अधिक का नगद पुरस्कार भी सरकार द्वारा दिया जायेगा और राजस्थान सरकार द्वारा आउट आफ टर्न स्पोर्ट्स कोटे से सरकारी नौकरी का लाभ भी युवा खिलाड़ी को मिल सकता है। उन्होंने बताया कि वे 2018 से निरंतर एकडमी का संचालन कर रहे हैं और उन्हें पूरा विश्वास है कि आगामी दिनों में 5 अन्य खिलाडी भी नेशनल ही नही इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस अवसर पर तहसीलदार पवन मीणा, नरेन्द्र खीचड़, विनोद प्रजापत, योगेन्द्र सिंह, अदिति, विवेक वर्मा, सुनील, मोहम्मद समी, मुधेश, कमलेश ढ़ाका आदि उपस्थित थे।

राशिफल

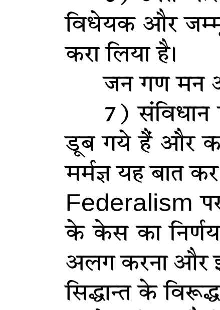

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 15 दिसम्बर, 2023

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र प्रात: 8:10 तक, वृद्धि योग दिन 10:17 तक, तैतिल करण दिन 11:43 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:45 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–धनु, मंगल–वृश्चिक, बुध–धनु, गुरू–मेष, शुक्र–तुला, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 8:10 तक है। रवियोग प्रात: 8:10 से शनिवार प्रात: 6:25 तक है। आज से जमादि–उलमानि मु.मास 8 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:29 तक, लाभ–अमृत 8:29 से 11:04 तक, शुभ 12:22 से 1:39 तक, चर 4:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 5:31

मेष
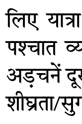
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
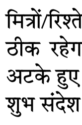
आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
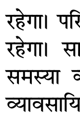
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
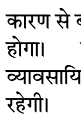
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
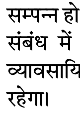
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
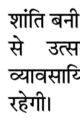
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। सुख–शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
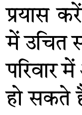
व्यावसायिक वार्ता को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। घर–परिवार में आज महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
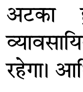
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
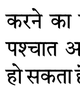
अपने अति आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मकर
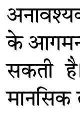
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कुंभ
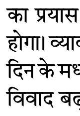
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में वाद–विवाद बढ़ सकते हैं।

मीन
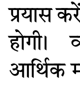
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक संबंध बनेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 74 संख्या: 134 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 15 दिसम्बर, 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

WHY IS THE STATE OF ASSAM SO UNSTABLE !!

In order to achieve a strong hold, Indira opened gates for Bangladesh Muslims who were only waiting for this opportunity to move in, on to fertile lands.

What's The Best Way To Store Carbon Dioxide

Switzerland has set itself an ambitious goal

वैज्ञानिकों ने हाल ही में नागालैंड की मीलक नदी में मछली की एक नई प्रजाति खोजी है। नागालैंड के फज़्ल अली कॉलेज के जंतु विज्ञान के प्रोफेसर लिमाकुम के नाम पर इसका नाम बाडिस लिमाकुमी रखा गया है। इस खोज का ब्यौरा जर्नल ज़ूटैक्सा में छपा है। नई प्रजाति की खोज मोकोथुंग जिले में हुई है। नई खोजी गई मछली, छोटी फ्रैशवॉटर फिश बाडिडे फैमिली की है। बाडिडे फैमिली में कुल 26 प्रजातियों की खोज हुई है। ताजे पानी और हल्के जल प्रवाह में रहने वाली ये मछलियां भारत, बांगलादेश, नेपाल, पाकिस्तान, थाईलैंड और म्यान्मार में मिलती हैं। बाडिडे फैमिली के बाडिस जीनस में अब तक 14 प्रजातियां थीं अब नई खोज से इनकी संख्या 15 हो गई है। लिमाकुम को यह मछली नागालैंड की नदियों में मछलियों के अध्ययन के दौरान मिली थी। नई प्रजाति अपने बड़े आकार व अन्य विशेषताओं के कारण फैमिली की अन्य प्रजातियों से भिन्न है। मुख्य शोधलेखक प्रवीनराज जयसिम्हन, जो कि आई.सी.ए.आर. सैंट्रल आइलैंड एग्रीकल्चर रिसर्च सैंटर के वैज्ञानिक हैं, ने कहा कि, उन्हें नवम्बर 2020 में नई प्रजाति की मछली की तस्वीरें मिली थीं, इस मछली की रंग बदलने की क्षमता को देखते हुए उन्होंने लिमाकुम से कहा कि, वे इसकी लाइव तस्वीरें शेयर करें ताकि इसका मूल रंग समझ में आ सके। बाडिस जीनस की इन मछलियों को, रंग बदलने की क्षमता के कारण गिरगिट मछली भी कहते हैं। इस क्षमता की वजह से यह आसपास के माहौल में रच बस जाती हैं। यह प्रजाति अपने जीनस की अन्य प्रजातियों से अलग है। इसके गलफड़ों (गिल्स) पर एक बड़ा काला धब्बा होता है, जैसा कि बाडिस एसामैन्सिस में पाया जाता है। लेकिन एसामैन्सिस की तरह इसके पूरे शरीर पर धब्बे नहीं पाए गए।

सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर संसद में भारी हंगामा, कार्यवाही स्थगित

लोकसभा से 15 और राज्यसभा से एक सांसद निलम्बित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। लोकसभा में बुधवार को विज़ीटर्स गैलेरी कूदकर चैम्बर में आए दो घुसपैठियों के प्रकरण को लेकर संसद में गुरुवार को भी हंगामा जारी रहा और उसके दोनों सदनों को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया।

अब विज़ीटर्स गैलेरी के सामने एक "ग्लास शील्ड" लगाकर सुरक्षा और मजबूत की गई है, जबकि लोकसभा सचिवालय ने कर्त्तव्य में कोताही बरतने को लेकर आठ अधिकारियों को निलम्बित कर दिया है।

राजस्थान के नेता पीयूष गोयल के प्रस्ताव पर टी.एम.सी. सांसद डेरेक ओ-ब्रायन को अनुचित व्यवहार के कारण निलम्बित कर दिया गया। ब्रायन ने जब सदन से बाहर जाने से इन्कार किया तो सभापति जगदीश धनखड़ ने उनके नाम को सदन की विशेषाधिकार कमेटी को रैफर कर दिया। कमेटी इस प्रकरण में तीन माह में निर्णय लेगी।

स्पीकर ओम बिड़ला द्वारा नाम गिनाए जाने के बाद विपक्ष के 15 सांसदों को निलम्बित कर दिया गया। इनमें कांग्रेस के नौ, माकपा के दो, द्रमुक के दो और भाकपा का एक सांसद है।

- लोकसभा से निलम्बित होने वाले 15 सांसदों में से 9 कांग्रेस के हैं।
- राज्यसभा से तृणमूल सांसद डैरेक ओ ब्रायन निलम्बित किया गए।
- बुधवार को संसद की सुरक्षा को धता बताते हुए दो युवक कैनिस्टर्स के साथ संसद में पहुंच गए और दो लोगों ने संसद के बाहर रंगबिरंगी गैस छोड़ी। विपक्षी सांसदों ने सुरक्षा चूक पर संसद में हंगामा किया व सरकार से वक्तव्य की मांग की।
- मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा, जिन्होंने दो घुसपैठियों को पास जारी किए थे, ने स्पीकर के समक्ष अपना पक्ष रखा।

निलिम्बित किए गए कांग्रेसी सांसदों में मणिकम टैगोर, एम.डी. जावेद, वी.के. श्रीकंदन, बेन्नी बेहानन, डी.एम.के. के के. कनिमोई और एस.आर. पाथिबन, सी.पी.एम. के पी.आर. नटराजन व एस. वैंकटेशन और सी.पी.आई. के के. सुब्बारण्य शामिल हैं।

संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने दिन की शुरुआत में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें कांग्रेस के पांच सांसदों टी.एम. प्रतायन, हिबी एदन, ज्योतिमणि, राम्या हरिदास और दीन कुरियाकोसे को सत्र की शेष अवधि के लिए निलम्बित किए जाने की बात कही गई थी, इस दौरान बी. महताब सदन की अध्यक्षता कर रहे थे। लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी बार-बार स्थगन के बाद शुक्रवार प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बुधवार की घटना के बाद संसद की कार्यवाही गुरुवार को भारी तनाव के बीच शुरु हुई। लोकसभा में बुधवार को शून्यकाल के दौरान दो जने विज़ीटर्स गैलेरी से चैम्बर में कूद गए थे और उन्होंने कैनिस्टर्स से धूआँ छोड़ दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री संसद में नहीं थे। वह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के दो नए मुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोहों में भाग लेने गए हुए थे। प्रधानमंत्री ने कल की घटना पर विचार-विमर्श को लेकर वरिष्ठ मंत्रियों के साथ मीटिंग की।

इस बीच, मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा, जिनके नाम पर दो जनों के लिए पास इश्यू किए गए थे, ने आरोपियों के बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को ब्रीफ किया। उन्होंने स्पीकर को बताया कि आरोपी मनोरंजन डी. का पिता उनके निर्वाचन क्षेत्र मैसूर का निवासी है तथा उसने नया संसद भवन देखने के लिए पास जारी करने का अनुरोध किया था।

इसके के साथ ही, इस मामले में अब तक पांच जने गिरफ्तार किए गए हैं, जबकि उन्हें अपने गुरुग्राम स्थित आवास पर पनाह देने वाला व्यक्ति फरार है। लोकसभा चैम्बर में कूदने वाले दो जनों, संसद भवन के प्रवेश द्वार से दो जनों और उनका सहयोग करने वाले दो अन्य को गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि, संसद की सुरक्षा व्यवस्था को भंग करने को लेकर छह जने पिछले कई महीनों से

(शेष पृष्ठ 4 पर)

तेलंगाना में बी.आर.एस. गठबंधन के मुद्दे पर भाजपा भारी असमंजस में

बी.आर.एस. से गठबंधन के मुद्दे पर प्रदेश भाजपा में भारी मतभेद उभर रहे हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर। तेलंगाना में कांग्रेस का अकस्मात और अप्रत्याशित पुनर्जीवन हुआ है। यहां से लोकसभा के 17 सांसद चुनकर जाते हैं, कांग्रेस ने अपने अब तक के प्रतिद्वंदी दलों, क्षेत्रीय दल, बी.आर.एस. एवं भाजपा दोनों के लिए असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है कि क्या उन्हें आगामी संसदीय चुनाव अलग-अलग लड़ना चाहिए या फिर कांग्रेस को तेलंगाना में मात देने के लिए एक समझौता कर लेना चाहिए।

- भाजपा का एक गुट कांग्रेस विरोधी वोटों का विभाजन रोकने के लिए बी.आर.एस. से गठबंधन के पक्ष में है।
- साथ ही भाजपा का एक बड़ा गुट बी.आर.एस. के साथ गठबंधन का विरोध कर रहा है। उसका मत है कि, बी.आर.एस. क्षेत्र में भारी अलोकप्रिय है और उसके साथ से भाजपा को नुकसान होगा।
- इस गुट का कहना है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा अकेले ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करेगी।

हालांकि, भाजपा अभी कुछ समय पूर्व सम्पन्न हुए तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जबरदस्त और अद्भूत विजय का कीर्तिमान स्थापित करने के बाद इन राज्यों में लोकसभा चुनाव के लिए काफी अच्छी स्थिति में नज़र आती है। कांग्रेस की अच्छी स्थिति में तेलंगाना में दोनों पार्टियों के राजनीतिक नेतृत्व एवं शीर्ष नेताओं को इस मामले में पुनर्विचार करने के लिए बाध्य कर दिया है।

तेलंगाना मे भाजपा जिस सवाल का जवाब तलाश रही है वह यह है कि क्या उसके लिए उस बी.आर.एस. पार्टी से समझौता करना बुद्धिमानीपूर्ण कदम होगा जिसे सत्ता विरोधी जबरदस्त लहर के चलते जनता ने हरा दिया और और पार्टी को नकारात्मकता का भी सामना करना पड़ा, जो संसदीय चुनावों के लिए वोट मांगने तक रह सकती है। हालांकि, जो मुद्दे विधानसभा चुनावों में हावी रहते हैं और जो लोकसभा चुनावों में छाए रहते है उनमें भारी अंतर होता है। भाजपा का एक वर्ग मानता है कि यदि कांग्रेस विरोधी वोटों का विभाजन नहीं होने देना है तो वे भारत राष्ट्र समिति दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं।

परन्तु अभी भी, एक बड़ा गुट तेलंगाना में बी.आर.एस. के साथ समझौता करने के खिलाफ है जिसका धरातल पर जनसमर्थन खत्म हो गया है। प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं और कैडर में इस विचार को प्रचारित करने वालों का कहना है कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान प्रचारित किया था कि बी.आर.एस. और भाजपा दोनों एक साथ मिले हुए है और उसकी कीमत भाजपा को स्पष्टतौर पर चुकानी पड़ी है, क्योंकि बी.आर.एस. की तरफ चलने वाली सत्ता विरोधी लहर से भाजपा पूरी तरह से घिर गई थी और यह एक मुख्य कारण था जिसकी वजह भाजपा का बहुत ही खराब प्रदर्शन रहा।

यदि भाजपा ने उक्त प्रचलित धारणा के खिलाफ मजबूती से प्रचार किया होता और यदि तेज तर्रार स्थानीय नेताओं ने धुआंधार प्रचार अभियान चलाया होता तो भाजपा ने ये जो 8 विधानसभा सीटों पर विजय दर्ज की है इससे काफी बेहतर प्रदर्शन चुनावों में होता।

भाजपा के एक वर्ग के नेताओं के मन में यह खास विचार है और जो वोटों के प्रतिशत में वृद्धि दर्ज हुई है उससे यह पता चलता है और इसीलिए उन्हे यह महसूस होता है कि कांग्रेस ने जो चुनावों में धारणा उत्पन्न की उसका चुनावों में भाजपा के वोटो पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। यदि अब आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भारत राष्ट्र समिति दल से गठबंधन किया जाता है तो इसकी वजह पार्टी को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा, ऐसा तेलंगाना भाजपा में गठबंधन के खिलाफ एक धड़ा मानता है।

परन्तु फिर भी, भाजपा-बी.आर.एस. गठबंधन के समर्थकों का कहना है कि ऐसा होने से कांग्रेस विरोधी वोटों का बंटवारा दो दिशाओं में विभाजित हो जाएगा और इससे कांग्रेस की विजय का रास्ता सीधा हो जाएगा। यह सुनिश्चित है उस समय मोदी समर्थक लहर होगी और ऐसा उस समय संभव हो जाता है जब मोदी स्वयं के लिए चुनाव लड़ रहे होते है और उस समय भाजपा की प्रगति में एक उछाल आएगा। परन्तु इसके बावजूद भी, यह जोखिम भरा कदम हो सकता है कि कांग्रेस मतदाताओं के वोट दो भिन्न दिशाओं में बंटें।

परन्तु, पार्टी मे दूसरे धड़े का यह मानना है कि संसदीय चुनावों के दौरान तेलंगाना में भी चुनावों के दौरान सीधी टक्कर भाजपा व कांग्रेस के मध्य ही होगी और बी.आर.एस. की तो बहुत ही सीमित भूमिका होगा। यदि औपचारिक रूप से भाजपा व बी.आर.एस. गठबंधन कर लेते हैं तो अल्पसंख्यक वोट निश्चित रूप से कांग्रेस के खाते में चले जाएंगे और इसके चलते ए.आई.एम.आई.एम. के लिए भी उसके अल्पसंख्यक वोटों को उसके पक्ष में रखना बहुत मुश्किल कार्य हो जाएगा।

विधानसभा चुनावों के दौरान

(शेष पृष्ठ 4 पर)

'सांसदों को किस अपराध में निलम्बित किया है'

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद में सुरक्षा को लेकर सवाल पूछने पर पार्टी सांसदों के निलंबन को अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा कि सुरक्षा में चूक का मामला गंभीर है और इस मुद्दे को संसद में उठाने के कारण सांसदों का निलम्बन एक तानाशाही है।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, संसद में सुरक्षा के बारे में सवाल पूछने पर 15 सांसदों का निलम्बन असल में लोकतंत्र का निलम्बन है।

खड़गे ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारे लोकतंत्र के मंदिर यानी संसद की सुरक्षा को खतरे में डालने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब इस मुद्दे को लेकर बात करने वालों को ही सजा दे रही है। संसद में हुई गंभीर सुरक्षा चूक को लेकर चर्चा करने की बात करने वाले विपक्ष के 15 सांसदों को सरकार ने संसद से निलंबित कर दिया, लेकिन

(शेष पृष्ठ 4 पर)

करणपुर में कांग्रेस ने सहानुभूति कार्ड खेला

पार्टी ने दिवंगत विधायक गुरमीत के पुत्र रूपिन्दर कुन्नर को मैदान में उतारा

जयपुर, 14 दिसम्बर (का.प्र.)। करणपुर विधानसभा के लिए 5 जनवरी 2024 को होने वाले चुनाव के लिए कांग्रेस ने दिवंगत पूर्व विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के बेटे रूपेंद्र कुन्नर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही कुन्नर ने नामांकन भी दाखिल कर दिया है।

- करणपुर सीट के लिए 5 जनवरी 2024 को मतदान होगा तथा 8 जनवरी को चुनाव नतीजे घोषित होंगे।
- ज्ञातव्य है कि करणपुर के कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत कुन्नर के निधन की वजह से यहां राज्य की आम सीटों के साथ चुनाव नहीं हो सके थे।
- चुनाव के नियमों के तहत दिवंगत प्रत्याशी की जगह नए प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाता है पर बाकी दलों के प्रत्यासी वही रहते हैं।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले करणपुर विधानसभा के प्रत्याशी और विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर का बीमारी के कारण निधन हो गया था। ऐसे में नियमानुसार चुनाव स्थगित हो गए थे और 25 नवंबर को हुए मतदान में 199 सीटों पर ही वोट डाले गए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने अब 5 जनवरी को चुनाव करवाने के लिए तिथि घोषित की है।

इस बार विधानसभा चुनाव में श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन के बावजूद राजस्थान में सरकार भाजपा बनी है। ऐसे में कांग्रेस के लिए इस सीट पर जीत हासिल करना काफी चुनौती भरा कार्य रहेगा। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार किसी रजिस्टर्ड पार्टी के उम्मीदवार का निधन हो जाता है ,तो चुनाव स्थगित कर दिए जाते है। ऐसे में सिर्फ उस पार्टी के नए उम्मीदवार को ही नामांकन करना होता है और बाकी पार्टियों के उम्मीदवार पूर्व की भांति ही रहते हैं। करणपुर में भाजपा की ओर से पूर्व मंत्री सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी और आम आदमी पार्टी की ओर से पृथ्वीपाल सिंह संधू चुनावी मैदान में हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। आगामी 19 दिसंबर तक नामांकन लिए जा सकेंगे और 20 दिसंबर को संवीक्षा होगी। करणपुर विधानसभा सीट पर 249 मतदान केन्द्रों पर 5 जनवरी को मतदान होगा और 8 जनवरी को जिला मुख्यालय पर मतगणना होगी।

आईईडी ब्लास्ट में बी.एस.एफ. जवान शहीद

कांकेर, 14 दिसंबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के धुर नक्सल प्रभावित परतापुर थाना क्षेत्र के माहला जंगलों में

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के धुर नक्सल प्रभावित परतापुर थाना क्षेत्र के माहला जंगलों में गुरूवार को नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया जिसकी चपेट में आने से बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.) का एक जवान शहीद हो गया।

गुरूवार को नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया जिसकी चपेट में आने से

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नए मुख्यमंत्री भजन लाल आज शपथ लेंगे

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे

जयपुर, 14 दिसम्बर (का.सं.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दो उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा शुक्रवार को शपथ लेंगे। शनिवार को सिर्फ तीन ही नेता शपथ लेंगे। मंत्रियों की नियुक्ति केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिलने के बाद होगी होगी। इधर, अल्बर्ट हॉल (रामनिवास बाग) के बाहर होने वाले इस समारोह को भव्य बनाने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई है। समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा सहित 16 केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के 17 सीएम व डिप्टी सीएम शामिल होंगे।

- कार्यक्रम में कई केन्द्रीय मंत्री भी शामिल होंगे, इनमें अमित शाह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान, गजेन्द्र सिंह शेखावत, स्मृति इरानी, अर्जुन राम मेघवाल प्रमुख हैं।
- भाजपा की राज्य सरकारों के 17 मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री भी समारोह की शोभा बढ़ाएंगे, जिनमें उत्तर प्रदेश से योगी आदित्यनाथ, गुजरात के भूपेन्द्र पटेल, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय प्रमुख हैं।
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा व पार्टी तथा संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी भी शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों की भी झलक देखने को मिलेगी। समारोह स्थल पर भाजपा के झंडो और होर्डिंग काउंटर सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तमाम जन कल्याणकारी योजनाओं वाले पोस्टर और बैनर लगाए गए है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारियों ने गुरुवार को समारोह स्थल का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल के शपथ ग्रहण में 16 केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, प्रहलाद जोशी, अश्विनी वैष्णव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, भूपेन्द्र यादव, हरदीप सिंह पुरी, अनुराग ठाकुर, अर्जुनराम मेघवाल, नित्यानंद राय, एसपी सिंह बघेल और मनसुख मांडविया शामिल होंगे।

वही मुख्यमंत्रियों में उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, गुजरात के भूपेन्द्रभाई पटेल, हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर, मध्यप्रदेश के मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय, महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे, अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू, असम के हिमंता बिस्वा सरमा, गोवा के प्रमोद सांवत, त्रिपुरा के माणिक साहा और मणिपुर के एन बीरेन सिंह समारोह में भाग लेंगे।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक, अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन, महाराष्ट्र के देवेंद्र फड़नवीस और नगालैंड के यानभुंगो भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

शपथ ग्रहण समारोह के लिए राजस्थान सहित अन्य राज्यों के विशिष्ट लोगों को भी निमंत्रण भेजे गए हैं।

इसमें प्रबुद्धजनों सहित राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोग शामिल हैं। इसके अलावा खेल जगत और साहित्यिक जगत के खास लोगों को भी समारोह के लिए आमंत्रण भेजे गए हैं।

दम्पती ने तीन बच्चों सहित आत्महत्या की

बीकानेर, 14 दिसम्बर (निसं)। शहर के एमपी नगर थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा अभी नहीं हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

- चार ने फांसी का फंदा लगा कर व एक ने विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

जानकारी के अनुसार घटना अंत्योदय नगर की है। इसकी सूचना क्षेत्र के लोगों ने थाना पुलिस को दी। अब तक सामने आया है कि स्वर्णकार परिवार के हनुमान सोनी के घर में गुरूवार दोपहर साढ़े ग्यारह-बारह बजे तक कोई

(शेष पृष्ठ 4 पर)

प्रेमचंद बैरवा भी उप मुख्यमंत्री पद के लिये अपने नाम पर चौंक गए थे?

जनता हमारे लिए सर्वोपरि है। उसी के लिए काम करना है : बैरवा

जयपुर। राजस्थान में इस बार दो उप मुख्यमंत्री बनाये गए हैं। जहां एक तरफ दीया कुमारी हैं तो दूसरी तरफ प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। प्रेमचंद बैरवा का जब विधायक दल की बैठक में उप मुख्यमंत्री के लिए नाम आया तो उन्हें खुद पता नहीं था। वो भी चौंक गए थे। वहीं दूसरी बार के विधायक प्रेमचंद बैरवा ने इस बार मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे बाबू लाल नागर को दूदू से बड़े वोटों के अंतर से चुनाव हराया है। प्रेमचंद को भाजपा में सॉफ्ट दलित चेहरे के रूप में देखा जाता है। पार्टी में वो किसी भी खेमे में नहीं जाते हैं। राष्ट्रदूत संवाददाता जयराम शर्मा से उनकी ख़ास बातचीत हुई।

उप मुख्यमंत्री के लिए नाम आया तो क्या चौंक गए थे?

प्रेमचंद बैरवा : देखिये, निश्चित रूप से मुझे भी अपना नाम नहीं पता था। ये चौंकाने वाला काम पीएम नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ही कर सकती है और दूसरी कोई पार्टी नहीं कर सकती है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी अपने साधारण कार्यकर्ता का ध्यान रखती है। उसे उसके काम के अनुसार कहीं न कहीं जगह देती है। सभी वर्ग का ध्यान रखती है।

- **दूसरी बार के विधायक प्रेमचंद बैरवा ने इस बार मुख्यमंत्री के सलाहकार रहे बाबू लाल नागर को दूदू से बड़े वोटों के अंतर से चुनाव हराया है।**

विधायक दल की बैठक के दिन क्यों चुप थे विधायक?

प्रेमचंद बैरवा : विधायक दल की बैठक के दिन विधायकों के पास समय नहीं था। जल्दी में थे इसलिए कोई बोल नहीं रहा था। हमें न बोलने के लिए कोई संदेश नहीं आया था। सब, सहज प्रकिया थी।

अब प्रदेश के विकास के लिए क्या प्राथमिकता रहेगी?

प्रेमचंद बैरवा: कांग्रेस जिस तरह से झूठ बोलकर सत्ता में आई थी और पिछले पांच सालों में कुछ नहीं किया। बेरोजगारों को भत्ता देने की बात कही गई थी लेकिन नहीं दिया। किसानों को कर्ज माफ़ी का वादा करके कांग्रेस सत्ता में आई थी मगर कुछ नहीं किया। सिर्फ, उन्हें धोखा दिया है। पिछले पांच सालों में सिर्फ अपने विधायकों को जंगल राज के लिए खुली छूट दे रखी थी। उससे निजात मिलेगी। मेरी विधान सभा क्षेत्र में खूब मनमानी विधायक ने की है। लोगों पर मनमानी तरीके से मामले दर्ज किये गए हैं। दूदू में थानों में वोटों की राजनीति के लिए काम कराया गया है। वो सब अब नहीं होगा। जब मैं वर्ष 2013 में विधायक था तब दूदू के दोनों थानों को मॉडल थाने का अवार्ड मिला था। ये सरकार अहंकार में थी इसलिए जनता ने किनारे लगा दिया है।

सी.एम. सलाहकार को हराया इसलिए डिप्टी सीएम बना दिया?

प्रेमचंद बैरवा : उनकी सलाह तो सभी ने देख ली है। किस तरह की सलाह उन्होंने मुख्यमंत्री को दी होगी। भारतीय जनता पार्टी के संस्कार अलग है। इसलिए हम उसके हिसाब से काम करेंगे। जनता हमारे लिए सर्वोपरि है। उसी के लिए काम करना है।

राजस्थान में दो डिप्टी सीएम का फार्मूला, कैसा मानते हैं?

प्रेमचंद बैरवा : ऐसा नहीं है, भारतीय जनता पार्टी में कुछ भी तनाव और दबाव नहीं है। हम सब मिलकर काम करते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है, हम सब साथ हैं। दूदू को जिला बनाया गया है। वहां पर विकास के काम जारी रहेंगे। पहले उसके हेडक्वाटर को ठीक किया जायेगा।

जल्द शुरू होगी उत्तरी रिंग रोड

जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में भेंट की।

जयपुर। जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में भेंट कर जयपुर में लगातार बढ़ रहे यातायात के दबाव को कम करने के लिये जयपुर रिंग रोड दक्षिणी कॉरिडोर के निर्माण पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे न केवल जयपुर पर यातायात का दबाव कम हुआ है, बल्कि शहर के अंदर होने वाली सड़क दुर्घटनाएं भी कम हुई है।

सासंद बोहरा ने पूर्व में स्वीकृत जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग से जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग तक उत्तरी रिंग रोड, जिसकी भूमि आवंटित की प्रक्रिया प्रगति पर है, को शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करवाने की मांग की। साथ ही सांसद बोहरा ने मंत्री से मांग की कि जयपुर-किशनगढ़ हाईवे से जयपुर-दिल्ली के मध्य प्रस्तावित रिंग रोड की भी स्वीकृति शीघ्र जारी की जाये, जिससे जयपुर शहर के भारी यातायात दबाव वाले जंक्शन (200 फुट जंक्शन एवँ एवं 14 नंबर जंक्शन) पर यातायात का दबाव एवं सड़क दुर्घटनाओं को काम किया जा सके। मंत्री ने सांसद बोहरा को आश्वासन दिया कि जयपुर को जल्द ही उत्तरी रिंग रोड की सौगात मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा को अंबेडकर का तैल चित्र भेंट

राजस्थान सरकार में नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से जयपुर के जाने-माने चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता ने उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का ''हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं'' शीर्षक से बनाया गया तैल चित्र भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार गोठवाल, हेमराज टाटीवाल, महावीर प्रसाद खड़कवाल, एडवोकेट राजेंद्र बेनीवाल व धीरज शर्मा भी मौजूद रहे।

करणपुर विधानसभा के लिये तीसरे दिन एक नामांकन पत्र दाखिल

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि करणपुर विधानसभा स्थगित चुनाव 2023 के लिये 12 दिसम्बर को रिटर्निंग अधिकारी करणपुर द्वारा संशोधित निर्वाचन सूचना जारी करने के बाद तीसरे दिन 14 दिसम्बर को एक नामांकन पत्र प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि विधानसभा करणपुर के लिये आईएनसी के प्रत्याशी के रूप में रूपिन्दर सिंह कूनर ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। करणपुर विधानसभा क्षेत्र से अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस प्रत्याशी सहित कुल 12 उम्मीदवार हैं। करणपुर विधानसभा स्थगित चुनाव के लिये 19 दिसम्बर तक नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि होगी। 20 दिसम्बर को नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जायेगी तथा 22 दिसम्बर तक नामांकन पत्रों को वापिस लेने की अंतिम तिथि होगी। 5 जनवरी को मतदान होगा तथा 8 जनवरी को मतों की गणना जिला मुख्यालय पर प्रात: 8 बजे प्रारम्भ होगी।

करणपुर विधानसभा स्थगित चुनाव के दौरान मतदान दिवस 5 जनवरी के दिन विशेष योग्यजन एवं वरिष्ठ मतदाताओं की सहायता हेतु भारत स्काउट एण्ड गाईड एवं अन्य स्वयं सेवकों की सेवाएं ली जायेगी।

- **अब तक कुल 12 उम्मीदवारों ने भरा नामांकन**
- **विशेष योग्यजन एवं वरिष्ठ मतदाताओं की सहायता के लिये लगेंगे स्वयं सेवक**
- **22 दिसम्बर तक नामांकन पत्रों को वापस लेने की अंतिम तिथि होगी**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार आरओ करणपुर भारत स्काउट गाईड, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईके एवं अन्य स्वयं सेवकों की पहचान कर उन्हें विभिन्न मोबाईल एप्लीकेशन यथा वीएचए, सक्षम ईसीआई, सी-विजिल, केवाईसी आदि के संबंध में पूर्ण जानकारी तथा दिव्यांगजन व वृद्धजन के संबंध में पूर्ण जानकारी एवं दिव्यांगजन व वृद्धजन के संबंध में जिले में उपलब्ध विशेष शिक्षकों के माध्यम से व्हीलचेयर हेण्डलिंग एवं सांकेतिक भाषा का बेसिक प्रशिक्षण प्रदान कर सेवाएं ली जाये।

भर्ती में अनियमितता को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने पशु चिकित्सा अधिकारी भर्ती-2019 की चयन प्रक्रिया में अनियमिता को लेकर आरपीएससी सचिव और पशुपालन निदेशक से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थी को साक्षात्कार में शामिल करने को कहा है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह ने यह आदेश संदीप बीसू व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने पशु चिकित्सा अधिकारी के 900 पदों के लिए भर्ती निकाली। जिसकी संवीक्षा परीक्षा 2 अगस्त, 2020 को आयोजित की गई। आयोग की ओर से 26 नवंबर, 2020 को जारी परीक्षा परिणाम में 1878 अभ्यर्थियों को पास किया गया, लेकिन न तो वर्गवार कट ऑफ जारी की गई और ना ही आरक्षण के प्रावधानों को लागू किया गया। इसके अलावा अभ्यर्थियों के अकादमिक के अंकों को भी नहीं जोडा गया।

स्कूल बस ने 3 साल के मासूम को कुचला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में गुरुवार सुबह एक निजी स्कूल बस ने एक तीन साल के मासूम कुचल दिया,जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से शव को कांवटिया अस्पताल में पहुंचाया। जहां पर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना इलाके स्थित बगवाड़ा गांव में हुई, जहां जोगियों की ढाणी के पास कुम्हारों का मोहल्ला निवासी राधेश्याम प्रजापत अपनी बेटियों तनिष्का व अक्षिता को स्कूल बस में बैठाकर बस चालक से बात करने लग गया। इसी दौरान तीन साल का अमन खेलते-खेलते घर के बाहर स्कूल बस के आगे आ गया। जैसे ही बस रवाना हुई और अमन को कुचलती हुई आगे चली गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अमन दो बहनों में इकलौता भाई था। पुलिस जांच में सामने आया है कि स्कूल बस श्यामदास खोरा बिसल चांद देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल है। इस हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने स्कूल बस जब्त कर चालक की तलाश में जुटी है।

- **बस चालक मौके से फरार हो गया है। पुलिस स्कूल बस जब्त कर चालक की तलाश में जुटी है।**

टीमवर्क आर्ट्स ने मुंबई में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की थीम को प्रस्तुत किया

जयपुर, (का.सं.)। हवाओं मेंआइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 17वें संस्करण की सुगबुगाहट है। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन 1-5 फरवरी को गुलाबी नगरी, जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में किया जाएगा।

आइकोनिक फेस्टिवल के प्रोडूसर, टीमवर्कआर्ट्स ने कल द कोरम, मुंबई में एक विशेष शाम का आयोजन किया, जिसमें शहर की प्रसिद्ध हस्तियों, फेस्टिवल के वक्ताओं और श्रोताओं ने हिस्सा लिया। फेस्टिवल ने वर्ष 2024 संस्करण के लिए क्रॉसवर्ड बुकस्टोर्स को अपना ऑफिशियल बुकस्टोर घोषित किया। इस शाम में फेस्टिवल के प्रोग्राम और फेस्टिवल से जुड़ने वाली अन्य अनेक चीजों के साथ ही, एक विशेष वार्ता बेस्ट सेलिंग लेखक, राजनयिक और नेहरु सेंटर, लंदन के डायरेक्टर, अमीश और फेस्टिवल के प्रोडूसरसंजॉय के. रॉय के बीच आयोजित की गई। उन्होंने मिथक की भूमिका और महत्ता पर चर्चा की। बाद में शानदार जैज़ प्रस्तुति दी व्लादिमीर तरावोस और सक्सोफोनिस्ट लिउदास मोक्कुनिअस ने।

लेखक, इतिहासकार और फेस्टिवल के को-डायरेक्टर, विलियम डेलरिम्पल ने कहा, हर साल हम जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल को पहले से और बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं, और 2024 अब तक के सबसे बेहतरीन लाइन-अप के साथ हाज़िर हैं। ये पूरी तरह से शानदार होने वाला है और किसी भी हालत में इसमें शामिल होने का मौका गंवाना नहीं चाहिए!

टीमवर्कआर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के प्रोडूसर, संजॉय के. रॉय ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में हम लोगों को कहानियों के माध्यम से प्रेरित करते हैं। ये एक ऐसा अवसर होता है, जब आप एक ही साथ कला, ज्ञान और नई खोजों को देख सकते हैं। ये सही मायनों में साहित्य का उत्सव है।

- **फेस्टिवल ने वर्ष 2024 संस्करण के लिए क्रॉसवर्ड बुकस्टोर्स को अपना ऑफिशियल बुकस्टोर घोषित किया**

क्रॉसवर्ड बुकस्टोर्स के सीईओ, आकाश गुप्ता ने कहा, जेएलएफ का बुकस्टोरपार्टनर बनने पर क्रॉसवर्ड को गर्व है। हमारा मकसद भारत में रीडरशिप को बढ़ाना है। किताबों की महत्ता को समझने और उन्हें महसूस करने के लिए ये फेस्टिवलबेस्ट है। ये पार्टनरशिप एक परफेक्ट मैच है, और हम दोनों का ही विजन है साहित्य। 2024 में धूम मचाने के लिए हम तैयार हैं।

इस सम्मोहक शाम में, फेस्टिवल के 'कुम्भ' के 17वें संस्करण से जुड़े कुछ खास विषयों पर भी प्रकाश डाला गया। चूँकि कला व संस्कृति हमेशा से ही इस फेस्टिवल का मुख्य विषय रहा है, तो इस साल भी देश के सबसे महान कलाकार, राजा रवि वर्मा की कला पर रचित, गणेश वी. शिवास्वामी की छह वॉल्यूम की सीरिज, राजा रवि वर्मा : एन एवर लास्टिंग इंप्रिंट का विमोचन किया जाएगा। एक अन्य सत्र में, म्यूजियम क्यूरेटर, आर्ट इतिहासकार और कैम्ब्रिज में फिट्ज़विलियम म्यूजियम के डायरेक्टर, लुके सिसोंएक खोजी और वैज्ञानिक के तौर पर लेओनार्दो दा विन्ची की उपस्थिति पर बात करेंगे।सिसों की बहुप्रशंसित कृति, लेओनार्दो दा विन्ची-पेंटरएट द कोर्ट ऑफ़ मिलान, पुनर्जागरण काल के इस महान कलाकार की कला को समझने का प्रयास करती है।

जीवनियों पर आधारित एक सत्र में, फिल्म समीक्षक और लेखिका शुभ्रागुप्ता की किताब, इरफ़ान: ए लाइफ इन मूवीज पर चर्चा होगी। इस संकलन में स्वर्गीय अभिनेता के समकालीन कलाकारों से बात करके उनकी स्मृतियों को एकत्र करने का प्रयास किया गया है। सत्र में इरफ़ान खान की पत्नी और थिएटर अदाकारा सुतपासिकदर और फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज से संवाद में इरफ़ान के जीवन और उनके काम से जुड़े सुनहरे दौर को जीवंत किया जाएगा।

राजस्थान सरकार में इस बार जाति और उम्र को साधने का रहेगा प्रयास

जयपुर। राजस्थान में शुक्रवार मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शपथ ग्रहण करेंगे इसके साथ ही इनके मंत्रिमंडल की तस्वीर साफ हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि 10 से 12 कैबिनेट मंत्रियों को पहले सपथ दिलाई जाएगी। जिसमें जातियों और उम्र का पूरा ख्याल रखा जाएगा। दो-तीन वरिष्ठ विधायकों के अलावा पहली बार या दूसरी बार जीते हुए विधायकों को ही जगह दिए जाने की चर्चा तेज है। उसके बाद ही भजन लाल शर्मा सरकार के कैबिनेट की तस्वीर साफ हो जाएगी।

जाट समुदाय से इन्हें मिल सकती है भजनलाल सरकार में कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी। हरलाल सारण चुरू से पहली बार विधायक हैं। जिनकी उम्र 55 साल है, जाट समुदाय से आते हैं। कन्हैया लाल चौधरी मालपुरा से तीसरी बार लगातार विधायक हैं और उनकी उम्र 55 साल है। अजय सिंह किलक की उम्र 60 साल है और डेगाना से कई बार के विधायक हैं। भैरा राम सियोल ओसियां से विधायक हैं और इनकी उम्र 52 साल है। झाबर सिंह खर्रा कई बार के विधायक हैं। इनकी उम्र 65 साल है। एससी वर्ग से मदन दिलावर रामगंज मंडी से छठीं बार विधायक हैं। जिनकी उम्र 64 साल है। पहले भी कैबिनेट मंत्री रहे हैं। अनिता भदेल पांचवीं बार की विधायक हैं। इनकी उम्र 50 साल है। इसके पहले भी कैबिनेट मंत्री रह चुकी है। एसटी वर्ग से किरोड़ी लाल मीणा कई बार के विधायक है। इनकी उम्र 72 साल है। पहले भी कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। रामविलास विधायक हैं और जिनकी उम्र 48 साल है। ओबीसी कोटे से जवाहर सिंह बेडम गुर्जर हैं और भरतपुर की नगर विधानसभा सभा सीट से विधायक हैं और जिनकी उम्र 55 साल है। भागचंद टाकड़ा माली समाज से आते हैं। जिनकी उम्र 43 साल उम्र है। बाबा बालक नाथ पहली बार के विधायक हैं और जिनकी उम्र 39 साल है। राज्य मंत्री के लिए हंसराज पटेल पहली बार के विधायक हैं और जिनकी उम्र 50 साल है। गोपीचंद मीणा जहाजपुर के विधायक हैं और एसटी वर्ग से आते हैं।

फूलचंद मीणा उदयपुर ग्रामीण से विधायक हैं और 64 साल उम्र है। नौक्षम चौधरी कामां से विधायक हैं और 30 साल उम्र है। दीप्ति महेश्वरी राजसमंद से विधायक हैं और जिनकी उम्र 36 साल हैं, के नाम चर्चा में हैं।

- **मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के साथ करीब 10 से 12 कैबिनेट मंत्रियों को शपथ दिलाने की संभावना**

सांभर झील के वेटलैंड पर अतिक्रमण मामले में बैठक की रिपोर्ट नहीं देने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई

जयपुर,(का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांभर झील के वेटलैंड पर अतिक्रमण और अवैध तरीके से नमक दोहन के मामले में गठित कमेटी की मीटिंग की जानकारी अदालती आदेश के बावजूद न्यायमित्र सहित अन्य को नहीं देने और जांच रिपोर्ट पेश नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने पर्यावरण मंत्रालय के निदेशक व राज्य के जलवायु परिवर्तन प्रवर्तन अधिकारी को बीस दिसंबर को हाजिर होने को कहा है। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि अदालती आदेश की पालना क्यों नहीं की गई। जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान व हिंदुस्तान साल्ट लि. की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि अदालती आदेश के बाद भी मामले में गठित कमेटी के सदस्यों ने रिपोर्ट पेश क्यों नहीं की गई। इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि कमेटी की मीटिंग बीते दिन ही हुई है और रिपोर्ट पेश कर दी जाएगी। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को तलब किया। वहीं न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने कहा कि अदालत ने 2 अगस्त 2023 को वेटलैंड एरिया में अतिक्रमण के आरोपों की जांच के लिए राज्य के सीएस को निर्देश दिया था कि वे इस संबंध में हाई लेवल कमेटी बनाकर इसकी जांच कराए। इस दौरान कमेटी हिन्दुस्तान साल्ट की आपत्तियों को भी सुने और अदालत में अपनी रिपोर्ट दे। इसके बाद की सुनवाई में इसके लिए समय मांगा गया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल के सामने होगा। प्रधानमंत्री सहित अन्य वी.आई.पी. लोगों के आगमन को देखते हुए गुरूवार को जे.एल.एन. मार्ग पर पुलिस-प्रशासन ने रिहर्सल की।

श्रद्धांजलि

श्रीमती मूली देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री मूलचंद सैनी का स्वर्गवास दिनांक 12.12.2023 को हो गया है। हम सभी परिवारजन सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

श्रद्धावनत- कन्हैया लाल सैनी (पुत्र) सीताराम, हुकुम चंद, अशोक, सतीश, नवीन, शंकर कैलाश, जितेंद्र, देवेंद्र, सौरभ, यशवंत तोषित, पार्थ एवं समस्त तुसीड परिवार

नम्बर मिलाइए
9587884433

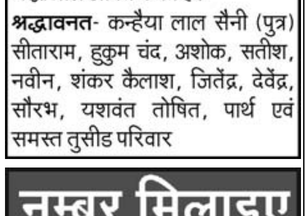

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना : सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री गोपाल लाल सैनी पुत्र श्री नानूराम सैनी निवासी: 978, राईवालों की ढाणी, जयसिंहपुरा खोर जयपुर का पुत्र रिंकू सैनी उनके कहने सुनने में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्य की इच्छा के विपरीत अन्यत्र विवाह करने पर उतारू है तथा आये दिन शराब आदि का सेवन करता है। इसलिये मेरे अभिभाष्य अपने उक्त पुत्र को तुरन्त प्रभाव से अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्तियों से बेदखल करता है। यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्था मेरे अभिभाष्य के उक्त पुत्र से किसी प्रकार का संव्यवहार, लेन-देन इत्यादि करता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। सूचित रहे। दिनांक: 14.12.2023
भवदीय: विवेक शर्मा, एडवोकेट- राज. उच्च न्यायालय, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती शकुन्तला कंवर पत्नी श्री चैन सिंह राठौड़ निवासी 857, देवी नगर, न्यू सांगानेर, श्याम नगर, सोडाला जयपुर के द्वारा औद्योगिक प्लाट नम्बर आई-डी-10, औद्योगिक योजना कृष्णा कुंज, ग्राम दहमी कलाँ एवं बगरू कलाँ तहसील सांगानेर, जिला जयपुर में पूर्वमुखी स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर है को मेरी अभिभाष्या ने खरीद कर लिया है। अगर भविष्य में उक्त सम्पत्ति के बाबत कोई अन्य व्यक्ति विक्रेत्री श्रीमती नीतू राठौड़ से कोई प्रलेख डीड, इकरारनामा, बख्शीश आदि करता है, तो शून्य अप्रभावी, अवैधानिक एवं मेरी अभिभाष्या के हितों के प्रति निरस्त एवं शून्य समझा जावेगा। जयपुर, दिनांक: 12.12.2023
फारूक अली खान, एडवोकेट मो. : 9828411563

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 13365 आम आहिर सूचना दिनांक: 14.12.2023
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 265/336 (EWS), (एरिया 47.625 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री महावीर प्रसाद मेहरा पुत्र स्व. श्री अमर लाल मेहरा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 7326 दिनांक 15.11.2003 को जारी किया गया। श्री महावीर प्रसाद मेहरा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 26.12.2006 को उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर, के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री महावीर प्रसाद मेहरा द्वारा श्री राजेन्द्र सिंह पायल पुत्र श्री प्रताप सिंह पायल को दिनांक 31.12.2014 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री राजेन्द्र सिंह पायल द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 03.03.2015 के द्वारा श्री राधा किशन बैरवा पुत्र श्री गोविन्द राम बैरवा को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्री राधा किशन बैरवा द्वारा उक्त आवास का विक्रय दिनांक 27.03.2015 को श्री दीपक कुमार गोयल पुत्र श्री अशोक कुमार गोयल के नाम किया जाकर विक्रय पत्र उप पंजीयक, सांगानेर-प्रथम, जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। अत: उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं,श्री दीपक कुमार गोयल पुत्र श्री अशोक कुमार गोयल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
संपदा प्रबंधक, वृत्त प्रथम, राज. आ. मण्डल, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम प्रमोद कुमार शर्मा से बदलकर प्रमोद शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए, प्रमोद शर्मा पुत्र श्री प्रहलाद नारायण शर्मा निवासी 688 शांति नगर, गोपालपुरा बायपास, दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के सामने, दुर्गापुरा, जयपुर- 302018

I, Jaswant Singh S/O Someshwar Singh, R/o 74, Poultry Farm, Agra Road, Jamdoli, Jaipur, Rajasthan-302031. Declare that Name of My Father has been wrongly written as Yashvrman Singh in my 10th Class Certificate. The actual name of My Father is Someshwar Singh, which may be amended accordingly.

I Teekaram Gurjar S/o Mulak Raj R/o Bhondwara, Karauli, Rajasthan - 322212, have changed my name to Teeku Nambardar

खोया पाया

मेरे आवास संख्या- 43, गोल्डन पीकॉक गार्डन, गांव वाटिका रामसिंहपुरा रोड सांगानेर, जयपुर, आवास संख्या- डी 60, राजीव गांधी नगर डी कल्याणपुरा, जयपुर व आवास संख्या- डी- सी 24, राजीव गांधी नगर डी ब्लॉक कल्याणपुरा, जयपुर के जमीन के कागज, मानसरोवर के आस- पास कही खो गए है, मिलने पर सूचित करे- 9414024030

हाउसिंग बोर्ड मानसरोवर जयपुर मकान नंबर 117/208 का अलॉटमेंट लेटर गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। सीताराम सिंघल- 9983824590

मेरे आवास संख्या 1-एफ-44, मालवीय नगर, जयपुर के मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र, अदेय प्रमाण पत्र (नो-ड्यूज), डिक्लरेशन पत्र, रजिस्टर्ड परपिच्युअल लीज डीड व अन्य कागजात कहीं खो गये है। मिलने पर सूचित करें, मो. 7250822738

इत्तला नामा बनाम रेस्पाडेन्ट
न्यायालय राजस्थान राज्य सहकारी अधिकरण जयपुर, राजस्थान
अपील नम्बरी मुतफरिक या इजराय 97/23
डिग्री नं........ सन्...............
बिनाराजी तजबीज...................
अदालत मुकाम पंच निर्णायक उप रजिस्टार सहकारी समिति जयपुर (राज.)
देवी लाल बनाम पंचनिर्णायक व अन्य
..........अपीलान्ट
ओमप्रकाश यादव रेस्पाडेन्ट
बनाम पुत्र नामालूम निवास बी-123 के पीछे सुन्दर नगर अजमेर रोड, जयपुर मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिग्री व तारीख 20/12/2006 इस मुकद्दमे में..... ने पेश किया है और इस अदालत की तजबीज ता.22 माह 12 सन् 2023 ई.वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है अगर खुद आप या आपके वकील या कोई और शक्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी। आज तारीख 14 माह 12 सन् 2023 ई. मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
सहायक रजिस्ट्रार
राजस्थान राज्य सहकारी अधिकरण
मोहर अदालत
महानगर न्यायालय परिसर बनीपार्क, जयपुर 302016

लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त बदमाश को अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल भेजा

आरोपी के खिलाफ अब तक 8 मामलों में चालान पेश हुआ, 8.63 लाख रुपये जब्त हुए

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर समेत राज्य में लंबे समय से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त बदमाश को जयपुर पुलिस ने अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में भेजा है। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद अली उर्फ बबलू जयपुर के श्याम नगर में रहता है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 (पीआईटी एनडीपीएस एक्ट) मामले में पहली कार्रवाई की है। इस एक्ट में गिरफ्तार करने के लिए हाल ही में गृह सचिव राजस्थान सरकार ने आदेश जारी किया था, इसी आदेश के तहत यह कार्रवाई की गई।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि पुलिस मुख्यालय से राज्य में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने और बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश मिले थे। इस पर दक्षिण जिले में ऐसे अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ पीआईटी एनडीपीएस के तहत कार्यवाही की जा रही है। जिसके चलते मादक

आरोपी मोहम्मद अली उर्फ बबलू

पदार्थ तस्कर मोहम्मद अली उर्फ बबलू (40) निवासी गंगा विहार कॉलोनी थाना श्याम नगर जयपुर के खिलाफ यह कार्रवाई की। आरोपी के बारे में जानकारी गृह विभाग से साझा की गई और फिर इस पर गृह विभाग ने आरोपी को अजमेर

- **गृह सचिव के आदेश पर आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की पुलिस ने**

हाई सिक्योरिटी जेल में भेजने के निर्देश दिए। जिस पर आरोपी मोहम्मद अली को गिरफ्तार कर अजमेर जेल में बंद किया गया। गिरफ्तार आरोपित मोहम्मद अली उर्फ बबलू के खिलाफ भी तक आठ मामले दर्ज हो चुके है। सभी आठ प्रकरणों में आरोप कोर्ट में पेश किया जा चुका हैं। अपराधी से अब तक आठ लाख 63 हजार 710 रुपए छह प्रकरणों में पैसा जब्त किया जा चुका हैं। अपराधी स्वयं नशा करने का आदी है एवं मादक पदार्थों के अवैध व्यापार से भारी धन राशि प्राप्त कर रहा है। समाज में नशे की लत को बढ़ाने में सक्रिय योगदान दे रहा था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) जयपुर योगेश गोयल ने बताया कि स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 के राज्य सरकार को अधिकतम दो साल की अवधि के लिए अपराधी को कारागार में निरुद्ध किये जाने का प्रावधान है। जयपुर पुलिस ने किसी अपराधी के खिला स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 के तहत इस प्रकार की यह पहली कार्यवाही है।

गौरतलब है कि पीआईटी एनडीपीएस की धारा 3(1) के तहत ऐसे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाती हैं। जो निरंतर अवैध रूप से मादक पदार्थों का व्यापार करते हैं। जिन को कई बार इस अपराध के लिए जेल में बंद भी कर दिया गया हो। लेकिन उसके बाद भी वह जेल से आने के बाद निरंतर इसी अपराध को करते हैं। जिस से समाज में एक गलत भावना जागती हैं। ऐसे अपराधियों के खिलाफ सरकार कड़ा रुख लेते हुए उन्हें जिले से बाहरी जिले की जेल में बंद कर देती हैं।

निम्स विवि. के छात्र विनिमय कार्यक्रम में शरीक हुए प्राग, चेक गणराज्य के विद्यार्थी

जयपुर। निम्स यूनिवर्सिटी ने निम्स इंटरनेशनल एक्सचेंज प्रोग्राम के हिस्से के रूप में सेकंड फैकल्टी ऑफ़ मेडिसिन, चार्ल्स यूनिवर्सिटी, प्राग, चेक गणराज्य। के मेडिकल छात्रों के पहले बैच का निम्स में स्वागत किया। निम्स विश्वविद्यालय, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है, और प्रत्येक वर्ष स्टूडेंट बी फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम की सुविधा प्रदान करता है। 150 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय अकेडमिक करार के साथ, निम्स अपनी ग्लोबल लर्निंग को बढ़ावा दे रही है। यह सहयोग दोनों देशों के वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक महीने के इस कार्यक्रम में चार्ल्स यूनिवर्सिटी के छात्रों ने आईसीयू/एनेस्थिसियोलॉजी, इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी/न्यूरोलॉजी, बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग और संक्रामक रोग में विशेषज्ञता रखते हुए निम्स विश्वविद्यालय में एक महीने के क्लिनिकल सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य छात्रों को अत्याधुनिक चिकित्सा अनुसंधान के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था, जिसमें कौशल विकसित करने, अनुसंधान को समझने और नैतिक विचारों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। प्रतिभागियों ने निम्स हॉस्पिटल के प्रतिष्ठित सदस्यों और शोधकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया और कोर्स एक्टिविटीज से लेकर इमरजेंसी डिपार्टमेंट के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से विचार किया।

निम्स विश्वविद्यालय के चांसलर व चेयरमैन, प्रो. बलवीर सिंह तोमर ने प्राग से आए छात्रों और फैकल्टी का परिसर में स्वागत किया और कहा की, संस्थान का चिकित्सा विभाग प्राग के महत्वाकांक्षी मेडिकल स्टूडेंट्स के भविष्य की सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, यह भावना वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल समुदाय की वृद्धि और विकास में योगदान देने के लिए साझेदारी के महत्व और निम्स विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। मिलान ट्रोजनेक, एमडी, पीएचडी, फैकल्टी, चार्ल्स यूनिवर्सिटी, चेक गणराज्य ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, "यह एक्सचेंज प्रोग्राम हमारे छात्रों के लिए नयी नयी मेडिकल नॉलेज व भारत के स्वास्थ्य पैटर्न के बारे में जानने का एक अनूठा अवसर रहा। निम्स हॉस्पिटल ने हमे एक नया अनुभव प्रदान किया यह हमारे लिए अमूल्य है।"

हमारे छात्रों को यहां सीखने का एक उल्लेखनीय अनुभव मिला, और हम इस अवसर के लिए निम्स हॉस्पिटल के आभारी रहेंगे।" एक मेडिकल छात्र के रूप में, निम्स अस्पताल के इस कार्यक्रम ने मुझे मेरे चुने हुए क्षेत्र पर अमूल्य अंतर्दृष्टि और एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया है। व्यावहारिक अनुभवों, रोगी की देखभाल और विभिन्न शिक्षण पद्धितयों के संपर्क ने मुझे एक मजबूत स्टूडेंट के रूप में उभरने में मदद की।

पडौसी ने नाबालिग से छेड़छाड़ कर जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। शिवदासपुरा इलाके में पडौसी द्वारा नाबालिग से छेड़छाड़ करने और उसे जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि घर लौटते समय दोस्त के साथ मिलकर पडौसी युवक ने नाबालिग के साथ गंदी हरकत की। आरोपियों ने नाबालिग का मुंह दबा दिया और जान से मारने की धमकी दी। नाबालिग पीड़िता के पिता की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि शिवदासपुरा निवासी व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 14 वर्षीय बेटी के साथ पडौसी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर छेड़छाड़ की है। उनकी नाबालिग बेटी अपार्टमेंट के पास दुकान पर खरीदारी करने गई थी। सामान लेकर अपार्टमेंट में अपने फ्लैट पर जा रही थी। सीढ़ियों में उसको अकेला पाकर आरोपी पडौसी ने पकड़ लिया और जबरन छत पर ले गया, जहां आरोपी पडौसी और उसके दोस्त ने उसके साथ गंदी हरकत की। नाबालिग के विरोध करने पर आरोपियों ने उसका मुंह दबा दिया और इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने अपने मोबाइल में उसकी फोटो भी खींच ली। आरोपियों के चंगुल से छूटकर उसकी बेटी घर पहुंची और आपबीती सुनाई। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता के पिता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है।

पालड़ी मीणा में 19 जे.डी.ए. क्वाटर्स को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया

जे.डी.ए. की प्रवर्तन टीम ने आपसी समझाइश के जरिये लोगों को हटाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। आगरा रोड पर पालड़ी मीणा में जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) के 19 आवासों पर लोगों ने अवैध कब्जा और अतिक्रमण कर लिया, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। गुरूवार को प्रवर्तन टीम ने इन तमाम मकानों में बसे हुए लोगों को आपसी समझाइश के जरिए हटाया और क्वाटर्स को खाली करवाकर पुन: कब्जा लिया। इस दौरान भारी पुलिस जाप्ता भी मौजूद रहा। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई।

उन्होंने बताया कि जोन-06 क्षेत्राधिकार स्थित मुरलीपुरा अल्कापुरी में रोड सीमा पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाई दीवार को भी जेसीबी की मदद से ध्वस्त कराया। इसी प्रकार रामनिवास बाग से एयरपोर्ट एवं जे.एल.एन. मार्ग से राजमार्ग तक रोड सीमा पर कब्जा-अतिक्रमण कर अवैध रूप से लगाये गये थड़ी-ठेले, घुमुंतू लोगों द्वारा लगाये गये तिरपाल सामान को हटवाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया।

जे.डी.ए. टीम ने पालड़ी मीणा में सरकारी क्वाटर्स खाली करवाए और मुरलीपुरा में सड़क सीमा में बने मकानों के चबूतरे व अन्य निर्माण ध्वस्त किए।

ट्रक की टक्कर से आरटीओ दस्ते में तैनात गार्ड की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। एक्सप्रेस हाईवे पर दौलतपुरा पुलिया के पास वाहन जांच के दौरान गुरुवार सुबह करीब 8 बजे आरटीओ दस्ते में तैनात गार्ड को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर घायल हो गया। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। दौलतपुरा थाना पुलिस ने कांवटिया अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस के अनुसार दौलतपुरा पुलिया के पास वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक ट्रक चालक ने तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए पास खड़े सिक्योरिटी गार्ड दांतारामगढ़ खाटूश्याम निवासी राजेंद्र कुमार गढ़वाल को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से वाहन सहित फरार हो गया।

मृतक सिक्योरिटी गार्ड राजेन्द्र गढ़वाल एक्स आर्मी मैन था। उसके दो बेटियां हैं, एक आठवीं व दूसरी नवीं में पढ़ती है तथा एक 5 साल का बेटा है।

सार-समाचार

एम.जी.डी. गर्ल्स स्कूल में प्रदर्शनी शुरू

जयपुर (कासं)। एम.जी.डी. गर्ल्स स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी में छात्राओं ने विभिन्न विषयों एवं विद्यालय के विभिन्न क्लबों की गतिविधियों से संबंधित स्वनिर्मित मॉडल्स, कलात्मक वस्तुओं, चरित्रों आदि को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने आगंतुकों को विषयाधारित खेल भी खिलाए। अंग्रेज़ी विभाग की अध्यापिकाओं के सहयोग से विभिन्न विधाओं पर छात्राओं द्वारा रचित 80 से अधिक पुस्तकें भी प्रदर्शित की गईं। छात्राओं ने विद्यालय परिसर में अभिज्ञान शाकुंतलम् एवं शेक्सपियर के साहित्य के प्रसिद्ध चरित्रों, भारतीय सैनिकों के प्रशिक्षण, राजस्थान की कला, प्रसिद्ध वैज्ञानिकों और वैज्ञानिक प्रयोगों आदि को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। अभिभावकों एवं अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। विद्यालय की प्राचार्या अर्चना एस. मानकोटिया एवं विद्यालय के अन्य सदस्यों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

अकिंचन महाराज सुनाएंगे रामकथा

जयपुर। भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या नगरी में राम लाल की प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर छोटीकाशी के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। हजारों श्रद्धालु श्री राम मंदिर में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने की योजना बना रहे हैं तो कई श्रद्धालु प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या जाकर राम लला के दर्शन करने की योजना बना रहे हैं। इसी कड़ी में छोटी काशी के संतों की ओर से वहां कथा, भंडारा, राम नाम संकीर्तन, परिक्रमा सहित अन्य आयोजनों की कार्य योजना बनाई जा रही है। अनेक संस्थाओं ने तो लोगों को अयोध्या की धार्मिक यात्रा पर ले जाने की बुकिंग भी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में हरि नाम संकीर्तन परिवार की ओर से अयोध्या में एक से 5 अगस्त तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा अयोध्या के जानकी महल में होगी। व्यास पीठ से प्रदेश के प्रख्यात कथाचार्य अकिंचन महाराज कथा श्रवण कराएंगे। अकिंचन महाराज देशभर में एक हजार से अधिक कथाएं कर चुके हैं। हरि नाम संकीर्तन परिवार के प्रवक्ता कृष्ण स्वरूप बूब ने बताया कि कथा स्थल पर आवास, भोजन की व्यवस्था संस्था की ओर से की जाएगी।इसके लिए सशुल्क पंजीयन कराना अनिवार्य है। पंजीयन के लिए गौरीशंकर मित्तल, सुरेश बंसल, गोपाल दास गुप्ता, अमरिता परिहार, कुंज बिहारी शर्मा, कमल कुमावत, शंभू दयाल गुप्ता, जी डी गुप्ता को संयोजक बनाया गया है।

नृसिंह सेवा संस्थान पहुंचाएगा भोजन

जयपुर। सामाजिक और धार्मिक आयोजन अथवा घर पर जन्म दिन की पार्टी में खाना बच गया है तो उसे बाहर मत फैंकिए। नृसिंह सेवा संस्थान के फोन नंबर 9928332681 पर फोन कीजिए। एक घंटे के अंदर वाहन के साथ स्वयंसेवकों की टीम, बताए गए पते पर आएगी और भोजन ले जाएगी। शर्त यह है भोजन खराब नहीं हो और कम से कम इतना तो हो कि 50-60 लोग पेट भर सकें। नृसिंह सेवा संस्थान के वरिष्ठ सलाहकार कुमार शिवा ने बताया कि राधा मोहन शर्मा ने संस्थान की स्थापना जरूतमंद लोगों को भरपेट भोजन करवाने के उद्देश्य से की है। अभिषेक शर्मा संस्थान के अध्यक्ष है। पिछले दो साल में संस्थान ने करीब 20 हजार लोगों को शादी-समारोह में बचा ताजा भोजन करवा चुके हैं। आम तौर पर यह भोजन कच्ची बस्तियों और रैन बसेरों में वितरित किया जाता है। चांदपोल से 15 से 20 किलोमीटर की परिधि में हम लोग भोजन लेने जाते हैं। इसके लिए हमारे पास गाड़ी, बर्तन और कार्यकर्ताओं की टीम है। संस्थान की ओर से हर रविवार और अमावस्या को जे के लॉन हॉस्पीटल के बाहर भोजन वितरण किया जाता है। हर एकादशी को खाटूश्यामजी में भंडारा लगाया जाता है।

उपमुख्यमंत्री का नर्सेज ने स्वागत किया

जयपुर। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ने उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का स्वागत कर उन्हें बधाई दी। नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष खुशीराम मीना ने बताया कि सरल स्वभाव के विधायक डा. प्रेमचंद बैरवा को उप मुख्यमंत्री बनाया जाना गौरव का विषय है। जमीन स्तर के नेता को बड़ा दायित्व देने के बाद आमजन एवं कार्मिकों को लाभ मिलेगा। उपमुख्यमंत्री के स्वागत के दौरान संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष सोहन बैरवा, प्रदेश उपाध्यक्ष बत्ती लाल मीणा, संयुक्त सचिव विनोद शर्मा, जयपुर के संयोजक ओम प्रकाश लश्करी, प्रदेश प्रवक्ता बनेसिंह बंसीवाल, संगीता चौधरी, जेके लोन संयोजक प्रदीप निमरोट एवं सैकड़ो नर्सेज उपस्थित रहे।

इंदिरा रसोई में आग लगने से हड़कंप

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल के बाहर गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अचानक इंदिरा रसोई में आग लग गई। बताया जा रहा है कि इंदिरा रसोई के किचन में रखा सिलेंडर अचानक धधक उठा। इस घटना के दौरान रसोई में मौजूद कर्मचारियों समेत ट्रोमा सेंटर के बाहर खड़े लोगों में अफर-तफरी मच गयी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची एसएमएस थाना पुलिस और दमकल की एक गाडी ने सिलेंडर को बुझाकर आग पर काबू पाया। इस घटना में जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

विवाहिता ने फांसी लगाई

जयपुर। मुहाना इलाके में पति से प्रताड़ित होकर एक विवाहिता ने चुन्नी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। इधर मृतका के भाई ने पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट निवासी सुमन सैनी ने आत्महत्या की है, उसकी शादी वर्ष 2017 में पटेलों की ढाणी पीपला निवासी सुरेंद्र सैनी से हुई थी। विवाहिता ने चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजनों ने फंदे से शव नीचे उतारकर पुलिस को सूचना दी। मृतका के भाई गोपाल लाल ने पति सुरेंद्र सैनी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है कि तीन-चार महीने पहले 4 साल के भांजे का मुंडन संस्कार का प्रोग्राम था। पिता रामसहाय ने बेटी के घर का अन्न ग्रहण नहीं किया, इस बात को लेकर पति ने हाथापाई की। सुमन को पीहर नहीं जाने के लिए कहकर परेशान करने लगा, दहेज प्रताडना से परेशान युवती ने फांसी लगाई।

नवीन और रोहित राठौड़ ने गोगामेड़ी की थी रैकी

जयपुर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड के आरोपियों से पूछताछ में कई खुलासे सामने आ रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि गोगामेड़ी की हत्या से करीब पंद्रह दिन पहले नवीन सिंह शेखावत और रोहित राठौड़ ने रेकी की थी। उसके बाद गोगामेड़ी चुनावों के चलते जयपुर से बाहर चले गए थे। इस दौरान मास्टरमाइंड ने हरियाणा से नितिन फौजी को जयपुर भेज दिया था।

वहीं गोगामेड़ी की हत्या के दौरान बदमाशों की जैकेट पर कई जगह पर खून लग गया था। अजमेर रोड की तरफ भागते समय बदमाशों ने जैकेट बदल ली थी।

- **हत्या के दौरान बदमाशों की जैकेट पर कई जगह पर खून लग गया था।**

खून लगी जैकेट सुनसान जगह पर फेंक दी थी। रिमांड पर चल रहे नितिन फौजी ने पुलिस को बताया कि गोगामेड़ी की हत्या के दौरान उसकी जैकेट पर खून लग गया था। मर्डर के बाद वह रामवीर के साथ बाइक पर अजमेर रोड पर बगरू टोल प्लाजा की तरफ भागे थे। इस दौरान टोल से पहले सुनसान जगह पर खून से सनी जैकेट फेंक दी थी। पुलिस ने मौके पर जाकर नितिन फौजी और रोहित दोनों की जैकेट को मुख्य रोड के पास से बरामद कर ली। खून के सैंपल लेकर एफएसएल को भेज दिए हैं। उधर, जयपुर पुलिस की एसआईटी ने बुधवार को इस हत्याकांड से जुड़ी केस फाइल और पकड़े गए आरोपी एनआईए को सौंप दिए। केंद्रीय गृह विभाग से अनुमति मिलने के बाद एनआईए ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया था। इस कारण से अब एनआईए इस हत्याकांड के आरोपियों और हथियार तस्करों को पकड़ने पर काम करेगी। जयपुर पुलिस जरूरत होने पर एनआईए की मदद करेगी।

मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर तैयारियों का जायजा लिया महापौर ने

एयरपोर्ट से अल्बर्ट हॉल तक सफाई, पेड़-पौधों की छंटाई कराने व अस्थाई शौचालय रखवाने के निर्देश

ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने राम निवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पहुंचकर यहां शुक्रवार को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लिया।

जयपुर। ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने राम निवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पहुंचकर यहां शुक्रवार को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सांगानेर एयरपोर्ट से लेकर समारोह स्थल तक की सफाई व्यवस्था एवं आस-पास के क्षेत्रों, सड़कों की सफाई करवाने, पेड़-पौधों की छंटाई करवाने, अस्थाई शौचालय, अग्निशमन वाहन व यंत्र रखवाने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि समारोह में आने वाले देश-प्रदेश के अतिथियों को किसी भी तरह की परेशानी ना हो, इसलिए सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त जनार्दन शर्मा, उपायुक्त स्वास्थ्य नवीन भारद्वाज, उपायुक्त पशु प्रबंधन हरेन्द्र सिंह, उपायुक्त उद्यान रविन्द्र सिंह, उपायुक्त मालवीय नगर मुकेश कुमार, उपायुक्त जगतपुरा संतपाल मक्कड़, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत प्रमोद कुमार खींची समेत निगम के अधिकारी मौजूद थे।

कैंसर का उपचार अब अधिक प्रभावी : डॉ. सुल्तान प्रधान

जयपुर। एक समय था जब कैंसर को लाइलाज समझा जाता था। किन्तु अब गहन रिसर्च, उन्नत तकनीक एवं दवाओं तथा प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान करने के संसाधनों ने उपचार की सफलता को और अधिक प्रभावी बना दिया है। वह समय अब दूर नहीं कि जब कैंसर का टीका उपलब्ध होगा। यह जानकारी सुविख्यात हैड एण्ड नैक कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुल्तान प्रधान ने दी। वे महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एण्ड टैक्नोलोजी में आयोजित डॉ. आर पी सूनावाला ऑरेशन में मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पांच दशक पहले जहां कैंसर की पहचान होने पर उस अंग को हटा दिया जाता था। आजकल अंग संरक्षण की दिशा में काम किया जा रहा है। स्वर पेटिका के कैंसर के मामलों में आवाज को सुरक्षित रखे जाने के प्रयास किये जाते हैं तो स्तन कैंसर वाले मामलों में केवल कैंसर प्रभावित हिस्से को ही उपचारित किया जाता है। माइक्रो सर्जरी, रोबोटिक सर्जरी जैसी नई तकनीकों ने सर्जरी को आसान भी बनाया है तथा ऑपरेशन की सफलता दर भी बढाई है। वहीं रेडियो थैरेपी में केवल कैंसर प्रभावित कोशिकाओं को ही रेडियेशन दिया जाता है। कीमो थैरेपी की भी नई दवाओं ने दुष्प्रभावों को कम कर रोगियों को राहत दी है। पद्मश्री डॉ. आर.पी.सूनावाला ने कहा कि रिसर्च की दिशा में और प्रयासों की आवश्यकता है। साथ ही रोगियों की प्राथमिकताओं, भावनाओं का ध्यान रखने के लिए भी चिकित्सकों से अपील की। उन्होंने कहा कि सभी को हैल्दी लाइफस्टाइल तथा सुरक्षात्मक दृष्टि से नियमित रूप से हैल्थ चैकअप कराने चाहिए, जिससे समाज में इनका प्रचलन बढ़े। एमेरिटस चेयरमैन डॉ. एम.एल.स्वर्णकार ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में कैंसर रोगियों को देखते हुए नई शोध, जागरूकता कार्यक्रमों, स्क्रीनिंग कैंपस आदि पर फोकस किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैंसर की में देरी होने पर उपचार दर प्रभावित होती है। यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन डॉ. विकास चन्द्र स्वर्णकार ने कहा कि महात्मा गांधी अस्पताल में 400 शैय्याओं के श्रीराम कैंसर व सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में कैंसर उपचार की विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध हैं। श्रेष्ठ तकनीकयुक्त लीनियर एक्सीलरेटर, पैट स्कैन आम जन के लिए उपलब्ध हैं। अनुभवी मेडिकल आन्कोलोजिस्ट, कैंसर सर्जन तथा रेडियेशन विशेषज्ञों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के जरिये उपचार किया जा रहा है। शीघ्र ही यहाँ गामा नाइफ तथा रोबोटिक सर्जरी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है। कर्यक्रम में वाइस चांसलर डॉ अचल गुलाटी, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. विनय कपूर, डॉ. शोभित स्वर्णकार, मीना स्वर्णकार, चीफ एडवाइजर डॉ. सुधीर सचदेव, प्रिंसीपल डॉ. एन डी सोनी, कैंसर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ राज गोविन्द शर्मा, डॉ. तरूण ओझा, डॉ. हरि गौतम, डॉ. ए के शर्मा, डॉ. शाहिद सिद्दीकी, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. दिनेश यादव मौजूद थे।

Wear Your Pearls Day

Pearls are a timeless style statement for anyone of any age. In fact, each individual pearl is not only beautiful in its own right, but it also comes along with an incredible backstory. Because the pearl has a history that includes a grain of sand starting out as an irritant for an oyster, it's a lovely reminder that adversity in life can often produce something beautiful, over time. Rather than saving them for a special occasion, the idea for 'Wear Your Pearls Day' is that anyone can pull out their pearls to feel special – on this day or really any day of the year!

#ENERGY CONSERVATION

What's The Best Way To Store Carbon Dioxide

Switzerland has set itself an ambitious goal: To reduce the country's greenhouse gas emissions to net zero by 2050

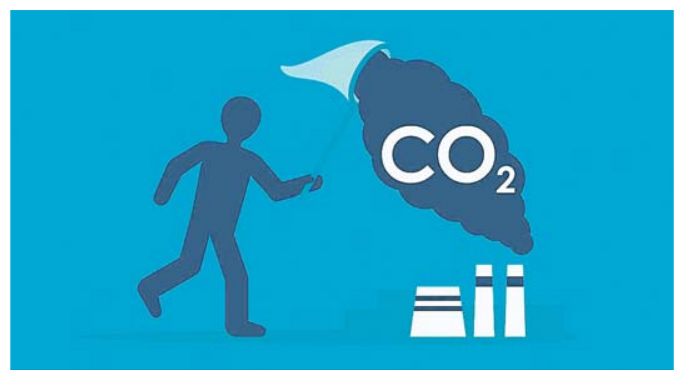

Capturing carbon dioxide from the atmosphere and storing it in recycled concrete aggregate or geological reservoirs in Iceland is technically feasible and also has a positive carbon footprint.

Switzerland has set itself an ambitious goal: To reduce the country's greenhouse gas emissions to net zero by 2050. But this will require more than just a massive expansion of renewable energies and saving measures.

The federal government assumes that hard-to-abate CO2 emissions, e.g., from incineration plants, will amount to 12 million tonnes (about 13.2 million tons), a year. Some of the CO2 emitted therefore needs to be removed again from the atmosphere. The question is, how? And what should be done with it?

Researchers investigated these questions as part of a pilot project and explored two solutions for permanent storage of CO2:

Mineralization in recycled demolition concrete manufactured in Switzerland and mineralization in a geological reservoir in Iceland.

The project used carbon dioxide emissions from a waste water treatment plant in Bern. The researchers performed a life cycle analysis that covered the entire chain, from the capture and liquefaction of CO2 at the point of origin, to its transport and permanent storage. They also calculated how much new CO2 is produced along the entire chain. In addition, they explored different solutions for carbon capture methods and technologies for a waste incineration plant and a cement manufacturing plant.

The project demonstrated that both pathways are technically feasible and have a positive climate impact. In all the examples examined, the amount of CO2 stored exceeded the emissions produced along the transport chain.

When storing in recycled demolition concrete, the efficiency and thus, the ratio between stored emissions and resulting new emissions is 90%, when transporting Swiss CO2 and then storing it in a geological reservoir in Iceland, it's around 80%.

This efficiency should improve in future as most of the new emissions arise from transporting the containers by rail and ship, and some of these modes of transport still use energy from coal-fired power stations as well as fossil fuels. If in future, CO2 is to be exported on a large scale, constructing a pipeline would be a potential solution.

They faced regulatory difficulties when trying to transport CO2 through several countries to Iceland. This was the first instance of cross-border carbon dioxide transport for storage.

"A lot of CO2 is needed in the food production industry, and can be transported across borders without any problem, labelled as chemicals. But if the carbon dioxide is in the form of waste, as in our case, the regulatory environment is very unclear," says Marco Mazzotti, project coordinator and a professor at ETH Zurich.

The project team therefore came to the conclusion that if Switzerland wants to store CO2 on a large scale and create incentives for companies in future, it needs to work with its European neighbours to agree on clear regulations.

Even though, the technologies trialed in the project function correctly, much research is still needed in the area of CO2 management. It is also vital to make sure that the technologies are worked up to a commercial scale.

WHY IS THE STATE OF ASSAM SO UNSTABLE !! PART:1

A large number of tribes which are mainly DOMINATED by the BODOS who are the original domiciles of Assam and claim that "If not the entire Assam, at least the NORTH BANK, belongs to them." Apart from that, the maximum number of BANGLADESH migrants have settled there as well. The other features of significance are that the hills/mountains of Bhutan and Arunachal, which are in close proximity to the north, provide excellent safe sanctuaries to the militants / miscreants. Also, all along the bank of the river, the land is so fertile, that anything can be cultivated there, making it a very attractive area for hard working poor *Bangla* peasants, to slowly creep in, to make a living. Lastly, all road and rail communications connecting Assam to the mainland India, pass through this area, giving it high STRATEGIC value. I have deliberately dealt with the NORTH Bank in greater detail, as the current trouble is exploding there.

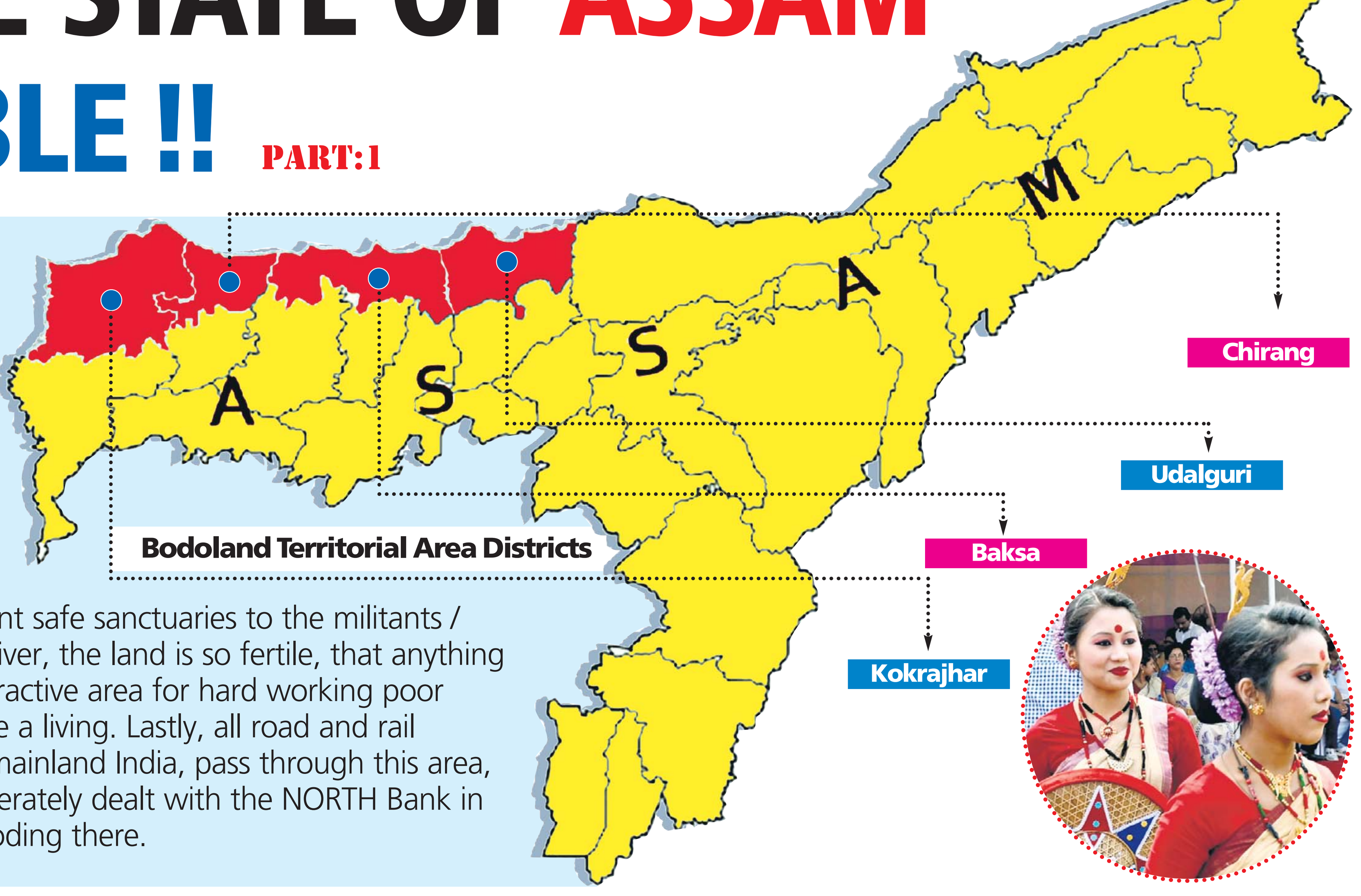

Late Lt. Gen Ajai Singh, PVSM, AVSM
Former Governor of Assam and veteran of the 1965 & 1971 Indo-Pak conflicts

Let me open this subject on a spiritual cum philosophical note. When the almighty created this world, it consisted of two realities, nature's GEOGRAPHICAL relief with fauna on it and life in the form of human and other beings. All these species were born with two basic instincts: survival of the fittest, might is right, chartering a boundary for themselves with their own jurisdiction of authority. The humans also followed similar evolutionary instincts, but having been endowed with a thinking mind, used it to satisfy their inherent desire of uncontrolled greed. This single factor gave birth to the evolutionary process, which soon started to get recorded as HISTORY. To fathom the **GENESIS of the PROBLEM** therefore, it is vital to examine all current political problems against the backdrop of geographical location of that region and evolutionary history of its citizens. The continued insurgency/ instability in the entire NE as well as in ASSAM is a result of their **UNIQUE GEOGRAPHICAL LOCATION and PECULIAR DEMOGRAPHICAL CONFIGURATION.**

GEOGRAPHY

Let me briefly dwell on GEOGRAPHY first. Geographically, Assam is so isolated from our mainland that if you ask a common Indian to name the seven sisters of the NE, he will fail. This remoteness has never been properly understood by our political leadership.

Coming to the actual geographical configuration of Assam, the state's dominating geographical feature is the mighty BRAHMAPUTRA RIVER. This has not only carved out its long, complex history, but also still controls all current events. WHY? Because, despite its three bridges and many unsafe ferries, it divides Assam into two distinct halves, the NORTH and the SOUTH. This division is politically significant, as the NORTH is checkboard /juxtapose of a large number of tribes, which are mainly DOMINATED by the BODOS, who are the original domiciles of Assam and claim that **"If not the entire Assam, at least, the NORTH BANK belongs to them." Apart from that, the maximum number of BANGLADESH migrants have settled there as well.** The other features of significance are that the hills/mountains of Bhutan and Arunachal, which are in close proximity to the north, provide excellent safe sanctuaries to the militants/miscreants. Also, all along the bank of the river, the land is so fertile, that anything can be cultivated there, making it a very attractive area for hard working poor *Bangla* peasants, to slowly creep in, to make a living. Lastly, all road and rail communications connecting Assam to the mainland India, pass through this area, giving it high STRATEGIC value. I have deliberately dealt with the NORTH Bank in greater detail, as the current trouble is exploding there.

Now to the other part of the state, THE SOUTH BANK and THE BARAK VALLEY. The South Bank has always remained the location of governance. Earlier, it was Sibsagar and now, it is Dispur. Politically, it has remained comparatively more stable than the North bank, because it has been dominated by the AHOMS, who ruled Assam, for almost 600 years. This single fact has and continues to remain a flash point of conflict between the settlers of North and the South Banks. The South Bank has a number of tribes also but since they are confined to the Hill Areas of Karbi Anglong Hills, North Cachar Hills and the Meghalaya Hills, their interference in South Bank affairs therefore is limited, thereby not creating conflict situations like those on the North Bank.

The BARAK VALLEY is an entity by itself. Though a part of the state of Assam, still quite different, ethnically and demographically. Situated along yet another major river BARAK, it is separated from Assam by the NC Hills and the Meghalaya Hills. The population there is more akin to the Dimasas, Garos, Jaintias, Khasis and Mizos in contrast to the ones along the Brahmaputra valley. In addition, they have a large number of *Bengali* permanent settlers because of close proximity with erstwhile undivided BENGAL. Because of its distance from Dispur and a mix of so many tribes of different origins, the Barak valley is comparatively more peaceful than other parts of Assam. This is a very relevant reality of that region.

Seven Sisters

#STATECRAFT

With this brief geographical and demographic profile of the existing scenario in Assam, let us analyze the influence of history which has resulted in this configuration. However, just before that, let us list out the prominent factors of influence, which will help us analyze the current conflict situation better. These are listed below: -

a) Assam's basic attraction originally lay in the fertile Brahmaputra valley. Later, however, when the tea plantation was introduced and rich oil and mineral resources were discovered, its importance assumed a new dimension.
b) The valley is surrounded by high mountains and hills which lends it natural security.
c) The demography is a checkboard of tribes mixed with men of the Indian mainland, mainly *Bengalis, Kochs, Biharis and Adivasis.*
d) The original domiciles of the valley are only BODOS.
e) Ahom are actually from Yunnan province (China). After their entry, they have dominated Assam till the advent of the *Brits.*

f) Strategically, the only link with the Indian mainland is through the narrow SILIGURI CORRIDOR which is controlled by the NORTH BANK which lends special status to BODOS, who dominate that area.

THE HISTORICAL PERSPECTIVE

It is well known that in the evolutionary process of the world, all races were seeking settlements along RIVER VALLEYS, where basic human needs of living, FOOD and WATER were available. Migration to the rich BRAHMAPUTRA VALLEY by various tribes/races was therefore no exception. Many tribes from the PATKAI HILLS of BURMA migrated into the hills contiguous to these hills (Nagaland, Manipur, Mizoram, Karbi Anglong, NC Hills and Meghalaya) and Ahom from YUNAN PROVINCE of CHINA, migrated mainly into the Brahmaputra valley. The Ahom being more powerful and organized clan, took total control of the VALLEY. On the North Bank, they subdued the warring *Bodos and the Koch*, and on the South Bank, they pushed all the tribes of Burmese origin into the HILLS. **THAT IS THE REFERENCE POINT IN THE 13th CENTURY WHEN THE NOW FAMOUS 'AHOM KINGDOM' WAS ESTABLISHED IN ASSAM, WITH ITS CAPITAL AT SIBSAGAR, AND RULED ASSAM FOR 600 YEARS.**

Many attempts were made by first the **MUGHALS, then the BURMESE to ENTER ASSAM**, but they failed to unseat the early settlers. **Finally, with the advent of the British, the administration of the ASSAM was slowly taken over and remained with them till 1947, when INDIA achieved its INDEPENDENCE.**

Post-Independence is a very significant turn in the history of Assam, the scars of which, continue to influence events till date. Let us examine those.

During the British rule, Assam was loosely administered from Calcutta, more through their armed might, rather than any established civil infrastructure. When Independence came and partition was in the offing, two options were being mooted for Assam, either join East Pakistan or become an independent state. Fortunately, Assam had a tall patriot like GOPINATH BORDOLOI, totally in league with Mahatma Gandhi, **WHO MADE THE HISTORICAL DECISION TO STAY WITH THE UNION OF INDIA and that ushered the NEW CHAPTER in the HISTORY OF ASSAM**. It is against that background that we have to trace the current and future events in the state.

On the eve of Independence, a quick look at the existing profile of Assam is pertinent to understand the turbulence that followed, after its decision to be with the Indian Union. To simplify, let me list them out: -

a) Assam was a large state which included the present Nagaland, Mizoram, Manipur, Tripura, Meghalaya and Arunachal. The configuration of these was loose because the Brits were administering the state first through their military might and later, slowly using the most covert weapon, RELIGION, by converting innocent tribes into Christianity. (Surprisingly, this process is still on, MASTER MINDED from Delhi).
b) On account of their primitive tribal existence and simple nature, except for the Ahom, (who got cultured by imbibing Hindu religion and with interaction with the highly cultured *Bengali* Society), most of the other tribes continued to remain uneducated and totally unaware of political developments in the region.
c) Because of (b) above, except for the minor educated Ahom society, political awareness was totally lacking in the larger section of the state. As a result, when the rest of India was involved in a fierce freedom struggle, except for a small Congress party, under the leadership of Shree Bordoloi, the rest of the Assam population remained ignorant of the developments in the rest of the country. As a result of this continued isolation, the current political unawareness still prevails.
d) On the eve of partition, the Congress party took all the credit of retaining ASSAM with India and since then has **CONSIDERED ASSAM AS THEIR PERSONAL FIEFDOM (as subsequent events will reveal).**

GOPINATH BORDOLOI.

This now brings us to the post 1947 developments. The monolithically Congress party, which has been ruling the country since Independence, realized that the NE was an isolated region because of the following reasons:-

a) Distance from the mainland.
b) Region totally lacking in political awareness.
c) The state being of a fragmented structure, due to a large number of tribes having their own individual culture, traditions and a mental attitude to remain independent.
d) Creation of East Pakistan after partition and the looming threat from China and Burma had increased the strategic importance of that region further, more so because of restricted communication link through the narrow Siliguri corridor.

True to her character of placing party interests above the Nation, the then **PM, Mrs. Indira Gandhi took some drastic political decisions to maintain a hold to her power. These were as under:-**

a) Shying off from politically contesting the insurgencies that erupted in states of Nagaland, Mizoram, Manipur and Tripura, she ushered the BALKANISING process of the REGION by creating the now famous 'SEVEN SISTERS', and handing over the responsibility of quelling the insurgencies to the ARMY. **This Balkanization process still continues as an accepted norm in the NE, especially in the Mother State, ASSAM. Creation of autonomous districts of Karbi Anglong, NC Hills and later, the BTAD is an example of this. Not only that, the emergence of AASU, AGP and ULFA, (after the influx of Bangladesh refugees post 1971 war), was also a fall out of this NE REGIONAL PSYCHE OF DEMANDING ETHNIC AUTONOMY. To a sensitive observer, the undercurrent of this simmering psyche of that region can still be perceived.**
b) After the 1971 war, Mrs. Gandhi realized, that to maintain the Congress hold on ASSAM (The Mother State of the NE), its DEMOGRAPHY must change. In order to achieve that, she opened flood gates for the influx of *Bangladesh Muslims* who were only waiting for this opportunity to move in and take advantage of the fertile tracts of Assam land.

THESE TWO POLITICAL BLUNDERS OF THE CONGRESS LEADERSHIP HAVE NOT ONLY FRAGMENTED THE NE AND LEFT IT ON A BOILING POT OF CONSTANT VIOLENCE, BUT AT THE SAME TIME, MADE ITS INTEGRATION INTO THE MAINLAND INDIA THAT MUCH DIFFICULT.

THE CURRENT VIOLENCE AND CRISIS IN BODOLAND IS A DIRECT RESULT OF THESE **GEOGRAPHICAL, HISTORICAL and POLITICAL MANIPULATIONS, that have been discussed above.**

THE BODOLAND CRISIS

The Bodoland crisis is akin to any other crisis in the NE states, exposed to insurgency, such as Nagaland, Manipur and so on. Why go so far? Within Assam, there are similar problems, where two or more militant groups are fighting with each other. Karbi Anglong and NC Hills are live examples. Same is the case among Bodos, where BLT and NDFB are fighting each other since sixties. Such animosity is extenuated, when the region has a mix of additional tribes and other communities. To add further to this complexity, when demarcation of fresh boundaries is done, which transgress over traditional land holdings of earlier legal residents, the conflicts assume a more serious dimension. In Bodoland, a much more serious reason for perennial conflict has been added by THE UNCONTROLLED INFLUX OF A LARGE NUMBER OF BANGLADESH ILLEGAL IMMIGRANTS. It is this **CONFLICT, WHICH IS CAUSING PERSISTENT VIOLENCE THAT IS BEING ANALYSED FURTHER.**

The Bodoland agitation started sometime in 1960 in the form of an armed struggle for the recognition of their ETHNIC IDENTITY. Two organizations, namely BLT and NDFB, started this agitation with two separate agendas. The BLT demanded a separate autonomous *Bodoland* within the state of Assam, while NDFB wanted *Bodoland* as an independent autonomous state under the Constitution of India. This agitation slowly took the form of an armed insurgency. All attempts to bring about a negotiated peaceful settlement with them, failed. Finally, in 2003, the now famous, ASSAM ACCORD was signed with only BLT as NDFB's conditions were not accepted by the Govt. The relevant features of the accord which have a bearing on this continued conflict and violence are:

a) A Bodo Territorial Area District (BTAD) will be formed consisting of four contiguous districts of Kokrajhar, Baksa, Udalguri and Chirang. In addition, territory will be carved out also from the neighbouring districts of Bongaigaon, Barpeta, Nalbari, Kamrup, Darrang and Sonitpur.
b) All BLT cadres will surrender their arms.
c) A Bodo Territorial Council (BTC) will be formed after election and it will administer the BTAD.
d) The Assam Govt. will allot selected subjects to be administered by the BTAD.

After being hounded by the security forces, they decided to come to the negotiation table and accept a ceasefire. This was only a ruse, to **ward off threat of security forces, retain some cadres hidden away in safe sanctuaries for operations, and enroll disgruntled BLT cadres into their ranks and CONTINUE THEIR OPERATIONS BY EXTORTION, INSIGHTING COMMUNAL DISCORD AND VIOLENCE TO HUMILIATE THE BTC.**

With this brief backdrop of the *Bodoland* militancy as well as the demographic scenario, it is easy to identify the flash points of violence which can be ignited. These can be surmised as under: -

a) The Bodo Accord has not solved the problem, but instead, has accentuated it because of the following reasons:

i. The BTAD jurisdiction has trespassed on traditional settlers who were living in peace in their habitats since ages. This has caused them avoidable hardship and consequent frustration.
ii. BTC is ruled by militants and not by experienced administrators.
iii. The subject of 'Law and Order' is vague and diffused between BTC and the state govt.
iv. The NDFB, though under ceasefire agreement, is more at large, to ignite violence under its 'protection'.
v. The breakaway BLT cadres are having a free run as they are being used for extortion, inciting violence and other nefarious activities by both BTC and NDFB.
vi. The so called 'Refugee Camps' are not only like slums but also, are secure sanctuaries for militant operations.
vii. To add to these simmering violent conditions, the unimpeded ILLEGAL IMMIGRATION OF BANGLADESH REFUGEES has acted like 'ADDING FUEL TO FIRE.

To be continued....

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

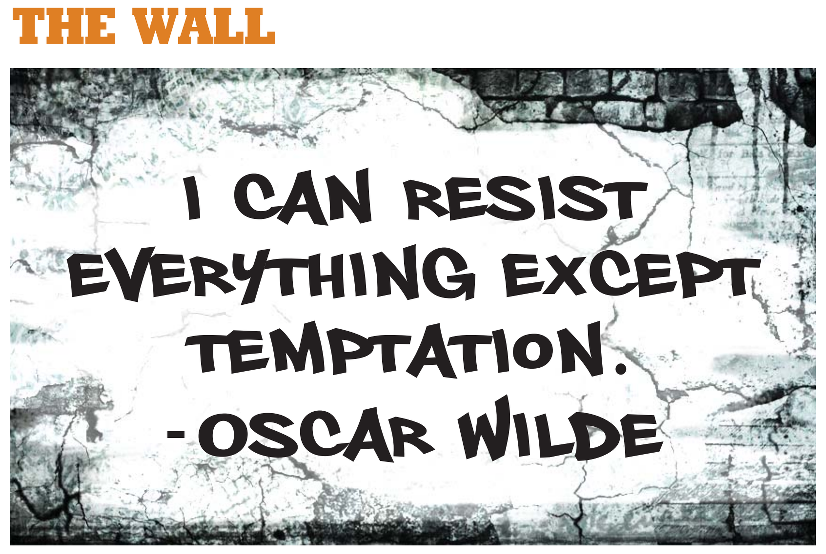

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

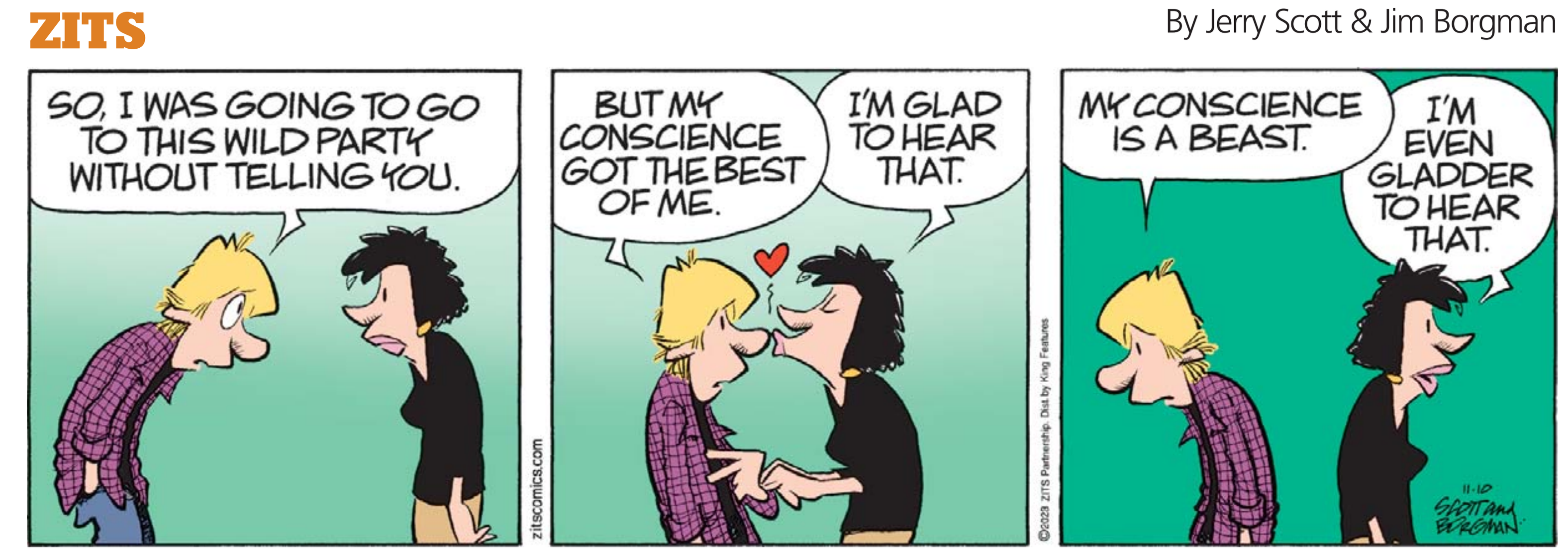

संविदा कार्मिकों का भुगतान नहीं करने पर सी.एम.एच.ओ. कार्यालय सीज

चार संविदा कार्मिकों का करीब एक करोड़ बाईस लाख रूपये का भुगतान नहीं हुआ

जालोर, (कासं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जालोर में कार्यरत चार संविदा कार्मिको का लम्बे समय तक करीब एक करोड़ बाईस लाख रूपये का भुगतान नही करने पर गुरूवार को सैंशन न्यायाधीश के आदेश पर सैल आमीन ने सीएमएचओ कक्ष पर ताला जाड़कर सीज करने की कार्यवाही की।

जालोर सीएमएचओ के अधीन संविदा वर्कर के रूप में कार्यरत चारों संविदा कार्मिकों को मानदेय करीब बीस से पच्चीस साल तक नहीं करने पर चारों संविदा कार्मिकों ने श्रम न्यायालय में उनके कार्य का मानदेय का भुगतान करने का ओदश दिया। आदेश में संविदाकर्मी मोहनलाल को 2,62,0010 रूपये, लक्ष्मणदास को 3,17,9755 रूपये, प्रगाराम को 3,17,6508 व सोमाराम को 3,22,4406 रूपये कुल भुगतान 1,22,00689 रूपये का करने का सीएमएचओ जालोर को आदेश दिया। सीएमएचओ जालोर द्वारा उक्त राशि का भुगतान करने को लेकर आगे विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया दिया। उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने के बाद भी चारों संविदा कार्मिकों का भुगतान नहीं होने उन्होने सैशन न्यायालय जालोर के समक्ष वसूली का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। वसूली का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के बाद भी न्यायालय द्वारा सीएमएचओ को चारों संविदा कार्मिकों का भुगतान करने का आदेश दिया। न्यायालय द्वारा सीएमएचओ को पूर्ण अवसर प्रदान करने के बाद भी चारों संविदा कार्मिकों का भुगतान नहीं करने पर सैशन न्यायाधीश हारून ने पहले सीएमएचओ की जीप कुर्की के लिए जब्त करने के आदेश दिये।

जालोर के चार संविदा कार्मिकों का भुगतान नहीं करने पर सीएमएचओ कक्ष को सीज करने की कार्यवाही की गई।

- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जालोर में कार्यरत है चारों संविदा कार्मिक

जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर सीएमएचओ की जीप कुर्की के लिए जब्त कर न्यायालय परिसर में खड़ी करवाई गई। इसके बाद जीप से उक्त चारों के मानदेय की राशि का भुगतान नहीं होने के चलते सैशन न्यायाधीश ने सीएमएचओ को जल्द ही चारों का भुगतान करने का आदेश की श्रम न्यायालय की पालना अनुसार करने को कहा गया। लेकिन बार – बार न्यायालय द्वारा अवसर दिये जाने के बाद भी सीएमएचओ द्वारा भुगतान करने को लेकर गुमराह करने पर सैशन न्यायाधीश ने सीएमएचओ कार्यालय को सीज करने के आदेश दिये।

आदेश में बताया कि सीज कर्ता सैल अमीन को निर्देशित किया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर के कक्ष को सीज कर ताला लगाकर चाबी अग्रिम ओदश तक अपने पास रखे। सीएमएचओ कार्यालय को आगामी तारीख पेशी 16 दिसम्बर तक सीज कर सूचना न्यायालय को देने के आदेश जारी किये गये। जिसके बाद गुरूवार को सैल आमीन नाहिद अली ने कोर्ट स्टॉफ के साथ सीएमएचओ जालोर के कक्ष पर ताला लगाकर सीज करने की कार्यवाही की।

विधानसभा अध्यक्ष बनने पर देवनानी का अजमेर में स्वागत

नवनियुक्त राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का अजमेर आगमन पर स्वागत किया गया।

अजमेर, (कासं)। नवनियुक्त राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष और अजमेर उत्तर से भाजपा के विधायक वासुदेव देवनानी का गुरुवार को पहली बार जयपुर से अजमेर आगमन पर कई स्थानों पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। लगभग आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर भाजपा व अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा माल्यार्पण, साफा पहनकर स्वागत किया गया। पार्टी प्रवक्ता अनीश मोयल और भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी ने बताया कि विधायक वासुदेव देवनानी के विधानसभा अध्यक्ष बनने पर अजमेरवासियों में उत्साह है। अजमेर के लिए गौरव की बात है, इससे अजमेर का महत्व भी प्रदेश और बढ़ा है। नवनियुक्त राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष बनने के बाद विधायक वासुदेव देवनानी गुरुवार को पहली बार जयपुर से अजमेर पहुंचे।

अजमेर पहुंचने पर भाजपा अजमेर कार्यालय भूणाबाय से घूघरा घाटी आदि सहित फॉयसागर रोड़, कोटेश्वर मंदिर हाथीखेड़ा से अपने निवास तक निकाले गए जूलुस का जगह जगह स्वागत किया गया। इस अवसर पर ज़िला अध्यक्ष रमेश सोनी, पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत, सोमरतन आर्य, संपत साँखला, प्रवीण जैन, राजेश शर्मा, मोहन लालवानी, सतीश बंसल, प्रकाश बंसल, भारती श्रीवास्तव, राहुल जयसवाल, अंकित गुर्जर, दीपेन्द्र लालवानी, गोविंद स्वरूप उपाध्याय, लाल सिंह रावत, प्रशांत यादव, मनोज डीडवानिया, योगेश शर्मा, सरबजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आशा ने नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में जीता मेडल

चूरू जिले की तारानगर तहसील के गांव ब्रह्म नगर की आशा गुर्जर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

चूरू, (कासं)। चूरू जिले की तारानगर तहसील के गांव ब्रह्म नगर की आशा गुर्जर पुत्री भागीरथ गुर्जर ने पंजाब के रूपनगर में हुई 70वीं ओपन सीनियर नेशनल महिला कबड्डी प्रतियोगिता 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जिले और तहसील का नाम रोशन किया है। आशा गुर्जर के पिता भागीरथ गुर्जर ने बताया कि आशा बचपन से ही खेल के क्षेत्र में बहुत प्रतिभाशाली थी। आशा द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर परिवार में खुशी का माहौल है। मेडल जीतकर गांव पहुंचने पर आशा का ग्रामवासियों व परिजनों ने माल्यार्पण कर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

9.60 लाख की स्मैक सहित दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। 9.60 लाख की स्मैक सहित दो जनों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज द्वारा अवैध मादक पदार्थो के परिवहन व सेवन के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत गठित विषेश टीम व डीएसटी टीम टोंक के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना निवाई में महावीर ढाबा, एनएच 52 से आरोपी गिर्राज जाट उर्फ सनी पुत्र सीताराम निवासी भाकरों की ढाणी कलवाड़ा पुलिस थाना सेज जिला जयपुर एवं रामप्रसाद उर्फ प्रधान पुत्र मंगलराम निवासी सूरतपुरा पोस्ट कलवाड़ा पुलिस थाना सेज जिला जयपुर ग्रामीण को अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से कुल 47.98 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की गई। साथ ही मादक परिवहन में इस्तेमाल की गई रॉयल इनफिल्ड मोटरसाईकिल भी जप्त की गई।

अधिकारी को अश्लील फोटो व वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने का प्रयास

- रेप का झूंठा केस लगा फंसाने की धमकी देकर 25 लाख रुपये की मांग करने का मामला दर्ज करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाने में एक अधिकारी ने नशीला पदार्थ खिलाकर नशे की हालत में न केवल अश्लील फोटो खींचने बल्कि वीडियो बना लेने और रेप का झूंठा केस लगाकर फंसाने की धमकी देकर 25 लाख रुपये की मांग करने का मामला दर्ज करवाया है।

सुभाषनगर थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, भीमगंज थाना इलाके में रहने वाले व एक गर्वन्मेंट डिपार्टमेंट में कार्यरत 58 वर्षीय अधिकारी ने रिपोर्ट में सूरज रैगर सहित अन्य को आरोपित बनाया है। इस अधिकारी ने रिपोर्ट में बताया कि उनकी लंबे समय से शैतान रैगर व उसके परिजनों से जान-पहचान है। कार्य के दौरान अक्सर शैतान उनके घर आया-जाया करता था। विश्वास के चलते परिवादी शैतान व उसके परिवार की मदद करता था। इसके बदले शैतान व उसका परिवार परिवादी के छोटे-मोटे घरेलु कार्य करते थे। शैतान रेगर जरुरत होने पर रुपये लेता, जो वापस लौटा देता था। 15 साल पहले प्लॉट खरीदने के लिए रुपये की आवश्यकता होने से परिवादी ने 40 हजार रुपये दिये थे, जो उसने लौटा दिये।

इसके बाद मकान बनाने के लिए डेढ़ लाख रुपये लिये, जो भी वापस लौटा दिये। इस तरह परिवादी अधिकारी ने कई बार शैतान व उसकी पत्नी की मदद की। परिवादी अधिकारी ने रिपोर्ट में बताया कि पुत्र सुरज, अपनी पत्नी को लेकर परिवादी के पास आया, कहा कि कोरोना के बाद काम धंधा ठप्प हो गया है, भरण पोषण में तकलीफ हो रही है। कहीं जॉब लगा दो। भीलवाड़ा में रहने की व्यवस्था भी नहीं है। परिवादी ने अपने विभाग के परिचित व्यक्ति से बात कर उसके साथ क्वार्टर में रखा। दोनों पति-पत्नी वहां रहने लगे।

परिवादी का परिचित छुट्टी पर जाने के कारण कभी चाबी वहीं रखकर जाता था। 3 दिसंबर तक सूरज व उसकी पत्नि वहीं रह रहे थे। 4 दिसंबर को सूरज रेगर का करीब 8.20 बजे परिवादी के पास फोन आया और कहा कि अजमेर चौराहा खड़ा हूं। अधिकारी को साजिश के तहत वहां बुलाया गया। अधिकारी वहां गया तो उन्हें नशीला पदार्थ देकर उनके साथ बदतमीजी की। ब्लेकमेल करने व डराने धमकाने के लिए नशे की अवस्था में परिवादी अधिकारी के अश्लील फोटो खींचे और वीडियो बना ली गई। इसके बाद सूरज रेगर ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि अगर सरकारी नौकरी में रिटायर्डमेन्ट आराम से लेना है तो 25 लाख रूपये अभी लाकर दे, नहीं तो तुझे झूंठे बलात्कर के केस में फंसा दूंगा। अगर यह बात किसी को बताई या पुलिस में कार्यवाही करवाई तो बदनाम कर दूंगा। वह परिवादी को लगातार धमकी देकर फर्जी वीडियो व अश्लील फोटोग्राफ्स के आधार पर ब्लैकमेल कर रहा है। पुलिस ने अपराध धारा 384 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

डाक कर्मचारियों का धरना जारी रहा

चूरू, (कासं)। नेशनल यूनियन डाक कर्मचारी संघ के बैनर तले अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ की ओर से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। इस अवसर पर ग्रामीण डाक कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्य डाकघर के सामने नारेबाजी कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

- मुख्य मांगें 8 घंटे काम और पेंशन सहित सभी लाभ प्रदान करना है

नेशनल यूनियन डाक कर्मचारी संघ के बैनर तले अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ की ओर से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को भी जारी रहा।

डाक कर्मचारियों की मुख्य मांगें 8 घंटे काम और पेंशन सहित सभी लाभ प्रदान करना है। इस अवसर पर अध्यक्ष लोकपाल सिंह, सचिव रणवीर कस्वां, अभिषेक, रामकुमार ढुकिया, महेन्द्र सिहाग, अंकित सहारण, ओमप्रकाश, रामधन, महावीर सिंह, हेमंत सिंह, गोपाल सहारण, धनपत सिंह, सुभाष मीणा, अनिल कुमार, विक्रम सिंह, मनीष, सुमित, सांवरमल, रतनलाल, संजय स्वामी, मांगीलाल, हरिप्रसाद माली आदि डाक कर्मचारी उपस्थित थे।

नकबजन गिरोह का सदस्य पकड़ा

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा द्वारा चलाये जा रहे अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत निवाई थाना क्षेत्र में चोरी, नकबजनी की वारदातों पर गम्भीरता से कार्यवाही करते हुए निवाई कृषि मण्डी क्षेत्र में पिछले दिनो कृषि मण्डी से 5-7 दुकानों के ताले तोड़े जाने व लाखों रुपये की नकबजनी की वारदात के मामलों में अन्तर्राज्यीय गैंग के एक सदस्य नसिब खान पुत्र मुन्ना को जिला भीलवाडा से लाकर बाद पूछताछ जुर्म प्रमाणित पाया जाने पर गिरफ्तार कर प्रकरण में अनुसंधान जारी है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर जिला टोंक, केकडी, अजमेर व भीलवाडा में करीब एक दर्जन नकबजनी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

नवगठित शाहपुरा जिले के डीलरों को कमीशन दिलाने की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। ऑल इण्डिया फेयर प्राईस शॉप डीलर्स फैडरेशन के जिलाध्यक्ष संजय तिवारी के नेतृत्व में नवगठित शाहपुरा जिले के डीलरों को कमीशन दिलाने व उच्च न्यायालय जोधपुर के आदेश की पालना को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

- उच्च न्यायालय जोधपुर के आदेश की पालना को लेकर सौंपा ज्ञापन

जिलाध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया कि नवगठित शाहपुरा जिले के राशन डीलरों को कमीशन राशि नहीं मिलने से जिला रसद अधिकारी शाहपुरा से सम्पर्क करने पर ज्ञात हुआ कि भीलवाड़ा एवं शाहपुरा जिले का संयुक्त बजट जिला रसद अधिकारी भीलवाड़ा को आवंटित हुआ है। माह जनवरी 2023 व माह अप्रेल 2023 से सितम्बर 2023 तक का कमीशन राज्य सरकार द्वारा जारी होने के बाद भी राशन डीलरों को कमीशन राशि नहीं देने से राशन डीलरों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। साथ राजस्थान सरकार द्वारा राशन डीलरों के कमीशन मे से 5.21रू की कटौति की जा रही है। इस कटौति पर उच्च न्यायालय जोधपुर द्वारा एस.बी. सिविल रिट पीटिशन नम्बर 17637/2023 एवं रोक लगाई एस.बी. सिविल रिट पीटिशन नम्बर 11685/2020 द्वारा रोक लगायी गई है। ज्ञापन में माह जनवरी 2023 व माह अप्रेल 2023 से सितम्बर 2023 तक की कमीशन राशि एवं अन्नपूर्णा फूड पैकेट का कमीशन शीघ्र दिलाने एवं उच्च न्यायालय जोधपुर के आदेश की पालना करवाकर डीलरों को कटौती की गई राशि उपलब्ध करवाने की मांग की गई। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष संजय तिवाड़ी, अशोक लोढ़ा, फुलियाकलां तहसील अध्यक्ष धनराज कीर, जहाजपुर तहसील अध्यक्ष जयसिंह मीणा, आत्माराम मीणा, चावंड सिंह, रामस्वरूप कुम्हार, सरदार खां पठान, मोहन बैरवा, मुकेश बालापुरा, किशन धाकड़ आदि उपस्थित थे।

युवक को कार से कुचलने का प्रयास

- कोर्ट में मुंशी का काम करता है युवक, एफआईआर दर्ज करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में बावड़ी बाइपास पर अल्टो कार के चालक ने टक्कर मारने के बाद एक युवक को कुचलने की कोशिश की। पीड़ित का कहना है कि इससे पहले उसे फोन पर भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। इस घटना को लेकर एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

मांडल पुलिस के अनुसार, मेलियास बावड़ी निवासी युवराज सिंह पुत्र जीवन सिंह राठौड़ ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि वह, भीलवाड़ा न्यायालय परिसर में सीनियर अधिवक्ता के अधिनस्थ मुंशी का कार्य करता है। वह, न्यायालय कार्य समाप्त होने के पश्चात अपने वाहन से मेलियास स्थित घर जा रहा था। इसी दौरान लिरडिया से आगे बावड़ी बाईपास पर एक अज्ञात अल्टो के चालक ने उसे जान से मारने की नियत से उसकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी। इससे वह नीचे गिर गया। इसके बाद चालक ने अल्टो को पीछे लेकर उसे कार से कुचलने का प्रयास किया। समय रहते वह साइड पर हो गया, वरना यह अल्टो चालक उसे कुचल कर जान से खत्म कर देता। युवराज सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि उसे पूर्व में भी न्यायालय परिसर में कार्य करने के दौरान मोबाइल से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने गाली-गलौच करते हुये फोन पर जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में 3 अक्टूबर को उसने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी। युवराज ने रिपोर्ट में बताया कि उसे जान का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने युवराज की रिपोर्ट पर केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

शांतिभंग में पांच गिरफ्तार

बीदासर, (निसं)। पुलिस ने बुधवार की रात्रि में संदिग्ध अवस्था में घूमते हुये पांच व्यक्तियों को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जगदीश सिंह ने बुधवार की रात्रि में गश्त के दौरान डीडवाना जिले के देशरैली गांव के रामदेवाराम रतनगढ तहसील के भुखरैड़ी गॉव के किशन कुमार, मकराना तहसील के गिगलिया गॉव के रविन्द्र कुमार सीकर जिले के कुड़ली गॉव के अनिल कुमार व गॉव गोकुलपुरा के सुनिल कुमार को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जोधपुर पोलो-2023 : एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट का आगाज़

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में चल रहे 24वें जोधपुर पोलो सीजन 2023 में गुरूवार से शुरु हुए एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट का आगाज हुआ। टूर्नामेंट के पहले दिन दो मैच खेले गये।

पहले मैच में 61 कैवेलरी-रॉयल इनफील्ड ने पोलो हेरिटेज को रोमांचक मुकाबले में चार के मुकाबले पांच गोल कर एक गोल के अन्तर से हराया। वहीं दूसरा मुकाबले में जोधपुर-जयपुर टीम ने आधे गोल की शुरुआती बढत के साथ खेलने मैदान में उतरी इण्डियन नेवी टीम को ढाई गोल के मुकाबले सत्तरह गोल कर साढे चौदह गोल के अन्तर से एकतरफा जीत दर्ज की। मैच के दौरान जोधपुर पोलो के मुख्य संरक्षक पूर्व शासक गजसिंह मैदान में उपस्थित थे।

एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट के पहले दिन दो मैच खेले गये।

- पहले मुकाबले में 61 कैवेलरी-रॉयल इनफील्ड ने पोलो हेरिटेज को एक गोल के अन्तर से हराया
- एक तरफा रहे दूसरे मुकाबले में जोधपुर-जयपुर टीम ने इण्डियन नेवी को हराया

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि दोपहर 2.30 बजे खेले गये पहले मैच में पोलो हेरिटेज की और से खेलते हुए टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी सैय्यद शमशेर अली ने पहले चक्कर में दो गोल व तीसरे चक्कर में एक गोल किया। साथी खिलाड़ी धनन्जयसिंह राठौड़ ने भी चौथे चक्कर में एक गोल किया। मुकाबले में कैवेलरी टीम की और से खेलते हुए टीम के तीन हैण्डीकेप के खिलाड़ी ध्रुवपाल गोदारा ने पहले व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल, तीन हैण्डीकेप के ही अंगद कलान ने पहले चक्कर में एक व मेजर अनन्त राजपुरोहित ने तीसरे चक्कर में दो गोल किए।

उन्होंने बताया कि दोपहर 3.30 बजे खेले गये दूसरे मुकाबले में जोधपुर-जयपुर टीम की ओर से खेलते हुए चार हैण्डीकेप के खिलाड़ी एच.एच. महाराजा जयपुर सवाई पद्मनाभसिंह व हिम्मतसिंह बेदला ने सात-सात गोल किए। दोनों ही खिलाड़ियों के बीच गोल को लेकर प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। महाराजा जयपुर ने पहले चक्कर में दो, दूसरे व तीसरे चक्कर में एक-एक व चौथे चक्कर में एक के बाद एक निरन्तर तीन गोल किए। आज अपना जन्मदिन मना रहे साथी खिलाड़ी बेदला ने भी पहले चक्कर में एक व दूसरे, तीसरे व चौथे चक्कर में दो-दो गोल किए। टीम के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी चार हैण्डीकेप के लांस वाटसन ने पहले चक्कर में दो व मैच के अन्तिम क्षणों में साविर गोदारा ने एक गोल किया। मुकाबले में इण्डियन नेवी टीम के चार हैण्डीकेप के दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी जोहान फिलीप ने पहले व चौथे चक्कर में एक-एक गोल किया। दोनों ही मैचों की कॉमेन्ट्री ऑस्ट्रेलिया के डेविड विंडसर, अंकुर मिश्रा ने संयुक्त रूप से की। दोनों मैचों के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्कोर्टीचीनी व दक्षिण अफ्रीका के रोडनी ज्योफरी गुटरिज रहे। पहले मैच के रैफरी कैप्टन ए.पी. सिंह व दूसरे मैच में अंगद कलान थे। मैच के दौरान राजेन्द्रसिंह, मेजर जनरल नरपतसिंह राजपुरोहित वीएसएम, कर्नल गिरेन्द्रसिंह, महाराजा मदनसिंह, कर्नल भंवरसिंह, हर्षवर्धनसिंह भांवरी व दिग्विजयसिंह भांवरी सहित अनेक देशी-विदेशी पोलो प्रेमी मैदान में उपस्थित थे।

सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि शुक्रवार को एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट के दूसरे दिन दोपहर 3 बजे पोलो हेरिटेज व वी पोलो टीम के बीच मैच खेला जायेगा। पोलो हेरिटेज की ओर से योगेश्वरसिंह, धनन्जय सिंह, हूर अली व सैय्यद शमशेर अली तथा वी पोलो टीम की ओर से महिला खिलाड़ी सुश्री शिवांगी सिंह, विदेशी खिलाड़ी गोंजालो यजोन, सिद्धांत शर्मा तथा एक अन्य खिलाड़ी खेलेंगे।

श्रेयस चोट के कारण आईपीएल 2023 के सत्र में नहीं खेल सके थे। हमें खुशी है कि उनकी केकेआर के कप्तान के रूप में वापसी हुई है।
- वेंकी मैसूर

केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्रेयस अय्यर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हिमांशु राणा

हरियाणा विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहली बार पहुंचा। बुधवार को टूर्नामेंट के खेले गए पहले सेमीफाइनल में तमिलनाडु को 65 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने सात विकेट पर 293 रन बनाए। 294 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी तमिलनाडु 47.1 ओवर में 230 रन बनाकर आउट हो गई। वहीं चोट की वजह से बाबा इंद्रजीत को मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने के लिए आना पड़ा। हरियाणा के जीत के हीरो हिमांशु राणा रहे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद खराब रही।

क्या आप जानते हैं ?... अपने टेस्ट जीवनकी पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाये।

विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहली बार पहुंचा हरियाणा

तमिलनाडु को 63 रन से हराया; चोटिल इंद्रजीत मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने आए

नई दिल्ली, 14 दिसंबर। हरियाणा विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में पहली बार पहुंचा। बुधवार को टूर्नामेंट के खेले गए पहले सेमीफाइनल में तमिलनाडु को 65 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा ने सात विकेट पर 293 रन बनाए। 294 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी तमिलनाडु 47.1 ओवर में 230 रन बनाकर आउट हो गई। वहीं चोट की वजह से बाबा इंद्रजीत को मुंह पर टेप लगाकर बल्लेबाजी करने के लिए आना पड़ा।

हरियाणा के जीत के हीरो हिमांशु राणा रहे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद खराब रही। हरियाणा को पहला झटका 6.1 ओवर में 14 रन पर लगा। ओपनर अंकित कुमार 12 रन बनाकर आउट हो गए। उनका कैच बाबा इंद्रजीत ने टी नटराजन की गेंद पर पकड़ी। पहले पावर प्ले यानी 10 वें ओवर तक हरियाणा ने 1 विकेट खोकर 27 रन ही बना पाई। उसके बाद हिमांशु राणा और दूसरे ओपनर युवराज सिंह ने हरियाणा की पारी को संभाला। दोनों के बीच 134 गेंदों पर 132 रन की साझेदारी हुई।

युवराज सिंह 79 गेंदों पर 65 रन बनाकर 28.3 ओवर में आउट हो गए। उस समय टीम का स्कोर 146 रन था। उसके बाद राणा ने सातवें विकेट के लिए सुमित कुमार के साथ 42 गेंदों पर 75 रन की पार्टनरशिप की। हिमांशु राणा ने 118 गेंदों पर 116 रन बनाए। जबकि सुमित कुमार ने 30 गेंदों पर 48 रन बनाए।

294 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी तमिलनाडु की शुरुआत भी बेहद खराब रही। उसके दो विकेट 9 रन पर ही गिर गए। वहीं तमिलनाडु ने पहले पावर प्ले में 2 विकेट के नुकसान पर 33 रन बनाए।

स्पेन के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेगी भारतीय टीम

वालेंसिया, 14 दिसंबर। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी 15 से 22 दिसंबर तक खेले जाने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य टीमें स्पेन, बेल्जियम, जर्मनी, आयरलैंड और फ्रांस हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम 15 दिसंबर को टूर्नामेंट के पहले गेम में मेजबान स्पेन से भिड़ेगी और 16 दिसंबर को बेल्जियम, 19 दिसंबर को जर्मनी और अपने आखिरी मैच में 21 दिसंबर को आयरलैंड से भिड़ेगी।

स्पेन के खिलाफ अपने पहले मैच से पहले, भारतीय महिला टीम की कप्तान सविता ने कहा, हमें वालेंसिया पहुंचे हुए तीन दिन हो गए हैं, हमारी अनुकूलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब हम स्पेन के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करने के लिए तैयार हैं। हमें कुछ का सामना करना पड़ेगा। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमें और इस अवसर का उपयोग आगामी एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 की तैयारी में अपनी कमजोरियों पर काम करने के लिए करें। हम हर खेल में अपना दिल खोलकर खेलेंगे क्योंकि यह हमारे प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए सही मंच है।

इसी तरह, भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पांच देशों के टूर्नामेंट वालेंसिया 2023 अभियान को शुरू करने के लिए 15 दिसंबर को पहले मैच में मेजबान स्पेन से भिड़ेगी, उसके बाद 16 दिसंबर को बेल्जियम, 19 दिसंबर को जर्मनी और 20 दिसंबर को फ्रांस के खिलाफ मुकाबला करेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह भी अपने पहले मैच से पहले अपने प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।

गौतम गंभीर के 'वो' में छुपा है सबसे बड़ी बोली का राज

नई दिल्ली, 14 दिसंबर। आईपीएल ऑक्शन 2024 का 19 दिसंबर को दुबई में आयोजन होने जा रहा है। यह मिनी ऑक्शन है, जिसमें कुल 77 खिलाड़ियों के लिए बोली लगेगी। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जो सभी फ्रेंचाइजी की रडार पर हो सकते हैं। भारत के पूर्व ओपनर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर ने इशारों-इशारों में उस खिलाड़ी का जिक्र किया, जिसपर सबसे बड़ी लगाई जा सकती है। गंभीर ने कहा वो पर सभी की निगाहें होंगी। उनके इस वो में छुपे राज को लेकर कई तरह के कयास लग रहे हैं।

गंभीर से जब स्टार स्पोर्ट्स पर सवाल पूछा गया कि ट्रेविस हेड, रचिन रवींद्र, स्टीव स्मिथ, डेरिल मिचेल, शाहरुख खान में से किस पर सबसे ज्यादा बोली सकती है तो उन्होंने जवाब में कहा, देखिए नाम लेना बड़ा मुश्किल है। जो फ्लेवर ऑफ द सीजन होता है, वो फ्लेवर ऑफ द सीजन होता है।

समझ जाओ वो। बता दें कि शो में गंभीर से इस संबंध में सवाल पूछने से कुछ देर पहले एंकर जतिन सप्रू ने हेड को वो कहा। सप्रू ने कहा, आजकल अगर आप सोशल मीडिया पर देखें तो भारतीय दर्शक ट्रेविस हेड को वो बुलाते हैं। उनका नाम भी नहीं लेते। सलामी बल्लेबाज हेड ने वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में भारत के खिलाफ 137 रन की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

श्रेयस की केकेआर में कप्तान के तौर पर वापसी

कोलकाता 14 दिसंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में श्रेयस अय्यर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान के तौर पर वापसी करेंगे। टीम के उपकप्तान की कमान नितीश राणा को सौंपी गयी है। केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) वेंकी मैसूर ने गुरुवार को यह ऐलान करते हुये कहा श्रेयस चोट के कारण आईपीएल 2023 के सत्र में नहीं खेल सके थे। हमें खुशी है कि उनकी केकेआर के कप्तान के रूप में वापसी हुई है। जिस तरह से उन्होंने अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है और उसी तरह की फॉर्म उनके पास है और वह इसे प्रदर्शित कर अपना लोहा मनवाएंगे।

पहले सरफराज अहमद और फिर बाबर आजम ने की ऐसी गलती, जमकर उड़ रहा है पाक का मजाक

नई दिल्ली, 14 दिसंबर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फील्डिंग को लेकर कई बार उनका मजाक बन चुका है, लेकिन इसमें कुछ ज्यादा सुधार होता हुआ नजर नहीं आता है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज का आगाज पर्थ टेस्ट के साथ हुआ है और मैच के पहले दिन ही पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने फील्डिंग के दौरान कुछ ऐसी गलतियां की हैं, जिनको लेकर मीम्स बन रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने वैसे ही पाकिस्तानी गेंदबाजों को विकेट लेने के ज्यादा मौके नहीं दिए और जो मौके मिले, उन पर कैच भी ड्रॉप हुए। खराब थ्रो करना हो या फिर मिसफील्डिंग, इसको लेकर पाकिस्तान की आलोचना हमेशा से होती रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मैच के आखिरी दिन पाकिस्तान के दो पूर्व कप्तानों सरफराज अहमद और बाबर आजम ने कुछ ऐसी गलती की, जिसका वीडियो देखकर आपकी हंसी नहीं रुकेगी।

ऑस्ट्रेलिया वैसे ही पाकिस्तान के खिलाफ मजबूत स्थिति में है। 64वें ओवर की पहली गेंद थी और आगा सलमान गेंदबाजी कर रहे थे। पहले गेंद को पढ़ने में डेविड वॉर्नर चूके, फिर विकेटकीपर सरफराज भी इस गेंद को पकड़ नहीं सके, स्लिप में खड़े पूर्व कप्तान बाबर आजम ने उछलकर गेंद तो पकड़ी, लेकिन डेविड वॉर्नर को आउट करने के चक्कर में उन्होंने ऐसा थ्रो मारा कि ऑस्ट्रेलिया के खाते में एक एक्स्ट्रा रन जुड़ गया।

आईएसएल : मोहन बागान का मुकाबला नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से

गुवाहाटी, 14 दिसंबर। मोहन बागान सुपर जाइंट शुक्रवार को इंडियन सुपर लीग के मैच में मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से भिड़ेगा। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने अपने पिछले चार मुकाबलों में दो बार ड्रा खेला है और दो में उसे हार मिली है। वह छठे स्थान पर मौजूद चेन्नईयिन एफसी से दो अंक पीछे है। जुआन पेड्रो बेनाली के लिए, अपने सीजन को पटरी से उतरने से रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। शक्तिशाली मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता है। पिछले सीजन में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का प्रदर्शन भूलने लायक रहा था। पिछले अभियान में 20 मैचों में उनकी एकमात्र जीत 24 दिसंबर 2022 को इसी स्थान पर मोहन बागान सुपर जाइंट के खिलाफ आई थी।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की ठोस शुरुआत

मुबंई 14 दिसंबर। सतीश शुभा (69), जेमिमाह रॉड्रिग्स (68), यास्तिका भाटिया (66) और दीप्ति शर्मा (60 नाबाद) के शानदार अर्धशतकों की मदद से भारत ने गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हुये पहले टेस्ट मैच में पहली पारी में सात विकेट खोकर 410 रन बनाये। डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। स्मृति मंधाना (17) और शेफाली वर्मा (19) के विकेट जल्दी गिरने के बाद क्रीज पर आयी सतीश और जेमिमाह ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की धुनाई करते हुये टीम के स्कोर को जल्द ही तीन अंकों तक पहुंचा दिया और सतीश ने अपने अपने अर्धशतकों को पूरा कर लिया। पारी के 33वें ओवर में सोफ़ी एकलस्टन की गेंद पर आउट होने से पहले सतीश अपनी पारी के दौरान 13 बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचा चुकी थीं। इंग्लैंड के गेंदबाजों को इसके बाद जल्द ही एक और सफलता जेमिमाह के विकेट के तौर पर मिली मगर दूसरे छोर पर आयी हरमनप्रीत ने नये बल्लेबाज यास्तिका के साथ मिल कर मेहमान क्षेत्ररक्षकों को एक बार फिर व्यस्त कर दिया। हरमनप्रीत दुर्भाग्यशाली तरीके से 49 रन के निजी स्कोर पर रन आउट हुयी। कप्तान के आउट होने से दूसरे छोर पर यास्तिका का भी आत्मविश्वास डगमगाया,नतीजन वे शार्लेट डीन की गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गयीं। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान 88 गेंदों पर दस चौके और एक छक्का जड़ा। स्नेह राणा (30) के तौर पर इंग्लैंड को सातवीं सफलता मिली। दिन का खेल खत्म होने के समय दीप्ति शर्मा 60 और पूजा वस्त्रकर चार रन बनाकर क्रीज पर डटी हुयी थी।

विश्व पैरा एथलेटिक्स प्रमुख ने की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली, 14 दिसंबर। विश्व पैरा एथलेटिक्स के प्रमुख पॉल फिट्जगेराल्ड ने दिव्यांगों के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के रवैये की तारीफ की है। एक प्रेस ब्रीफिंग में फिट्जगेराल्ड ने गुरुवार को यहां कहा, हम पैरा स्पोर्ट्स आंदोलन में दिव्यांग शब्द की शुरुआत करके भारत में दिव्यांग व्यक्तियों की धारणा में एक आदर्श बदलाव लाने के लिए मोदी के आभारी हैं। ऐसा दूरदर्शी नेतृत्व ही आज भारत को वैश्विक पैरालंपिक आंदोलन को एक उभरती हुई शक्ति बना रहा है। आगामी पहले रेडियंट डिफरेंटली एबल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2022-23 के सही दिशा में एक कदम के रूप में सराहना की। फिट्जगेराल्ड ने पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन वोटिंग प्रक्रिया के लाइव होने की भी घोषणा की, जो देश में दिव्यांग एथलीटों के लिए पहली बार हो रहा है।

50वीं मंडल स्तरीय मंत्रालिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आगाज

खेल व राजकीय सेवा पूर्ण मनोयोग से करें : बड़सरा

खाटूश्यामजी, 14 दिसंबर। कस्बे की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में मंत्रालिक कर्मचारियों और अधिकारियों की मंडल स्तरीय गोल्डन जुबली वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आगाज हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अलका मेहता प्रिंसिपल ने की जबकि मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक कार्यालय चूरू के ए डी ई ओ महेंद्र बड़सरा ने खेल और अपना मूल सेवा कार्य पूर्ण ईमानदारी से करने को आगाह किया। विशिष्ट अतिथि हेमाराम इंदुलिया,मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दांतारामगढ़,स्काउट सहायक कमिश्नर भवानी शंकर शर्मा व प्रधान जनार्दन शर्मा थे। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सरोज ने बताया कि दो दिवसीय प्रतियोगिता में मुख्य रूप से वॉलीबॉल का उद्घाटन मैच चूरू बनाम सीकर के बीच खेला गया जिसमें चूरू 2-0 से विजयी रहा। अतिथियों का स्वागत आयोजक टीम के भारत माथुर, अमरचंद पारीक, नरेश वर्मा, पवन लावट, विजय सैन, सीताराम बाजरोलिया द्वारा साफा माला और श्याम बाबा का प्रतीक चिन्ह देकर किया।

राजस्थान

सूने मकान से 18 लाख के आभूषण और नगदी चोरी

महिला अपने पीहर चली गई थी, सुबह लौटी तो ताले टूटे मिले

- 30 तोला सोना के जेवर के साथ 10 तोला चांदी की पायजब जोड़ियां ले गए चोर

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ स्थित शिव विहार कॉलोनी सारण नगर में एक रात के लिए, पीहर जाना एक महिला को महंगा पड़ गया। सूने पड़े घर में चोरों ने सेंधमारी कर 18 लाख के आभूषण, 50 हजार की नगदी के साथ महंगा फोन चुरा ले गए। घर की मालकिन अपने पीहर में रात को गई थी। सुबह लौटी तब ताले टूटे मिले। इस बार में बनाड़ थाने में केस दर्ज करवाया गया है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि सारण नगर, दस दुकान के पीछे शिव विहार कॉलोनी में रहने वाली गुड्डी उर्फ मनीषा विश्नोई की तरफ से केस दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि वह 12 दिसम्बर की रात को अपने पीहर बनाड़ विश्नोईयों की ढाणी पर बच्चों संग गई थी। इस बीच घर सूना था। 13 की सुबह नौ बजे लौटी तब ताले टूटे मिले। अंदर जाने पर पता लगा कि सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा होने के साथ अलमारी और अटेची के ताले भी टूटे पड़े है।

चोरों ने घर से 30 तोला सोना जिनमें सोने के दो रखड़ी सेट, दो गले के हार एक बड़ा और छोटा, सोने की अंगुठियां, चेन के साथ 10 तोला चांदी की पायजब जोडियां ले गए। उसके प्लास्टिक की थैली में रखे 50 हजार रूपए और एक महंगा फोन भी चोरी कर लिया गया। बनाड़ पुलिस को सूचना मिलने पर मौका मुआयना किया गया। फिलहाल चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को कोर्ट ने बरी किया

- पीड़िता के साथ घटना के संबंध मे डीएनए व एफएसएल रिपोर्ट ने घटना की पुष्टि नहीं की

अजमेर, (कासं)। अजमेर की पोस्को कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश बन्नालाल जाट ने गुरुवार को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषमुक्त करते हुए बरी कर दिया। अधिवक्ता प्रेमपाल गोस्वामी व पारस माथुर ने बताया कि परिवादिया ने 20 अगस्त 2023 को पुलिस थाना सरवाड़ में एक लिखित रिपोर्ट दर्ज करायी कि प्रार्थीया मन्दिर के बाहर दुकान चलाती है तथा प्रार्थीया की नाबालिग बच्ची दुकान पर आती जाती रहती है तथा उस दिन मन्दिर परिसर मे खेल रही थी तभी मन्दिर की सेवा करने वाले पुजारी प्रार्थीया की नाबालिग पुत्री को बाथरूम में ले जाकर उसके साथ गलत काम व गलत हरकत की।

जिस पर प्रार्थीया की पुत्री को तत्काल डॉक्टर के बंगले पर ले कर गई, जहाँ पर डॉक्टर ने प्रार्थीया को कहा कि इसे पहले थाने ले जाओ और फिर पुलिस वाले इस बच्ची का ईलाज करवायेंगे, लेकिन प्रार्थीया अपनी बच्ची का भविष्य व लोकलाज के कारण प्रार्थीया ने 9 अगस्त 2023 की घटना की 20 अगस्त 2023 को रिपोर्ट दी। पुलिस ने प्रकरण में पोस्को एक्ट में सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच पड़ताल के दौरान ही पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध न्यायालय के समक्ष 30 सितंबर 2023 को आरोप पत्र पेश किया न्यायालय ने प्रकरण में चार्ज बहस सुनने के उपरांत प्रकरण को साक्ष्य अभियोजन हेतु नियत किया।

प्रकरण में दौराने साक्ष्य परिवादिया से अधिवक्ता ने जिरह में तर्क दिया कि अभियुक्त ने परिवादिया व उसके पति को पैसे उधार दे रखे है, जिसका इन्द्राज वह डायरी में करता है, जिसके अन्दर परिवादिया व उसके पति ने जब जब भी अभियुक्त से लेन-देन किया उन सभी तिथियों व राशियों का डायरी में उल्लेख है तथा डायरी को न्यायालय की अनुमति से प्रदर्शित करवाया गया व परिवादिया ने भी आरोपी से पैसे का लेन देन होना स्वीकार किया तथा पीड़िता के साथ घटना होने के संबंध मे डीएनए व एफएसएल रिपोर्ट ने घटना की पुष्टि नहीं की तथा डीएनए व एफएसएल रिपोर्ट व डॉक्टर की रिपोर्ट व डॉक्टर के बयानों के आधार पर भी घटना की पुष्टि नहीं हुई। इन सभी आधारों को न्यायालय ने मान कर अभियुक्त को दोषमुक्त करने के आदेश प्रदान किए। अभियुक्त की ओर से पैरवी प्रेमपाल गोस्वामी व पारस माथुर अधिवक्ता ने की।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज

बीदासर, (निसं)। ग्रामीण क्षेत्र की नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का मामला पुलिस थाना में दर्ज हुआ है। पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज करवाया कि मैं ढाणी मे परिवार सहित निवास करता हूं। रात्रि में मैं और मेरी पत्नी एक कमरे में सो गये तथा दूसरे कमरे में मेरी दोनों पुत्रियां सो गई। रात्रि को करीब 12.30 बजे मेरी छोटी पुत्री शौच करने के लिये उठी तो देखा तो उसकी बड़ी बहिन कमरे में नही है। तब मेरी पुत्री ने मुझे आवाज देकर जगाया और मुझे बताया कि बड़ी बहिन कमरे में नहीं है। तब मैं और मेरी पत्नी उसकी तलाश करने निकले मेरे खेत से पूर्वी की तरफ तीन खेत दूर महाजनो के खेत में पहुच कर टॉर्च की रौशनी की तो मेरी पुत्री व एक युवक दिखाई दिया। हमारे को देखकर उक्त युवक भाग गया। मेरी पुत्री ने बताया कि उक्त युवक रात्रि में मेरे पास आया और मुझे कहा कि तेरी स्कूल दोस्त तुझसे मिलने आई है। जो सड़क के उस पार खेत में खड़ी है, तब मैं उसके साथ सड़क पार चली गई। सड़क पार मेरी दोस्त नही मिलने पर मैं वापस ढाणी की तरफ आने लगी तो उक्त युवक मुझे गोद में उठाकर दूर ले गया तथा मेरे साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पिड़िता की रिपोर्ट पर एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है।

परीक्षा प्रवेश-पत्र में छेड़छाड़ के आरोपी अभ्यर्थी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

रेवेन्यू ऑफिसर ग्रेड-द्वितीय एवं राजस्व अधिकारी ग्रेड-चतुर्थ परीक्षा का मामला

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा रेवेन्यू ऑफिसर ग्रेड-द्वितीय एवं राजस्व अधिकारी ग्रेड-चतुर्थ की परीक्षा के प्रवेश-पत्र में जालसाजी कर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच के दौरान 13 दिसंबर को आरोपी अभ्यर्थी के उपस्थिति-पत्रक का मिलान विस्तृत आवेदन-पत्र के साथ संलग्न की गई फोटो एवं हस्ताक्षर से तथा आयोग के पास उपलब्ध अभ्यर्थी के ऑनलाइन रिकार्ड से करवाया गया। इस जांच दौरान अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन में अपलोड की गई फोटो, काउंसलिंग दौरान विस्तृत आवेदन पर चस्पा की गई फोटो एवं परीक्षा केंद्र पर प्रस्तुत किए गए उपस्थिति-पत्रक पर मौजूद स्कैन्ड फोटो में अंतर पाया गया।

इससे अभ्यर्थी पुष्पेन्द्र कुमार मीना द्वारा परीक्षा केंद्र पर प्रस्तुत किए जाने वाले उपस्थिति-पत्रक की स्कैन्ड फोटो को जालसाजी कर रूपांतरित किया जाना प्रकट हुआ।

इसके साथ ही आरोपी अभ्यर्थी द्वारा आयोग द्वारा जारी प्रवेश-पत्र में अंकित जन्म दिनांक 1.09.1991 में भी हेरफेर कर 01.09.1997 कर दिया गया। प्रकरण में अनुसंधान एवं कानूनी कार्यवाही के लिए आयोग के सहायक अनुभाग अधिकारी श्री शिवराज द्वारा पुलिस थाना सिविल लाइन, अजमेर में आरोपी अभ्यर्थी के विरूद्ध 13 दिसंबर 2023 को मामला दर्ज करवाया गया है।

उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा इस परीक्षा का आयोजन 14 मई 2023 को किया गया था। इसके फलस्वरूप पात्रता जांच के लिए विज्ञापित पदों के विरूद्ध दो गुना अभ्यर्थियों की विचारित सूची 21 नवंबर 2023 को जारी की गई थी। इसमें सम्मिलित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग का आयोजन 11 दिसंबर से 13 दिसंबर 2023 तक किया गया था।

चलते ट्रक से सामान चोरी, पुलिस जांच में जुटी

- ट्रक के पीछे पिकअप लगाकर टायर सहित परचूनी का सामान चोरी हुआ

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले में चलती गाड़ियों से सामान चोरी करने वाला गैंग सक्रिय है।बदमाशों ने एक फिर चलते ट्रक के पीछे पिकअप गाड़ी लगाकर ट्रक से टायर सहित परचूनी का सामान चोरी कर लिया। मामले में पीड़ित ट्रक चालक ने पुष्कर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मालूम हो कि दस दिन पहले भी इसी तरह की घटना बदमाशों ने अंजाम दी थी।

नागौर जिला निवासी मुकनाराम पुत्र गोकुलदास ने पुष्कर थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ शिकायत दे हुए चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित ट्रक चालक मुकनाराम ने बताया कि 12 दिसंबर को जयपुर राजावत ट्रांसपोर्ट से परचूनी का माल भरकर मेड़ता की ओर जा रहा था। इसी दौरान 13 दिसंबर की सुबह करीब 3 बजे हाईवे कान्स घाटी के पास एक बोलेरो वाले ने रुकवा कर कहा कि आपके ट्रक के पीछे पिकअप लगी है, माल उतर रहा है। पीड़ित ट्रक चालक ने ट्रक को रोकर देखा तो कोई गाड़ी नजर नहीं आई। ट्रक का रस्सा व तरपाल कटा हुआ था। ट्रक चालक ने पुलिस को बताया कि चोरों ने चार टायर एमआरपी कंपनी और परचूनी का सामान चोरी कर लिया गया। चोरों ने ट्रक के पीछे पिकअप लगाकर वारदात को अंजाम दिया। पुष्कर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

पुष्कर में 10 दिन पहले चुराई थी सौंफ की बोरियां :- चलती गाड़ियों से माल चोरी करने वाली गैंग ने पुष्कर थाना क्षेत्र में दस दिन पहले भी चलते ट्रक के पीछे पिकअप लगाकर 20 सौंफ की बोरियां चोरी की थी। जब ट्रक चालक को चोरी होने का एहसास हुआ तो बदमाश चालक के ऊपर पत्थर फेंक कर वहां से फरार हो गए थे। पीड़ित ने मामले में थाने में शिकायत दी थी। हालांकि पुलिस ने मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है।

बिजली लाइनों से टकराकर प्रवासी "सिनेरियस गिद्ध" मरा

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले में पिछले महीनों दर्ज हुई छत्रपति वीर आलाजी ओरण, सलखा में गुरुवार को ओरण के अंदर से गुजर रही बिजली लाइनों से टकराकर एक प्रवासी दुर्लभ सिनेरियस गिद्ध की मृत्यु हो गयी। गिद्ध के मरने की सूचना, स्थानीय पशुपालक जगमालसिंह सलखा ने पर्यावरण प्रेमियों को उपलब्ध करवायी। पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह भाटी सांवता ने बताया कि राष्ट्रीय मरु उद्यान के नजदीक 12 हजार बीघा में मौजूद सलखा का ओरण गिद्धों समेत बड़े शिकारी चील, बाज और राजकीय पक्षी गोडावण का मुख्य विचरण व प्रजनन क्षेत्र है। अतः इस ओरण को बिजली तारों से मुक्त करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिन बिजली लाईनों से गिद्ध टकराकर मारा गया है उन पर पक्षियों को टकराने से रोकने के लिये बर्ड डायवर्टर भी लगे हुए हैं फिर भी पक्षी उनसे टकरा कर मारे जा रहे हैं। पर्यावरण प्रेमी पार्थ जगाणी ने बताया कि मध्य एशिया व हिमालय से सर्दियों में आने वाले सिनेरियस गिद्ध सभी गिद्ध प्रजातियों में विशाल होते हैं। यह भारतीय वन्य जीवन कानून की प्रथम सूची में दर्ज संरक्षित पक्षी है।

बीकानेर का पारा 10 डिग्री तक पहुंचा

बीकानेर। आधा दिसम्बर माह बीतने को है। अब सर्दी अपना असर दिखना शुरू कर दिया है। बीकानेर के तापमान में गिरावट आ रही है। अगले सप्ताह तक इसमें और गिरावट आने की संभावना है। गुरुवार को सवेरे बीकानेर के आसमां में हल्के बादल भी छितराए रहे। गुरुवार को बीकानेर में अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि हल्के बादलों के बीच तेज धूप खिली रही, किंतु हवा में गलन बरकरार रही। वतावरण में सूर्यदेव के तेज के कारण हालांकि आर्द्रता 40 फीसदी रही है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड़, जालोर
क्रमांक : अ.अ./चि.एवं.स्वा/2023-24/3961-71 दिनांक : 07.12.2023
ई-निविदा सूचना संख्या 25/2023-24
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रु. 195.00 लाख का 3 सिविल कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB No NRH2324A0102
1. NRH2324WSOB02094
2. NRH2324WSOB02095
3. NRH2324WSOB02096
(रणवीरसिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर
DIPR/C/15834/2023

कृषि जिन्सों की खरीद के लिये सहकारी समितियों को सूचिबद्ध करना
क्रभको एग्री बिजनेस लिमिटेड (क्रभको की एक पूर्ण स्वामित्व की सबसिडियरी) की नियत तथा स्वदेशी उपयोगों के लिये भारत की सहकारी समितियों से चावल, गेहूँ, जौ, बाजरा, मिर्चें, हल्दी, धनिया, जीरा, प्याज आदि जैसे विभिन्न कृषि जिन्सों की खरीद के लिये सहकारी समितियों को सूचिबद्ध (एम्पैनल) करने की योजना है। और विवरण के लिये कृपया हमारी वेबसाइट www.kribhcoagri.in पर जायें।
KRIBHCO agri

राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण पत्रों का प्रेषण शुरू

अयोध्या, 14 दिसम्बर। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण पत्रों का प्रधान डाकघर से प्रेषण शुरू कर दिया गया है।

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट द्वारा डाक विभाग के माध्यम से देश-विदेश के साधु संतों को बाईस जनवरी 2024 के प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं, जिसकी बुकिंग का कार्य डाक विभाग

- **श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट द्वारा डाक विभाग के माध्यम से देश-विदेश के साधु संतों को 22 जनवरी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं।**

में जोरों पर है। प्रधान डाकघर में आमंत्रण पत्रों की बुकिंग कार्य का जायजा मंडल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एच.के. यादव ने दिया।

इस दौरान यादव ने बताया कि श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट से बी.एन.पी.एल. के एग्रीमेंट के तहत आमंत्रण पत्र का बुकिंग कार्य किया जा रहा है। श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट द्वारा अब तक देश-विदेश के तीन हजार सात सौ पन्द्रह आमंत्रण पत्र डाक विभाग को बुकिंग के लिये उपलब्ध कराया गया है।

हमास नेता इजरायल के साथ युद्धविराम वार्ता को तैयार

हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हनीयेह ने हमास से संबंद्ध अल-अक्सा टीवी पर प्रसारित भाषण में यह जानकारी दी

गाजा, 14 दिसंबर। हमास नेता इस्माइल हानियेह ने कहा है कि गाजा पर शासन करने वाला फिलिस्तीनी गुट इजरायल के साथ किसी भी व्यवस्था या पहल पर वार्ता करने के लिए तैयार है ताकि युद्धविराम हो सके।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की गुरुवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख हनीयेह ने हमास से संबद्ध अल-अक्सा टीवी पर प्रसारित भाषण में कहा, "हम किसी भी व्यवस्था या पहल पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं जिससे इजरायल के हमले रुक सके। हमास के बगैर गाजा के भविष्य के संबंध में व्यवस्था सफल नहीं होगी।"

हनियेह ने कहा कि, हमास ने गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग करने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का स्वागत किया है और गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब-इस्लामिक असाधारण शिखर सम्मेलन द्वारा सौंपी

- **हनीयेह ने कहा कि, हमास युद्ध के बाद की ऐसी किसी भी राजनीतिक व्यवस्था को अस्वीकार करता है, जिसमें हमास और अन्य फिलिस्तीनी गुट शामिल ना हों।**
- **हनीयेह ने गाजा पर इजरायली हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ ाने की भी अपील की है।**

गई मंत्रिस्तरीय समिति के प्रयासों की भी सराहना की है।

उन्होंने हमास की ओर से युद्ध के बाद की ऐसी किसी भी राजनीतिक व्यवस्था को अस्वीकार करने की पुष्टि की, जिसमें हमास और अन्य फिलिस्तीनी गुट शामिल ना हों। उन्होंने साथ ही गाजा पर इजरायली हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ ाने की भी अपील की है।

इससे पहले इजरायली मीडिया ने कई हमास नेताओं के कतर से अज्ञात गंतव्यों की ओर प्रस्थान की रिपोर्ट दी थी, जिसमें लेबनान, ईरान या अल्जीरिया जैसे देशों में संभावित स्थानांतरण का सुझाव दिया गया था। हमास की ओर से हालांकि इन रिपोर्टों के संबंध में कोई पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि सात अक्टूबर से इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध में अब तक 19,800 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

गाजा पर इजरायली हमलों में कम से कम 18,608 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 50,594 अन्य घायल हुए हैं जबकि इजरायल पर हमास के हमलों में करीब 1,200 लोग मारे गए हैं।

आईईडी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस. एफ.) का एक जवान शहीद हो गया।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने घटना की पुष्टि की है। माहला बीएसएफ कैंप से जवानों की टुकड़ी नक्सल गश्त पर रवाना हुई थी।

इसी दौरान नक्सलियों ने जंगल के बीच जवानों को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट किया, जिसमे बीएसएफ का जवान अखिलेश राय ब्लास्ट की चपेट में आ गया।

जवान को गंभीर हालत में पखांजूर सिविल अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही जवान ने दम तोड दिया है। इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया गया है।

कर्नाटक के तीन भाजपा विधायक कांग्रेस के रात्रिभोज में शामिल हुए

बेलागवी, 14 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई में असंतोष की खबरों के बीच पार्टी के तीन विधायक बुधवार रात यहां विधायक दल की बैठक के बाद कांग्रेस की ओर से आयोजित रात्रिभोज में शामिल हुए।

भाजपा प्रदेशाधयक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने इसे गंभीर मामला माना और कहा कि वह उनसे बात करेंगे। तीनों विधायकों की पहचान एसटी सोमशेखर, शिवराम हेब्बार और एच विश्वनाथ के रूप में की गई है। वे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अटकलों के बीच रात्रिभोज में शामिल हुए।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस बात से इनकार किया कि भाजपा विधायक कांग्रेस एलपी बैठक में शामिल हुए, लेकिन उसके बाद डिनर पार्टी में शामिल हुए।

इस साल विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा के खिलाफ अपनी मुखर टिप्पणियों के कारण तीनों भाजपा विधायकों के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही है।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, मैंने अलग से रात्रिभोज का आयोजन किया था और मैंने पार्टी के कुछ अन्य नेताओं को भी आमंत्रित किया था।

पूनिया से मुलाकात की दिया कुमारी ने

जयपुर, 14 दिसंबर (का.सं.)। राजस्थान की 7वें मनोनीत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया से उनके घर जाकर मुलाकात की। डॉ. पूनिया ने दिया कुमारी को भगवान श्रीराम की मूर्ति भेंट की तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

सतीश पूनिया ने कहा कि, मुझे पूर्ण विश्वास और भरोसा है कि विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भाजपा की डबल इंजन सरकार और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व में किसानों, युवाओं और माता-बहनों के लिये कल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान प्रगति का नया अध्याय

- **राज्य की नई मनोनीत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के घर पहुंची। डॉ. पूनिया ने भगवान राम की मूर्ति भेंटकर दिया कुमारी का स्वागत किया।**

लिखेगा और विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प भी धरातल पर उतरेगा।

श्रीनगर में मौसम की सबसे सर्द रात

श्रीनगर, 14 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर में लगातार ठंड बढ़ रही है। जहां कश्मीर के हाड कंपाने वाली ठंड जारी है, वहीं श्रीनगर में इस मौसम की सबसे सर्द रात दर्ज की गयी है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाग केन्द्र श्रीनगर ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में शोपियां में जिला में सबसे ज्यादा ठंड रिकॉर्ड की गयी है, जहां पिछली रात न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई भारी गिरावट के कारण श्रीनगर के डल झील के आंतरिक हिस्से और अन्य निकाय तथा पानी के पाइप में पानी जम गया है।

दक्षिण कश्मीर के सबसे प्रिय पर्यटक स्थल पहलगाम में पिछली रात के शून्य से नीचे 5.3 डिग्री के मुकाबले आज न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम है। उत्तर कश्मीर के स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान मामूली सुधार हुआ है और गुरुवार को तापमान शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इससे पहली रात को यहां न्यूनतम तापामान

- **मौसम विभाग केन्द्र श्रीनगर ने बताया कि, दक्षिण कश्मीर में शोपियां में पिछली रात न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।**

शून्य से नीचे 5.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर काजीगुंड में तापमान पिछली रात के शून्य से नीचे 3.2 डिग्री के मुकाबले आज शून्य से नीचे 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कोकेरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान पिछली रात के शून्य से नीचे 3.7 डिग्री के मुकाबले आज गिरकर शून्य से नीचे 4.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस नीचे है। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को अधिकांश स्थानों पर मौसम साफ रहने वाला है और 15 दिसंबर तक मुख्य रूप से मौसम शुष्क रहेगा।

युवा कांग्रेस का केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

भारतीय युवा कांग्रेस ने संसद सुरक्षा में चूक को गंभीर मामला बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर। भारतीय युवा कांग्रेस ने संसद सुरक्षा में चूक को गंभीर मामला बताते हुए गुरुवार को यहां केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. वी. श्रीनिवास ने कहा कि, संसद में घुसपैठ का मामला बहुत ही गंभीर है, पर केंद्र सरकार के बर्ताव को देख कर ऐसा लग रहा है कि उन्हें इस घटना से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि, संसद की सुरक्षा चूक के सवाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को इस पर अपना वक्तव्य देना चाहिए और इस चूक पर क्या कदम उठाए जाएंगे, इसके बारे में सदन में उन्हें बताना चाहिए।

श्रीनिवास ने कहा कि, देश के प्रधानमंत्री को गंभीर घटना पर दुख जताना चाहिए था, पर उनका ऐसा रवैया ढ ुलमुल लग रहा है। उन्होंने यह मांग कि, ये देश की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर

- **भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. वी. श्रीनिवास ने कहा कि, केंद्र सरकार के बर्ताव को देख कर ऐसा लग रहा है कि उन्हें इस घटना से कोई सरोकार नहीं है। देश के प्रधानमंत्री को गंभीर घटना पर दुख जताना चाहिए था, पर उनका ऐसा रवैया ढुलमुल लग रहा है।**

मामला है और इस पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को जवाब देना चाहिए।

दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव ने कहा कि, जहां एक तरफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा अपनी आईडी के पासवर्ड को सांझा करने पर संसद द्वारा उन्हें बर्खास्त कर दिया जाता है वहीं भाजपा सांसद के पास पर दो लोग लोकसभा की दर्शक दीर्घा के अंदर आते हैं और सदन की गैलरी में कूद कर गैस छोड़ते हैं, इस पर अभी तक कोई कारवाई क्यों नहीं हुई है, ये देश की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि, जो सदन की गैलरी में कूद कर गैस छोड़ सकते हैं, वो जानलेवा बम भी फोड़ सकते हैं। इस पूरे मामले में देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को अपना जवाब देना चाहिए और जिस भाजपा सांसद के पास पर दो लोग सदन के अंदर आए थे उस सांसद को जल्द से जल्द बर्खास्त किया जाना चाहिए।

इस दौरान प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव समेत अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'सांसदों को किस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सही मायने में यह लोकतंत्र का निलंबन हुआ है। जिन सांसदों का निलम्बन हुआ है सरकार बताए उनका अपराध क्या है। क्या गृहमंत्री से सदन में बयान देने का आग्रह करना अपराध है या गंभीर सुरक्षा चूक पर चर्चा कराना अपराध है। सवाल है कि भाजपा की सरकार में व्यवस्था का जो आलम बना है क्या इसमें तानाशाही नहीं झलकती है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में जो चूक हुई उसके खिलाफ कांग्रेस के सांसदों ने आवाज उठाई तो उन्हें आज निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा, संसद में हुई सुरक्षा चूक को लेकर सरकार से जवाब मांगने के लिए विपक्षी सांसदों को निलंबित करना गलत और अलोकतांत्रिक है। एक तरफ जवाबदेही की मांग करने पर सांसदों को निलंबित किया जाता है और दूसरी तरफ उपद्रवियों के प्रवेश में मदद करने वाले भाजपा सांसद के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है।

उन्होंने सरकार के इस कदम को लोकतंत्र की हत्या करार दिया और कह, यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि, भाजपा सरकार ने संसद को रबर स्टाम्प बनाकर रख दिया है। अब लोकतांत्रिक प्रक्रिया दिखावे के लिए भी नहीं बची है।

दम्पती ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हलचल नहीं हुई तो पड़ोसियों ने एमपी नगर थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा तो चार जने अलग-अलग फंदे पर लटके हुए थे और एक जना वहीं पर गिरा पड़ा था और उसके मुंह से झाग निकले हुए थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक हनुमान सोनी मूलतः देशनोक का रहने वाला था और यहां अत्योदय नगर में किराये के मकान में रहता है। सामूहिक सुसाइड के बारे में कहा जा रहा है कि आर्थिक तंगी के चलते उसने यह कदम उठाया है। घटना की जानकारी मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम मौके पर पहुंची। मृतक हनुमान सोनी जेवरात का कारीगर है। मृतकों में दम्पति के अलावा दो लड़के व एक लड़की है। बहरहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

कोयला घोटाले को लेकर सी.बी.आई. के छापे

कोलकाता, 14 दिसंबर। पश्चिम बंगाल में सरकारी स्वामित्व वाली ईसीएल खदानों से कोयले की कथित तस्करी को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अधिकारियों ने गुरुवार को कोलकाता ,दुर्गापुर और आसनसोल के औद्योगिक शहरों सहित कम से कम 12 स्थानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि कोलकाता में सीबीआई के अधिकारियों ने भवानीपुर में उन तीन फ्लैटों पर छापा मारा जहां पूर्व ईसीएल अधिकारी श्यामल सिंघा रहते थे।

- **पश्चिम बंगाल में सरकारी स्वामित्व वाली ईसीएल खदानों से कोयले की कथित तस्करी को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के अधिकारियों ने गुरुवार को कोलकाता , दुर्गापुर और आसनसोल के औद्योगिक शहरों सहित कम से कम 12 स्थानों पर छापेमारी की।**

इसके अलावा संघीय एजेंसी की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा ने आसनसोल और दुर्गापुर कस्बों सहित पश्चिम बर्धमान जिले के कई स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया। छापेमारी घोटाले के कथित लाभार्थियों के कार्यालयों और आवासों पर की गई इस मामले में कुछ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि राज्य के कुछ प्रभावशाली लोगों से पूछताछ की गई है।

जांच अधिकारियों को कोयला घोटाले में और अधिक लाभार्थियों के बारे में कुछ सुराग मिलने के बाद सीबीआई की छापेमारी हुई ।

तेलंगाना में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बी.आर.एस. पर धुआंधार एवं तल्ख हमला बोलने के बाद अब भाजपा के शीर्ष नेतागण के. चन्द्रशेखर राव का साथ मिलकर मंच साझा करने में कठिनाई व असहज महसूस कर रहे हैं और वे भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस की एक मंच से आलोचना भी नहीं कर सकते। एक खास बात यह है कि प्रधानमंत्री सार्वजनिक रूप से घोषणा कर चुके हैं कि उन्होंने के.सी.आर. की एन.डी.ए. में शामिल होने के अनुरोध को नकार दिया है। इन वर्तमान हालातों के चलते भाजपा के एक नेता का कहना है कि संभावना यह बन रही है कि भाजपा तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों पर अपने दमखम पर ही चुनाव लड़ेगी।

परन्तु, चुनाव संबंधी अंतिम फैसला चुनावों स पूर्व स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद पार्टी का केन्द्रीय हाईकमान करेगा।

सुरक्षा में हुई चूक के मुद्दे पर संसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योजनाबद्ध रुप से काम कर रहे थे और उनमें आपस में अच्छा तालमेल था। इनमें पांच अब पुलिस हिरासत में हैं। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ के दौरान बताया कि ऐसा करने का उद्देश्य विभिन्न मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना था।

पूछताछ में पता चला कि सभी छह आरोपी चार वर्ष से एक-दूसरे के सम्पर्क में थे और उन्होंने कुछ दिन पूर्व ही ऐसी वारदात की योजनाबद्ध तैयारी की थी। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए आपस में तालमेल बनाए रखा और वारदात से कुछ दिन पूर्व ही इन्होंने संसद भवन की रेकी की थी।

ये सभी मैट्रो से राजीव चौक पहुंचे फिर इन्होंने संसद भवन रवाना होने से पूर्व इण्डिया गेट पर आधा घंटा रुककर अपनी आपराधिक प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया। दर्शक दीर्घा के किसी वैध "पास" के बिना इनमें से कोई भी संसद भवन परिसर में नहीं जा सकता था, इसलिए इन्होंने मैसूर के भाजपा सांसद कार्यालय से "पास" जारी करवाया था।

देश की राजधानी में स्थित संसद भवन में हुई भारी सुरक्षा चूक के एक दिन बाद दिल्ली पुलिस ने चार जनों के खिलाफ भारत के कठोरतम आतंक निरोधी कानून और गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के अन्तर्गत मामले दर्ज किए। गृह मंत्रालय ने सुरक्षा में हुई इस चूक की जांच-पड़ताल का आदेश किया था।

हमले की योजना बनाने वाले आरोपियों की पहचान पुलिस ने मनोरंजन डी., सागर शर्मा, नीलम आज़ाद, अमोल शिंदे और विशाल शर्मा के रुप में की है। छठा आरोपी ललित झा फरार है। आरोपियों को दिल्ली के एक कोर्ट में पेश करने के बाद आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लिया जाएगा।

वर्ष 2001 में हुए संसद हमले की बरसी पर सागर शर्मा और मनोरंजन डी. शून्य के ठीक बाद दोपहर एक बजे पब्लिक गैलेरी से लोकसभा चैम्बर में कूदे। उन्होंने अपने जूतों में छिपाए गए कैनिस्टर्स से पीले रंग की गैस छोड़ी। जब सांसदों को आभास हो गया कि आरोपियों के पास कोई हथियार नहीं है तब उन्होंने उन पर काबू पा लिया, लेकिन आरोपियों ने इससे पहले नारेबाजी की।

करीब इसी समय पर, दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम देवी ने संसद भवन परिसर के बाहर नारेबाजी की "तानाशाही नहीं चलेगी" और इसके साथ कैनिस्टर्स रंग-बिरंगी गैस छोड़ी।

आसियान-भारत अन्न महोत्सव में " मिलेट्स" पर विशेष जोर

नयी दिल्ली, 14 दिसंबर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा ने गुरुवार को आसियान-भारत अन्न महोत्सव का राष्ट्रीय राजधानी में शुभारंभ करते हुए कहा कि देश में मोटे अनाज (मिलेट्स) को बढ़ ावा देने के लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर ही है। इसी कड़ी में यहां वसंत कुंज इलाके में दो दिवसीय मिलेट मेले का आयोजन किया गया है। आसियान में भारतीय मिशन द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय इस महोत्सव में भारत सहित आसियान देशों के नीति-निर्माता, उद्यमी, विशेषज्ञ स्टार्टअप एवं अधिकारी भाग ले रहे हैं।

समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी और सुशोभा करंदलाजे तथा सचिव मनोज आहूजा भी मौजूद थे। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के अनुरूप, महोत्सव का उद्देश्य जागरूकता बढ़ ाना और अन्न एवं

- **दो दिवसीय इस महोत्सव में भारत सहित आसियान देशों के नीति-निर्माता, उद्यमी, विशेषज्ञ स्टार्टअप एवं अधिकारी भाग ले रहे है।**

अन्न आधारित उत्पादों के लिए वृहद बाजार स्थापित करना है।

मुंडा ने कहा कि श्रीअन्न किसानों, उपभोक्ताओं व पर्यावरण हेतु असीमित लाभ प्रदान करते हैं एवं वैश्विक खाद्य-पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष-2023के कार्यक्रमों के अनुरूप, इस महोत्सव का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और अन्न एवं अन्न आधारित उत्पादों के लिए वृहद बाजार स्थापित करना है।

मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थलों में अनियंत्रित लाउड स्पीकर्स प्रतिबंधित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पदभार ग्रहण करते ही लिए ताबड़तोड़ फैसले

भोपाल, 14 दिसंबर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पदभार ग्रहण करते ही कई अहम फैसले किए, जिसमें धार्मिक स्थलों पर अनियंत्रित लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध के साथ ही राज्य में खुले में मांस की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

डॉ. यादव ने शपथ ग्रहण करने के बाद शाम को मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया था। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने मंत्रिपरिषद् की बैठक आयोजित की, जिसमें डॉ. यादव के साथ उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला एवं राज्य की मुख्य सचिव वीरा राणा और अन्य आला अधिकारी उपस्थित रहे।

इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में जन कल्याण से जुड़े आठ प्राथमिक मुद्दों पर चर्चा हुई और मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि, वर्तमान में 12 जिलों में सायबर तहसील योजना लागू है। नागरिकों को भूमि के विक्रय विलेखों के पंजीयन (रजिस्ट्री) के उपरांत स्वचालित प्रक्रिया के माध्यम से नामांतरण की सेवा सभी जिलों में उपलब्ध होगी। सायबर तहसील में ऐसे मामलों का निराकरण (नामांतरण) किया जाता है जिसमें संपूर्ण खसरा नंबर या संपूर्ण प्लॉट समाहित हैं और किसी भी खसरा या प्लॉट का कोई विभाजन नहीं है।

मुख्यमंत्री ने विभागों की कार्यप्रणाली में गति लाने और पारदर्शी व्यवस्था लागू कर जन समस्याओं के समाधान के कार्य को प्राथमिकता देने के

- **मध्य प्रदेश में खुले में तथा बिना अनुमति के मांस एवं मछली के विक्रय पर रोक के लिए विशेष अभियान 15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक चलेगा।**

निर्देश दिए हैं। डॉ. यादव ने बैठक में विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त, सुशासन आधारित कार्य पद्धित का विकास किया जाए। नागरिकों को राजस्व और अन्य सभी कार्यों के लिए परेशान ना होना पड़े।

बैठक में फैसला किया गया कि प्रदेश में खुले में तथा बिना अनुमति के मांस एवं मछली के विक्रय पर रोक के लिए विशेष अभियान संचालित होगा। यह अभियान 15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक सघन रूप से चलेगा। डॉ यादव ने कहा कि इसके लिए खाद्य, पुलिस और नगरीय निकाय विभाग का संयुक्त अभियान चलाया जाए। साथ ही धार्मिक स्थल या अन्य स्थल में निर्धारित मापदंड के अनुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इसके अनुसार लाउड स्पीकर तथा डीजे के माध्यम से अपेक्षित डेसिबल से अधिक ध्वनि को रोकने के लिए ध्वनि प्रदूषण की जांच की व्यवस्था होगी। तेज आवाज में एवं बिना अनुमति के नियम विरूद्ध ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित करने के लिए निर्देश दिए गए।

एक महत्वपूर्ण घोषणा के तहत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत 16 शासकीय विश्वविद्यालयों और 53 निजी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की डिग्री और अंक सूची डिजी लॉकर में अपलोड करने की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में 9 शासकीय विश्वविद्यालयों और 5 निजी विश्व विद्यालयों में यह व्यवस्था लागू है। डॉ यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलना चाहिए। दस्तावेज का सार्वजनिक प्रकाशन होने से विश्वसनीयता भी बनी रहेगी। सभी विश्वविद्यालयों को यह व्यवस्था करना है। इनमें विभागों द्वारा संचालित विश्वविद्यालय भी शामिल होंगे।

बैठक में वर्ष 2024 से तेंदूपत्ता संग्रहण की दर बढ़ ाने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय के अनुसार अब पारिश्रमिक दर प्रति मानक बोरा चार हजार रुपए होगी। बैठक में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर संचालित अग्रणी /चिन्हित महाविद्यालयों का पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में उन्नयन किए जाने पर चर्चा हुई।

बैठक में अपराधों और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए न्यायालय से प्राप्त जमानत को विभिन्न धाराओं में निरस्त कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देने की जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत आदतन अपराधियों द्वारा जमानत पर छूटने के बाद पुनः अपराध की घटना करने पर पुलिस मुख्यालय एवं लोक अभियोजन संचालनालय द्वारा मासिक समीक्षा कर प्रकरणों में अपराधी की जमानत निरस्त करने के लिए त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

संक्षिप्त

कुल देवी के दर पर पहुंचे पटेल

कोटपूतली। शपथ ग्रहण से पूर्व क्षेत्र के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक हंसराज पटेल गुरूवार को निकटवर्ती बहरोड क्षेत्र स्थित ग्राम दहमी में पटेल परिवार की कुल देवी मंशा माता के दर पर पहुंचे। इस दौरान पटेल ने सपत्नीक माता के दरबार में धोक लगाकर कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि आने वाला 05 वर्ष का समय कोटपूतली की प्रगति व भाईचारे का सिद्ध हो इसके लिए माता के दरबार में धोक लगाने आये है।

मंदिर से नकदी व बर्तन चोरी

मालपुरा (निस) लाम्बाहरिसिंह कस्बे में शातिर चोरो ने बुधवार की रात नील कण्ठ महादेव मंदिर के ताले तोड नकदी व बर्तन चोरी की वारदात को दिया अंजाम। गुरूवार की सवेरे मंदिर में पुजा के लिए पहुचे पुजारी ने मंदिर के ताले टुटे देख आस पास के ग्रामीणों को अवगत करवाया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुची थाना पुलिस ने मौका निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाये। पुजारी ने बताया कि चोरो ने मंदिर के दानपात्र को तोड नकदी चुराने के साथ साथ मंदिर में रखे पुजा के बर्तन भी चुरा ले गये।

पांच ट्रोली ईंधन व चारा जला

मालपुरा (निस) मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के गणवर गांव के पास बाडे में लगी आग से बाडे में व आस पास खेतो में रखा इंधन व चारा जलकर राख हो गया। आग की सूचना पर मालपुरा नगर पालिका दमकल के साथ मोके पर पहुचे रामदेव, अकरम व साबीर ने मोजूद ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबु पाया।

दो डम्पर चोरी

टोंक। नाथूलाल चौधरी कैप्टन कालोनी ने थाना सदर टोंक में रिपोर्ट देकर बताया कि महज सदर थाने से तीन सौ मीटर की दूरी पर स्थित चौधरी पैट्रोल पम्प पर खड़ा डम्पर आर जे 26जीए 4213 हमेशा की तरह पैट्रोल पम्प पर खड़ा हुआ था, जिसे अज्ञात चोर चुरा ले गए।

जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में लापरवाही पर जताई नाराजगी

प्रागपुरा के पावटा कस्बे में 75 लाख की लागत से बनने वाली सड़क के घटीया निर्माण पर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया।

पावटा। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा के पावटा कस्बे में 75 लाख की लागत से 2.5 किलोमीटर राजस्थान हॉस्पिटल से प्रागपुरा पाछुडाला रोड तक बीटी डामरीकरण सडक निर्माण का कार्य चल रहा है। जहां पीडब्ल्यूडी बिना धूल साफ किए ही नाम मात्र का तारकोल गिरा कर सडक का नवीनीकरण कर रहा है। नियम के मुताबिक निर्माण से पहले

- **पापड की तरह हाथ से उखड रही है सड़क**

सडक की पूरी मिट्टी को साफ करने के बाद तारकोल गिराया जाता है। इसके बाद गरम तारकोल में गिट्टी मिलाकर सडक पर बिछाई जाती है। मगर यहां धूल मिट्टी से भरी सडक पर कम तारकोल गिराने से सडक बनने के साथ ही उखडने लगी है, जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

ग्रामीणों ने मौके मौके पर नगरपालिका पावटा प्रागपुरा चेयरमेन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी व वाइस चेयर मेन अशोक सैनी को सूचना दी। जिस पर जनप्रतिनिधि मौके पर पहुचे व निर्माण कार्य का जायजा लिया इस दौरान पार्षद को सडक निर्माण में कुछ कमियां देखने को मिली। जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। चेयरमेन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी व वाइस चेयर मेन अशोक सैनी ने बताया कि इस कार्य मे ठेकेदार द्वारा भारी लापरवाही बरती जा रही है। सडक निर्माण लग रहे मटेरियल में डामर की मात्रा भी कम देखने को मिली व बिना सडक की साफ सफाई किये ही सीधे डामर बिछाया जा रहा है। सडकों की आड में अफसर और ठेकेदार सरकारी पैसे को लूटने में लगे हैं। जिस सडक का सपना ग्रामीण कई सालों तक देखते है वो सडक बनते ही उखडने लगे तो इसे क्या कहेंगे। सडक निर्माण के दौरान मिट्टी के ऊपर ही सडक डाल दी गई है। 75 लाख रुपए से बनाई जा रही सडक में मानकों को ताक पर रखकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। यही नहीं 75 लाख से बनने बाली सडक एक तरफ बनकर तैयार भी नहीं हो पाई की उससे पहले ही हाथ और वाहनों से उखडने लगी है। वही ग्रामीणों व बच्चो के हाथों से ही सडक पापड की तरह आराम से उखड रही है। जन प्रतिनिधियों ने इसकी सूचना पावटा उपखंड अधिकारी बी एल स्वामी को दी। जिस पर पावटा उपखंड अधिकारी बी एल स्वामी ने मौके पर पहुँचकर पीडब्लूडी अधिकारियों एईएन अनिल मीणा व जेईएन पवन माहेश्वरी सहित संबंधित ठेकेदार सुधांशु विराटनगर को निर्धारित मानको के अनुसार गुणवत्ता पूर्वक कार्य करने के लिए पाबंद किया। जिस पर पीडब्लूडी अधिकारियों व ठेकेदार ने सही कार्य करने को लेकर आश्वशत किया।

भजनलाल के सीएम बनने पर बांटी मिठाइयां

पावटा। भजनलाल शर्मा को राजस्थान के मुख्यमंत्री का पदभार सौंपने को लेकर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के भाजपाईयों सहित सर्व ब्राह्मण समाज के लोगों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए खुशियां मनाई।

इस दौरान पावटा घंटाघर चौक, होली चौक, सुभाष चौक सहित मुय चौराहों पर जमकर आतिशबाजी कर एक दूसरे को बधाई देते हुए मिठाईयां बांटी। इस मौके पर पावटा ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश गौड, कोषाध्यक्ष विकास शर्मा, दिनेश शर्मा, सुरेश शर्मा, हिमांशु शर्मा, अमित बटवाल, सुभाष टीलावत, बजरंग सिंह, निखिल शर्मा, मुकेश गोयल, जानकी बंसल, विषबर सोनी सहित सर्वब्राह्मण समाज के योगेश शर्मा, नागेंद्र शर्मा, जीवन ज्योति संस्था संरक्षक सुभाष गोयलशर्मा व भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता रोहिताश ताखर, बद्री प्रसाद चौहान, महेश राठी, भवानी शंकर अग्रवाल, राकेश सामोता, नीरज सैन, सीए कृष्ण कुमार सैनी, कृष्ण सिंह शेखावत, रोहित शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा भजनलाल शर्मा के राजस्थान के मुयमंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनायें देते हुए भारतीय जनता पार्टी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

शर्मा को दी शुभकामनायें

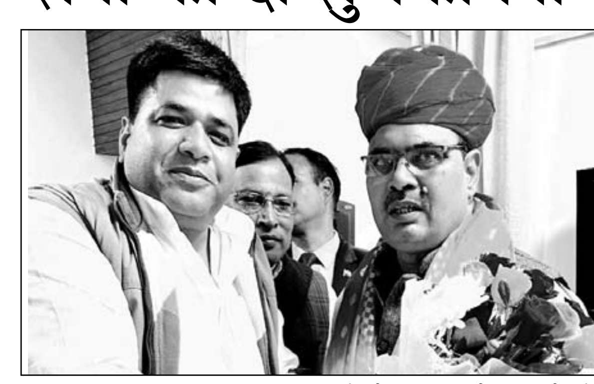

नवनियुक्त मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष हीरालाल रावत ने भेंट कर शुभकामनाएं दी।

कोटपूतली। भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता चुने जाने के बाद प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एड. हीरालाल रावत ने गुरूवार को राजधानी जयपुर के सहकार मार्ग स्थित राजस्थान विद्युत निगम के रेस्ट हाऊस में शिष्टाचार भेंट की।

इस मौके पर रावत ने नवनियुक्त मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा विगत कई वर्षो से भाजपा प्रदेश महामंत्री के रूप में कार्यरत रहे है। वहीं रावत भी ओबीसी मोर्चा में वर्षो तक प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री के पद पर कार्यरत रहे है। रावत ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने विजन के अनुरूप एक सामान्य कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाकर यह सिद्ध किया है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। शर्मा के नेतृत्व में निश्चित रूप से राजस्थान सर्वांगीण विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। साथ ही जनकल्याण के क्षेत्र में नये कीर्तिमान भी स्थापित करेगा।

विधायक को मंत्री बनाने की कामना, यज्ञ किया

मालपुरा (निस) मालपुरा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक लगा विधानसभा पहुंचे भाजपा विधायक कन्हैयालाल चौधरी को प्रदेश की भाजपा सरकार में मंत्री बनाने की कामना को लेकर लाम्बाहरिसिंह में विधायक समर्थकों ने अग्निहोत्री यज्ञ कर आहुतियां दी।

कस्बे के आर्य राधाकृष्ण भवन में आयोजित यज्ञ में आर्य समाज के पुरोहित ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ यज्ञ में आहुतियां दिलवाई। लाम्बाहरिसिंह भाजपा मण्डल अध्यक्ष रमेश चन्द वैष्णव ने बताया कि इस बार विधानसभा चुनाव में विधायक कन्हैयालाल चौधरी को लगातार तीसरी बार पार्टी प्रत्याशी बनाने पर कई भाजपा के ही पदाधिकारीयों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पार्टी से बगावत कर अन्दर ही अन्दर भाजपा प्रत्याशी के विरूद्ध व कांग्रेस एवं निर्दलिय के समर्थन में प्रचार कर पार्टी प्रत्याशी को हराने की साजिश रची लेकिन पार्टी के कृत्वयनिष्ठ कार्यकताओं व स्वयं प्रत्याशी की कडी मेहनत के साथ साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं सनातन धर्म के लिए क्षेत्र के मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर पार्टी प्रत्याशी की जीत की हैट्रिक लगवाई। इस दौरान रामप्रसाद स्वर्णकार, गौरव सोनी, सत्यनारायण सोनी, रामचरण चौधरी, महावीर प्रजापत, सरपट सोनी, रमाकान्त शर्मा, दीपक सोनी, नाथू लाल माली सहित कार्यकर्ता व पदाधिकारी मोजूद रहे। वहीं दुसरी ओर 33 साल बाद ब्राहम्ण विधायक भजनलाल शर्मा को केन्द्रीय नेतृत्व एवं विधायक दल द्वारा मुख्यमंत्री बनाने पर हर्ष जताया।

दो अभिभावकों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

दौसा। जिला मुख्यालय स्थित एक निजी विद्यालय के संचालक द्वारा उसी के विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की बिना टीसी काटा कर अन्यत्र सरकारी विद्यालय में झूठा शपथ पत्र देकर भर्ती करने के मामले में दो अभिभावकों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया है।

आरोपी अभिभावकों पर आरोप है कि उनके द्वारा निजी स्कूलों की फीस जमा नहीं कर कर उनके बालकों को फर्जी शपथ पत्र के आधार पर दूसरी जगह सरकारी स्कूल में दाखिला करवा दिया गया साथ ही बालकों की जन्म तिथि में भी ही-फिर कर दी गई ताकि आगे आने वाले भविष्य में आयु का लाभ मिल सके। निजी विद्यालय के संस्थापक प्रभु नारायण गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी सनराईज पब्लिक स्कूल सोमनाथ नगर में संचालित है। बताया की आरोपी ने अपनी पुत्री मुस्कान गुर्जर को दिनांक 23 जुलाई 2019 को प्रथम कक्षा में सनराईज पब्लिक स्कूल सोमनाथ नगर दौसा में प्रवेश दिलाया था। प्राप्त टी सी में मुस्कान की जन्म तिथी 2 फरवरी 2012 है तथा दूसरी पुत्री पायल गुर्जर का भी दिनांक 23 जुलाई 2019 को द्वितीय कक्षा में प्रवेश दिलाया था। तया पायल की प्राप्त टीसी में जन्म तिथी 2 मार्च 2010 अंकित थी। मुस्कान कक्षा प्रथम, द्वितीय व तृतीय तक सनराइज निजी विधालय में पढ़ी थी। कक्षा तृतीय में लगातार अनुपस्थिति के कारण नाम पृथक किया गया। बार बार सूचना के उपरान्त भी अभिभावक ने स्कूल फीस नही दी थी। उसके फीस के 14 हजार रूपये बकाया है तथा पायल कक्षा द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ तक पढी थी किन्तु चतुर्थ में अध्ययन के दौरान लगातार अनुपस्थित रहने के कारण नाम पृथक कर दिया। उक्त दोनो छात्राओं के पिता जतन सिंह पुत्र कंचन लाल व दादा कंचन लाल गुर्जर प्रार्थी के विधालय की स्कूल फीस हडपने के इरादे से बिना टीसी कटा बेईमानी पूर्वक फर्जी दस्तावेजो के आधार पर जन्म तिथी में बदलाव कर विधालय खोहरा कलां दौसा में मुस्कान को कक्षा तृतीय मे 18 अक्टूबर 2021 को फर्जी शपथ पत्र से कि मुस्कान किसी विधालय में नही पढ़ी घर पर ही पढ़ी है।

स्कूली बच्चों को मिले गर्म कपड़े

अलवर। नेक कमाई समूह और डा. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट की ओर से सरकारी स्कूल फैमली लाइन उच्च प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को वस्त्र दान अभियान के तहत सभी बच्चों को गर्म कपड़े, स्टेशनरी और उपहार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में खंडेलवाल महिला मंडल की उपाध्यक्ष अदिति गुप्ता, लेखनी गुप्ता, कविता खंडेलवाल, अनामिका मोदी और मोनिका खंडेलवाल ने सभी विद्यार्थियों को गर्म कपड़े, स्टेशनरी और उपहार वितरित किए। कार्यक्रम में नेक कमाई समूह के वस्त्रदान कार्यक्रम की जानकारी प्रवीन बत्रा ने दी। मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने बताया कि यह अभियान पांच दिनों तक चलेगा जिसमें शुक्रवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुशालबाग के विद्यार्थियों को गर्म कपड़े वितरित होंगे। कार्यक्रम में समाजसेवी दौलत राम हजरती ने कहा कि सर्दियों के दिनों में कंपकंपाते बच्चों को गर्म कपड़े पहनाने से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है जिसमें सभी संस्थाओं को आगे आना चाहिए।

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

खुली ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक इंजीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या/ कार्य का नामः** इंजी./जय/2023-24/97 वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (उत्तर)/जयपुर के सेक्शन में-रींगस-रेवाड़ी सेक्शन में नीम का थाना (एनएमके)-मावंडा (एमएडीए) स्टेशन के बीच किलोमीटर 95/1-2 पर एलसी नंबर-72 पर आरयूबी का निर्माण करने का प्रावधान (आकार-2x3.00mx2.50m) **अनुमानित लागतः** ₹ 22004685.14/-, **बयाना राशिः** ₹ 260000/- **(1)** उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। **(2)** निविदा संख्या इंजी./ जय/ 2023-24/ 97 की बन्द होने की तिथि 05.01.2024 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथि 05.01.2024 समय 16.00 बजे। 1286-DP/23

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे G20

खुली ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **(1) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/23/2023-24 **कार्य का नामः** Provision of prepaid meters. Solar Geyser & conducting Investment grade energy audits over Jaipur division. (Other than energy audit portion). **अनुमानित लागतः** ₹ 2461242/- **बयाना राशिः** ₹49200/- **निविदा खोलने की तिथिः** 12.01.2024. **(2) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/30/2023-24 **कार्य का नामः** Jaipur Div. -Electrical work in connection with Provision of fault analysis rooms (Diagnostic panel room) at wayside stations in Jaipur Division. **अनुमानित लागतः** ₹ 861325/- **बयाना राशिः** ₹17200/- **निविदा खोलने की तिथिः** 12.01.2024. **(3) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/31/2023-24 **कार्य का नामः** Phulera Electrical work in connection with Renovation of existing Store depot FL as Main store depot for Wagon Depot Phulera. **अनुमानित लागतः** ₹ 740595/- **बयाना राशिः** ₹14800/- **निविदा खोलने की तिथिः** 12.01.2024. **(4) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/32/2023-24 **कार्य का नामः** GADJ-Jaipur Station-Electrical work in connection with Extension of platform length of PF No. 1 & 2 to 576 meters. **अनुमानित लागतः** ₹ 189784/- **बयाना राशिः** ₹3800/- **निविदा खोलने की तिथिः** 12.01.2024. **(5) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/16/2023-24 **कार्य का नामः** Jaipur -Electrical work in connection with Provision of hostel facility DBN (PG) Doctors 18 Nos. by construction of 2nd floor on existing old OPD building at Central Hospital. **अनुमानित लागतः** ₹ 1460282/- **बयाना राशिः** ₹29200/- **निविदा खोलने की तिथिः** 15.01.2024. **(6) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/20/2023-24 **कार्य का नामः** Electrical work in connection with provision of electronic motion way bridge (ELMWB) at Mandavariya station IN JP-MD section in Jaipur division. **अनुमानित लागतः** ₹ 402745/- **बयाना राशिः** ₹8100/- **निविदा खोलने की तिथिः** 15.01.2024. **(7) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/33/2023-24 **कार्य का नामः** Electrical work in connection with new Additional infrastructure at Rewari C&W Depot. **अनुमानित लागतः** ₹ 148018/- **बयाना राशिः** ₹3000/- **निविदा खोलने की तिथिः** 15.01.2024. **(8) एनआईटी संख्याः** ईएल/जेपी/20/2023-24 **कार्य का नामः** JP Division - Electrical work in connection with Improvement at various LCs by providing road surface, Gate lodges, Tool room and Earth work etc. in section JP-SWM. **अनुमानित लागतः** ₹ 203488/- **बयाना राशिः** ₹4100/- **निविदा खोलने की तिथिः** 15.01.2024. **नोटः ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15.00 बजे तक **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** निविदा खोलने की तिथि को 15.00 बजे के बाद **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता :** http://www.ireps.gov.in 1284-DP/23

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 से

टोंक। भारत सरकार द्वारा जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार, 16 दिसंबर से प्रारम्भ की जा रही है। जिसके तहत जिले में कैंप आयोजित कर आमजन को भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी एवं विभिन्न योजनाओं से पात्र लोगों को मौके पर ही जोड़ा जावेगा।

जिला कलेक्टर डॉ. ओमप्रकाश बैरवा ने सभी जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि जिले के निर्धारित स्थानों पर जागरूकता रथ के माध्यम से आमजन को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, कैंप में पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

प्रातः एवं दोपहर में इन स्थानों पर आयोजित होंगे कैंप : जिला कलेक्टर ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत देवली-उनियारा

- **शिविर भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी**

की ग्राम पंचायतों में जागरूकता रथ एवं कैंपों का आयोजन शनिवार, 16 दिसंबर को प्रातः देवली ब्लॉक के ग्राम नगरफोर्ट में, दोपहर को ब्लॉक उनियारा के ग्राम फूलेता में, 17 को प्रातः उनियारा के ग्राम रानीपुरा में, दोपहर में देवली के ग्राम चारनेट में, 18 को प्रातः देवली के ग्राम रामसागर में, दोपहर को उनियारा के बिलासपुर में संकल्प यात्रा कैंपो का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 19 दिसंबर को प्रातः देवली ब्लॉक के ग्राम गुराई में, दोपहर को ब्लॉक उनियारा के ग्राम बोसरिया में, 20 को प्रातः उनियारा के ग्राम पलाई में, दोपहर को ग्राम कचरावता में, 21 को प्रातः ग्राम खेलनिया में, दोपहर को ढिकोलिया में तथा 22 को प्रातः ग्राम मोहम्मदगढ़ एवं दोपहर को ग्राम गोठड़ा में संकल्प यात्रा शिविर आयोजित किये जाएंगे। इसी प्रकार टोंक की ग्राम पंचायतों में जागरूकता रथ एवं कैंपों का आयोजन शनिवार, 16 दिसंबर को प्रातः टोंक ब्लॉक के ग्राम मेहंदवास में, दोपहर को ग्राम दाखिया में, 17 को प्रातः ग्राम छान में, दोपहर को भरनी में, 18 को प्रातः ग्राम पालड़ा में, दोपहर को डारडा हिंद में, 19 को प्रातः सांखना में, दोपहर को ताखोली में, 20 को प्रातः लवादर में, दोपहर में ग्राम पंचायत काबरा में संकल्प यात्रा शिविर का आयोजन होगा। इसी प्रकार 21 को प्रातः ग्राम अरनियामाल में, दोपहर को सोनवा में तथा 23 दिसंबर को प्रातः ग्राम पंचायत चंदलाई में एवं दोपहर को घांस ग्राम में शिविरों का आयोजन होगा।

भामाशाह बनी सहगल फाउडेशन

अलवर। सहगल फाउंडेशन द्वारा ट्रांसफॉर्म लाइव कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय विकास हेतु सामुदायिक भागीदारी की भूमिका पर बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अलवर जिले के 25 विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रधानाध्यापक तथा विद्यालय विकास प्रबंधन समिति के सदस्य सम्मिलित हुए जिसमें स्त्रू सहगल फाउंडेशन के द्वारा अलवर जिले में 67 विद्यालयों के नवीनीकरण कार्य एवं उसके अतिरिक्त अन्य कार्य के बारे में चर्चा हुई, उत्तम विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समितियां के प्रतिभागियों ने अपने कार्यों से उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया, आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी नेकी राम, मनोज शर्मा अतिरिक्त प्रयोजन अधिकारी सामग्रशिक्षा अभियान अलवर, मधु भार्गव मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मौजूद था।

चौमूं में अतिक्रमण हटाये

चौमूं / कालाडेरा (निसं) चौमूं में कांग्रेस विधायक बनते ही शहर की सुन्दर बनाने व अवैध अतिक्रमण को हटाने के दौरान शहर में मचा हडकंप नगर परिषद में बैठा कांग्रेस बोर्ड निकला शहर से अतिक्रमण हटाने। गुरुवार को जयपुर रोड़ पर चला नगर परिषद का पंजा - अवैध होर्डिंग बोर्ड को हटाया गया।

वहीं अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन को कई जगह करना पड़ा विरोध का सामना। कुछ समय पहले अवैध मीट की दुकान और अब अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन की तिरछी नजर तो क्या अब विधायक की नजर अवैध निर्माण व शहर में लगे कचरे के ढेरों पर भी पडेगी। हाल ही में चौमूं नगर परिषद के सभापति विष्णु सैनी ने नवनिर्वाचित विधायक बराला से कार्यालय पर की थी मुलाकात। गौरतलब है कि पूर्व में भी शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी लेकिन प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर खाना पूर्ति करतें हुए गरीब थर्डी थेलो वाला का अतिक्रमण हटा कर लिपापोती कर ली थी। वहीं वास्तव में जिन रसुखदार अतिक्रमणकारी लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की जिसके कारण प्रशासन को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा और अतिक्रमण की कार्रवाई को रोक दिया गया। जानकारी के अनुसार आज की तारीख नगर परिषद की कुछ मीटर की दूरी पर रोडवेज बस स्टैंड के पास एक विशेष समुदाय के अतिक्रमण के कारण आये दिन वाहनों का लम्बा जाम लगता है। लेकिन इस अतिक्रमण को ना तो कांग्रेस की सरकार में हटाया गया और ना ही भाजपा की सरकार में। वहीं शहर में अतिक्रमण की बात करें तो बस स्टैंड से लेकर थाना चौराहा व थाना चौराहे से रेनवाल रोड पर रसुखदार लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है लेकिन प्रशासन इन पर कार्रवाई करने के नाम पर असमर्थ नजर आता।

जमानत प्रार्थना पत्र खारिज

बौंली-बामनवास। सवाई माधोपुर परिवार व पोक्सो न्यायालय ने दो अलग-अलग दर्ज नाबालिगो का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के आरोपियों का मामले की गंभीरता को देखते हुए देवराज गुर्जर निवासी नीमोद एवं दूसरे अन्य मामले में आरोपी बाबूलाल मीणा निवासी खिरखडी थाना बौंली का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया। पीड़िता व राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने न्यायालय को अवगत कराया कि जिले के एक थाने में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से एक परिवाद द्वारा मामला दर्ज कराया गया था जिसमें बताया गया था कि 1 अगस्त 2022 को प्रार्थी की नाबालिग पुत्री सांय करीब 7:30 बजे अपने मकान के पास शौच करने गई थी वह देर शाम तक भी वापस नहीं लोटी सभी जगह तलाश किया उसकी जन्म तिथि 7 मई 2005 है साथ में मोबाइल भी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान के बाद आरोपी देवराज गुर्जर निवासी निमोद को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया तब से ही आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है। एक अन्य दूसरे मामले में पिता ने अपनी पीड़ित पुत्री के साथ जिले के थाने में उपस्थित होकर मामला दर्ज कराया था।

रामजन्म प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन 22 को

फागी। आगामी 22 जनवरी को फागी कस्बे सहित सम्पूर्ण क्षेत्र में दीपावली सा पर्व मनाने के लिए कार्यक्रम संयोजक महंत मोहनदास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित की गई। सैंकडों नगरवासियों की उपस्थिति में जोशीले युवाओं के जयघोष से फागी राममय हो गया। अयोध्या से पहुंचे पीले चावलों का स्वागत करते हुए बालिका आदर्ष विद्या मन्दिर में स्थापित किया गया। सैंकडों नगरवासियों की उपस्थिति में कस्बे के लक्ष्मी विद्या मन्दिर आयोजित बैठक में कार्य का बटवारा करते हुए पीले चावल कर पत्रक एवं श्री राम के चित्र के वितरण हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया। कार्यक्रम की पृष्ठभूमि को कन्हैयालाल पारीक ने विस्तार से समझाया तो करणीय कार्य को जगदीश गुर्जर ने प्रकाश डाला। कस्बेवासियों की ओर से आये विभिन्न सुझाओं पर विचार करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। महाराज श्री ने श्रीराम के कार्य को गिलहरी की तरह तन मन से पूरा करने का वचन याद दिलाया। वहीं 22 जनवरी को प्रभातफेरी से प्रारम्भ होने वाले इस समारोह में लाइव दिखाना बंदनवार बांधना श्रीराम पताका लगाना शोभायात्रा निकालना सामहिर हनुमान चालिसा पाठ का आयोजन रंगोली सजाना सहित विभिन्न कार्यक्रमों पर आम सहमति बनी।

श्री पाबूजी महाराज की मूर्ति स्थापना आज, निकाली कलश यात्रा

टोंक। शहर में स्थित नायकों के मोहल्ले में नायकों के कुल देवता श्री पाबूजी महाराज की मूर्ति की स्थापना शुक्रवार को धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार की जावेगी।

कार्यक्रम संयोजक कैलाश नायक व विनोद नायक ने बताया कि नायक समाज के कुल देवता श्री पाबूजी महाराज की मूर्ति की स्थापना के अवसर पर गुरुवार को खोज बावड़ी स्थित बजरंगबली के मंदिर से एक भव्य कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ आरंभ हुई जो पुलिस लाइन, इंदिरा सर्किल

- **कलश यात्रा में मुख्य कलश को धारण करने के लिए 51हजार की बोली लगी**

छावनी होते हुए नायकों के मोहल्ले में पहुंची जहां धार्मिक रीति रिवाज के साथ कलश यात्रा का समापन किया गया। उन्होंने बताया कि कलश यात्रा में मुख्य कलश को धारण करने के लिए 51हजार की लगी बोली के बाद यह सौभाग्य राहुल नायक छावनी की पत्नी सुमन देवी को मिला, वहीं 65 हजार की बोली के बाद घोड़ी पर बैठने का सौभाग्य गणेश नायक छावनी को मिला। मूर्ति स्थापना के अवसर पर किए जाने वाले हवन में मुख्य कुंड पर बैठने के लिए लग रही बोली में समाचार लिखे जाने तक घ52 हजार की बोली रितेश रघुवंशी पुत्र प्रेम रघुवंशी द्वारा लगाई गई है, जो चालु है।इस मौके पर गुरुवार रात्रि को विशाल भजन संध्या जागरण का आयोजन भी किया जाएगा। क्लश यात्रा के अवसर पर प्रेम रघुवंशी, रमेश नायक, प्रहलाद नायक, मंगल सिंह, राजू, हरि नारायण, रामस्वरूप, राम सिंह सुंनारी, रामदयाल कोथुंन, हनुमान, मोनू जयपुर, पांचूलाल रघुवंशी, मोहन, लादू, रामनिवास, ललिता देवी, कैलाश देवी, शोभा, मथुरा, मुन्नी, सुशीला, कन्या आदि समाज की सैकड़ो स्त्री-पुरुष मौजूद रहे।

श्री पाबूजी महाराज की मूर्ति की स्थापना पर महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

ब्राह्मण समाज ने पूर्व मंत्री का पुतला फूंका

अलवर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र सिंह ने बुधवार को धन्यवाद सम्मेलन में भाजपा के शीर्ष नेताओं पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में सबसे कमजोर व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को विभागों के नाम तक नहीं पता उसे मुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश में किस तरह का राज चलने वाला है। इस तरह के व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाए जाने सिर्फ शासन का नहीं, बल्कि राजस्थान के लोगों के लिए भी अपमान की बात है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि भाजपा सबसे कमजोर व्यक्ति को ढूढती है, जो रिमोट कंट्रोल का हो। ऐसे में प्रदेश में रिमोट कंट्रोल की सरकार चलने वाली है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दिल्ली से एक अफसर को भेजेंगे और एक संगठन के आदमी को सीएमओ मे बिठाएंगे और वो ही सरकार चलाएंगे। इसके तहत ही नाम के लिए सिर्फ एक मोहरा बनाया है। यह आज एक दुःख की बात है। उन्होंने कहो कि हरियाणा के बाद अब छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में केन्द्र की सरकार चलने वाली है। यहां अब केन्द्र शासित सरकार चलेगी। इस तरह की केन्द्र सरकार की नीतियां लगातार सामने आ रही है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री के इन बयानों पर ब्राहमण समाज में भारी रोष व्याप्त हो गया है इसी के चलते जिले के ब्राहमण समाज के नेताओं ने नंगली के चौराहे पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह का पुतला फूक कर विरोध जताया

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

क्रमांक :- जसअ/2023-24/326 दिनांक : 12.12.2023

निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 18 से 24/2023-24

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com, एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No:- JMC2324WSOB01241, JMC2324WSOB01242, JMC2324WSOB01243, JMC2324WSOB01244, JMC2324WSOB01245, JMC2324WSOB01246 एवं JMC2324WSOB01247 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अभियन्ता (मु0)

राज.संवाद/सी/23/11577

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (आदर्श नगर जोन), नगर निगम, हैरिटेज जयपुर

(सेक्टर 4, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के पास, जवाहर नगर, जयपुर)

क्रमांक :- एफ-29/आ.न.जोन/ननिज-है./2023-24/628 दिनांक :- 13/12/2023

ई-निविदा सूचना संख्या 66 से 68/2023-24 तक

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से अधिशाषी अभियन्ता आदर्श नगर जोन से सम्बन्धित विकास कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर हैरिटेज की वेबसाईट **www.jaipurmcheritage.org.com** व राजस्थान सरकार के पोर्टल **http;//sppp.raj.nic.in** तथा **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी व डाउनलोड की जाकर पोर्टल **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर अपलोड की जा सकती है। जिसका यूबीएन नम्बर JMC2324WSOB01234, 01235, 01236 है।

नोट : अवकाश घोषित होने पर कार्यालय खुलने की आगामी तारीख मानी जाये।

अधिशाषी अभियन्ता (आदर्श नगर जोन)
नगर निगम जयपुर हैरिटेज

राज.संवाद/सी/23/11606

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

मोदी साथे राजस्थान

नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की राजस्थान के लिए गारंटी

450 रुपए में एलपीजी सिलेंडर
हम सभी गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपए में एलपीजी सिलेंडर प्रदान करेंगे।

पेपर लीक एवं घोटालों की जांच
हम पेपर लीक मामलों एवं विभिन्न घोटालों की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम स्थापित कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

किसानों की जमीनों का उचित मुआवजा
हम कांग्रेस सरकार के राज में नीलाम हुई किसानों की जमीनों का उचित मुआवजा देने के लिए एक मुआवजा नीति लाएंगे।

छात्राओं को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा
हम प्रदेश की सभी छात्राओं को केजी से पीजी तक मुफ्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेंगे।

किसानों को 12,000 रुपए प्रति वर्ष
हम पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों के लिए वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 12,000 रुपए प्रति वर्ष करेंगे।

महिला सुरक्षा के सुदृढ़ उपाय
हम प्रत्येक जिले में महिला थाने और हर पुलिस स्टेशन में महिला डेस्क एवं सभी प्रमुख शहरों में एंटी-रोमियो स्क्वॉड का गठन करेंगे।

भ्रष्टाचार और माफिया राज का अंत करेंगे
राज्य में पारदर्शी सरकार स्थापित करेंगे, भ्रष्टाचार और माफिया राज खत्म करेंगे।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
हम 800 करोड़ रुपए के निवेश के साथ राज्य के प्रमुख सांस्कृतिक क्षेत्रों में क्षेत्रीय विरासत केंद्र स्थापित कर इन क्षेत्रों की संस्कृति का संरक्षण करेंगे।

पर्यटन क्षेत्र में लाखों युवाओं को रोजगार
हम 2,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ प्रदेश के 5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।

युवाओं को सरकारी नौकरियां
हम अगले पांच वर्षों में प्रदेश के युवाओं को 2.5 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करेंगे।

राजस्थान संवाद

आओ करें शुरूआत, राजस्थान के नवनिर्माण की

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान